@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 16 मार्च 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 130 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली। चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तारीखों के एलान के बाद देश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। अलग-अलग दलों के नेताओं ने चुनाव कार्यक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। किसी ने जीत का दावा किया है तो किसी ने चुनाव आयोग से निष्पक्ष चुनाव कराने की मांग की है। पश्चिम बंगाल से लेकर केरल और तमिलनाडु तक राजनीतिक दलों ने अपनी रणनीति और भरोसा दोनों जाहिर किए हैं। चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, वाम दल और डीएमके जैसे दलों ने अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दी। कई नेताओं ने कहा कि उनकी पार्टी पूरी ताकत से चुनाव मैदान में उतरेगी। वहीं कुछ नेताओं ने मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया को लेकर सवाल भी उठाए। सभी दलों का कहना है कि आने वाले चुनाव उनके लिए बेहद अहम हैं और जनता ही अंतिम फैसला करेगी। आइए विस्तार से जानते हैं किसने क्या कहा। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में विधानसभा चुनाव कराने के चुनाव आयोग के फैसले का कांग्रेस ने स्वागत किया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रदीप भट्टाचार्य ने कहा कि यह फैसला सही है, लेकिन सबसे बड़ी चिंता यह है कि मतदाता बिना डर और दबाव के वोट डाल सकें। उन्होंने कहा कि पहले भी कई बार बहुचरणीय चुनाव हुए, फिर भी मतदाता खुलकर मतदान नहीं कर पाए। बंगाल की 294 सीटों पर 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि मतगणना चार मई को होगी। सिलीगुड़ी के मेयर और टीएमसी नेता गौतम देब ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में होंगे और उनकी पार्टी पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि सबसे जरूरी बात निष्पक्ष मतदाता सूची है। सभी योग्य मतदाताओं का नाम सूची में होना चाहिए और किसी तरह का भेदभाव नहीं होना चाहिए। गौतम देब ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल की जनता चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है और टीएमसी ही जीत हासिल करेगी।6चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने

पश्चिम बंगाल को सबसे अहम चुनाव बताया है। उन्होंने कहा कि बंगाल में दो चरणों में मतदान होगा और अब चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि मतदाताओं को किसी तरह की धमकी या दबाव का सामना न करना पड़े। गिरिराज सिंह ने आरोप लगाया कि टीएमसी कार्यकर्ता मतदाताओं को डराने की कोशिश करते हैं। उन्होंने दावा किया कि इस बार पश्चिम बंगाल में भाजपा भारी बहुमत से जीत दर्ज करेगी। झारखंड से केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस लगातार देश के खिलाफ नकारात्मक माहौल बनाती रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस चुनाव दर चुनाव हार रही है और अब शतक की ओर बढ़ रही है। संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इन पांच राज्यों में भी भाजपा बड़ी जीत दर्ज करेगी, जैसा बिहार में हुआ था। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता वी डी सतीशन ने कहा कि यूडीएफ पूरे आत्मविश्वास के साथ चुनाव मैदान में उतर रही है। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों में मिली बड़ी जीत के बाद यूडीएफ को भरोसा है कि इस बार केरल में 100 से ज्यादा सीटें जीतेंगे। सतीशन ने कहा कि राज्य की जनता उस सरकार के खिलाफ खड़ी होगी जिसने प्रदेश को नुकसान पहुंचाया है। सीपीआई-एम सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा कि चुनाव जल्दी हो रहे हैं, इससे उन्हें खुशी है। उन्होंने कहा कि एलडीएफ सरकार के विकास कार्यों को जनता जानती है और पार्टी पूरी तरह तैयार है। वहीं सीपीआई महासचिव डी राजा ने कहा कि चुनाव आयोग को पूरी तरह निष्पक्ष रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर योग्य मतदाता को वोट देने का अधिकार मिलना चाहिए और चुनाव पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष होने चाहिए। डीएमके के प्रवक्ता सलेम धरनीधरन ने कहा कि मुख्यमंत्री की योजनाओं की वजह से तमिलनाडु देश के लिए उदाहरण बन रहा है। उन्होंने दावा किया कि डीएमके को 200 से ज्यादा सीटों पर जीत मिल सकती है। वहीं भाजपा नेता तमिलिसाई सुंदरराजन ने कहा कि साफ मतदाता सूची बनाना जरूरी है ताकि कोई फर्जी वोट न हो। भाजपा सांसद सौमित्र खान ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सुरक्षा के लिए दो चरणों में चुनाव कराना सही फैसला है और उनकी पार्टी पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने विश्व शांति पर केंद्र सरकार की नीति का समर्थन किया

•संगठन की स्पष्ट धारणा है कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है।

एजेंसी

समालखा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच केंद्र सरकार की नीति का समर्थन करते हुए दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को कहा कि संघ विश्व में शांति का पक्षधर है। उन्होंने कहा कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर संघ कोई विशेष टिप्पणी नहीं करना चाहता। संगठन की स्पष्ट धारणा है कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है। संघ चाहता है कि विश्व में चल रहे संघर्ष जल्द समाप्त हों और शांति की स्थापना हो। उन्होंने कहा कि भारत सरकार भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति स्थापित करने के लिए अपने स्तर पर प्रयास कर रही है और भारत के हित में निर्णय ले रही है। हरियाणा के समालखा में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का

समापन रविवार को होने जा रहा है। इस अवसर पर संघ ने अपनी संगठनात्मक संरचना में महत्वपूर्ण परिवर्तन की घोषणा की है। जमीनी स्तर पर कार्य के विस्तार और संगठन को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अब 'प्रांत' इकाइयों के स्थान पर 'संभाग' इकाइयों का गठन किया जाएगा। वर्तमान में देशभर में 46 प्रांत हैं, जिन्हें पुनर्गठित कर लगभग 80 संभाग बनाए जाएंगे।

माया‌वती ने जयंती पर कांशीराम को किया याद, सपा के पीडीए को बताया छलावा

•'वर्तमान में केंद्र की भाजपा सरकार भी मान्यवर कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित करने में देरी कर रही है।'

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नक्शेकदम पर चलने वाली बसपा 'बहुजन समाज' के हित कल्याण व उत्थान के लिए असली पार्टी है। जबकि सपा व अन्य विरोधी पार्टियों की कथनी और करनी में भारी अंतर है। ऐसी पार्टियों के छलवा और दिखावा से सावधानी बरतना जरूरी है। बसपा प्रमुख मायावती रविवार को माल एवेन्यू स्थित केंद्रीय कैम्प कार्यालय में

कांशीराम के चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि देने के बाद वरिष्ठ नेताओं को संबोधित कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधा। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि दलितों, अन्य पिछड़ों व मुस्लिम समाज आदि का हर स्तर पर शोषण करने वाली पार्टियों में से खासकर सपा व अब इनका पीडीए प्रेम विशुद्ध छलावा है। इनको इन वर्गों व इनके महापुरुषों की याद केवल चुनाव के समय में ही आती है। सरकार बन जाने के बाद वह भी दूसरी पार्टियों की इन वर्गों का तिरस्कार कर देती है। इन पार्टियों का इतिहास है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज के इन पार्टियों से काफी हद तक अलग होने व ब्राह्मण समाज के भी बसपा से जुड़ने से सपा का राजनीतिक व जातिवादी बैर भाव बढ़ता जा रहा है। कैंप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने बहुजन समाज के लोगों से अपील की है कि इन पार्टियों के हर प्रकार के छलावा व दिखावा से सावधानी बरतना जरूरी है। इतना ही नहीं बल्कि कांग्रेस पार्टी ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर को भारत रत्न से सम्मानित नहीं किया।

डॉ. धर्मपाल जैन ने समाज कल्याण के लिये राज्यपाल को 5 लाख का चैक भेंट किया

एजेंसी

चण्डीगढ़। भारतीय मूल के अमेरिका में बसे डॉ. धर्मपाल जैन एवं डॉ. आषा जैन ने गत दिवस पंजाब के राज्यपाल एवं चण्डीगढ़ के प्रषासक गुलाब चन्द कटारिया से भेंट कर उन्हें समाज कल्याण एवं गरीबों की मदद करने के उद्देष्य से 5 लाख रूपये का चैक भेंट किया। मूल रूप से खरड़ निवासी डॉ. धर्मपाल जैन, पूर्व सांसद सत्य पाल जैन के बड़े भाई हैं जो पिछले 50 वर्षो से अमेरिका में रह रहे है। वे लगभग 15 दिनों के अवकाष पर भारत आये हुये है। इस अवसर पर राज्यपाल कटारिया ने उन का आभार व्यक्त किया। सत्य पाल जैन ने राज्यपाल से निवेदन किया कि वे गरीब लोगों की सहायता के लिये, ''प्रधानमंत्री राहत कोष'की तर्ज पर अपना एक राहत कोष बनाये ताकि अधिक से अधिक लोग इसमें योगदान कर सकें ।

15 सौ करोड़ के साइबर घोटाले का मास्टरमाइंड सूरत एयरपोर्ट से गिरफ्तार

एजेंसी

सूरत। गुजरात के सूरत साइबर क्राइम सेल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे ट्रेडिंग फ्रॉड रैकेट के मुख्य आरोपित अल्पेश वघासिया को सूरत इंटरनेशनल एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया। आरोपित शेयर ट्रेडिंग और करेंसी ट्रेडिंग के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी कर दुबई में बैठकर पूरे नेटवर्क को संचालित कर रहा था। ट्रेडिंग फ्रॉड रैकेट का मुख्य आरोपित अल्पेश वघासिया के बारे में एक चौंकाने वाली बात सामने आयी है कि अल्पेश सिर्फ 9वीं कक्षा तक पढ़ा है, लेकिन उसने करीब 1500 करोड़ रुपये के ट्रांजेक्शन वाला साइबर नेटवर्क खड़ा कर दिया।

दुबई से भारत लौटते ही गिरफ्तारी

अल्पेश वघासिया लंबे समय से दुबई में रहकर अपने ठगी के नेटवर्क को चला रहा था। हालांकि वहां की बिगड़ती परिस्थितियों और युद्ध जैसी स्थिति के कारण वह दुबई छोड़कर भारत लौटना चाहता था। अंग्रेजी न आने के कारण उसे विदेश में रहने में भी परेशानी हो रही थी। जैसे ही वह भारत लौटने की कोशिश में सूरत एयरपोर्ट पहुंचा, पहले से जारी लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) के आधार पर साइबर क्राइम टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को चकमा देने के लिए उसने तीन बार सूरत की फ्लाइट बुक की थी, लेकिन वे रद्द हो गईं। बाद में वह पहले बैंकॉक गया और वहां से अलग-अलग रूट से होते हुए सूरत पहुंचा, जहां उसे पकड़ लिया गया। आरोपित मूल रूप से राजकोट जिले के गोंडल का निवासी है और सूरत के वेलंजा इलाके में एक आलीशान बंगले में रहता था।

पश्चिम एशिया के सात देशों में सीबीएसई की कक्षा 12 की परीक्षाएं रद्द

• बोर्ड ने कहा कि छात्रों की सुरक्षा और वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने पश्चिम एशिया में मौजूदा हालात को देखते हुए कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं रद्द करने का निर्णय लिया है। बोर्ड ने कहा कि छात्रों की सुरक्षा और वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है।

सीबीएसई ने इस संबंध में शनिवार को एक परिपत्र जारी किया है, जिसके अनुसार बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में संबद्ध स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए 16 मार्च से 10 अप्रैल तक निर्धारित

कक्षा 12वीं की सभी परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं। बोर्ड के अनुसार इन देशों में परीक्षाओं के आयोजन की संभावना की समीक्षा संबंधित स्कूलों और स्थानीय अधिकारियों से मिले सुझावों के आधार पर की गई। समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया कि मौजूदा परिस्थितियों में परीक्षाओं का आयोजन संभव नहीं है। सीबीएसई ने यह भी स्पष्ट किया है कि 1 मार्च, 3 मार्च, 5 मार्च, 7 मार्च और 9 मार्च 2026 के परिपत्रों के माध्यम से पहले जिन परीक्षाओं को स्थगित किया गया था, वे भी अब रद्द मानी जाएंगी। बोर्ड ने कहा है कि इन देशों के कक्षा 12 के विद्यार्थियों के परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया और तरीका अलग से सूचित किया जाएगा।

राहुल गांधी ने कांशीराम को भारत रत्न देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बहुजन समाज के नेता कांशीराम की जयंती पर उनको मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग की है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आधिकारिक पत्र लिखकर पत्र लिखकर कहा कि कांशीराम ने भारतीय राजनीति की प्रकृति को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अपने आंदोलनों के माध्यम से बहुजनों और गरीबों के बीच राजनीतिक जागरूकता बढ़ाई। राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय संविधान सभी नागरिकों को समानता, गरिमा और भागीदारी का अधिकार देता है। कांशीराम ने समाज के सबसे निचले तबके तक इन अधिकारों को सार्थक बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। इससे भारतीय लोकतंत्र की नींव मजबूत हुई और राजनीतिक व्यवस्था अधिक

•कई वर्षों से दलित बुद्धिजीवी, नेता और सामाजिक कार्यकर्ता कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग करते रहे हैं।

प्रतिनिधिक तथा न्यायपूर्ण बनी। उन्होंने कहा कि कई वर्षों से दलित बुद्धिजीवी, नेता और सामाजिक कार्यकर्ता कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग करते रहे हैं। पत्र में राहुल गांधी ने कहा कि कांशीराम ने लोगों को यह याद दिलाया कि उनका वोट, उनकी आवाज और उनका प्रतिनिधित्व महत्वपूर्ण है और यह देश सभी का समान रूप से है। उनके प्रयासों के कारण उन लोगों ने राजनीति को न्याय और समानता हासिल करने का माध्यम माना, जिन्होंने कभी सार्वजनिक जीवन में आने के बारे में नहीं सोचा था। राहुल गांधी ने कहा कि कांशीराम को मरणोपरांत भारत रत्न देने से राष्ट्र के प्रति उनके विशाल योगदान को मान्यता मिलेगी और उन लाखों लोगों की आकांक्षाओं का सम्मान होगा, जो उन्हें सशक्तिकरण और आशा के प्रतीक के रूप में देखते हैं।

पंजाब में हथियार और ड्रग्स तस्करी के मॉड्यूल का भंडाफोड़, छह आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

अमृतसर। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार हथियारों और ड्रग्स तस्करी के मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर 6 अत्याधुनिक पिस्टल बरामद की हैं। आरोपियों के कब्जे से 60 कारतूस और 3.513 किलोग्राम हेरोइन भी बरामद की गई। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने इस कार्रवाई को अमृतसर सीमा क्षेत्र में चल रहे नशा और हथियार तस्करी के खिलाफ पुलिस की सतत मुहिम का हिस्सा बताया है। पंजाब डीजीपी के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में पता चला है कि बरामद हथियार और हेरोइन का संबंध पाकिस्तान के तस्करों से है, जो भारत-पाकिस्तान सीमा के पास हथियारों और नशीले पदार्थों की आपूर्ति में मदद कर रहे थे। आरोपी सीमा पार से आने वाले एक दलाल के अधीन काम कर रहे थे, जिससे एक बड़े संगठित तस्करी नेटवर्क का संकेत मिलता है।

एलपीजी सिलेंडर की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करे सरकार: ज्यूडिशियल काउंसिल

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली (न्यूज वार्ता) ज्यूडिशियल काउंसिल ने भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी को पत्र लिखकर आम जनता के लिए एलपीजी (Liquefied Petroleum Gas) सिलेंडरों की निर्बाध और पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार से तत्काल कदम उठाने को कहा है। अपने पत्र में ज्यूडिशियल काउंसिल के चेयरमैन श्री राजीव अग्निहोत्री ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति में कमी और देरी को लेकर नागरिकों से प्राप्त बढ़ती शिकायतों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। काउंसिल ने कहा कि एलपीजी सिलेंडर एक अत्यंत आवश्यक वस्तु है जिसका उपयोग देश के करोड़ों परिवार रोज़मर्रा के भोजन पकाने और अन्य घरेलू आवश्यकताओं के लिए करते हैं। इसकी आपूर्ति में किसी भी प्रकार की बाधा आम परिवारों के लिए भारी असुविधा और कठिनाई का कारण बनती है। ज्यूडिशियल काउंसिल ने यह भी उल्लेख किया कि हाल के सप्ताहों में कई इलाकों में उपभोक्ताओं ने आधिकारिक माध्यमों से बुकिंग करने के बावजूद एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी में देरी की शिकायत की है। कई मामलों में उपभोक्ताओं को सिलेंडर प्राप्त करने के लिए

कई दिनों या कभी-कभी कई सप्ताह तक इंतजार करना पड़ रहा है। काउंसिल के अनुसार ऐसी देरी उन परिवारों के लिए अनावश्यक परेशानी उत्पन्न करती है जो पूरी तरह से खाना पकाने के लिए एलपीजी पर निर्भर हैं। ज्यूडिशियल काउंसिल ने कुछ क्षेत्रों में एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाज़ारी और अवैध बिक्री की संभावना को लेकर भी चिंता व्यक्त की है। काउंसिल के अनुसार जब भी आपूर्ति में कमी या अनियमितता होती है, तब कुछ असामाजिक तत्व स्थिति का फायदा उठाकर घरेलू सिलेंडरों को डायवर्ट कर देते हैं या उन्हें अधिक कीमत पर ब्लैक मार्केट में बेचने का प्रयास करते हैं। यह न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि वास्तविक उपभोक्ताओं के हितों को भी नुकसान पहुंचाता है। सरकार को लिखे अपने पत्र में ज्यूडिशियल काउंसिल ने आग्रह किया है कि एलपीजी सिलेंडरों की वितरण प्रणाली की कड़ी निगरानी की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि स्थानीय स्तर पर पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध रहे। काउंसिल ने सुझाव दिया कि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा संबंधित ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को वितरकों और डीलरों की निगरानी और निरीक्षण को और सुदृढ़ करना चाहिए ताकि जमाखोरी, डायवर्जन और अन्य अनियमितताओं को रोका जा सके।

शेष पृष्ठ 3 पर

दो दिवसीय यात्रा पर बेल्जियम जाएंगे विदेशमंत्री जयशंकर, यूरोपीय देशों के अपने समकक्षों के साथ करेंगे वार्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशमंत्री डॉ. एस. जयशंकर 15-16 मार्च को बेल्जियम के ब्रसेल्स की आधिकारिक यात्रा करेंगे। इस यात्रा के दौरान वे विदेश मामलों की परिषद की बैठक में ईयू के 27 सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के साथ बातचीत करेंगे। इस यात्रा के दौरान विदेशमंत्री यूरोपीय संघ के नेतृत्व के साथ-साथ बेल्जियम और ईयू के अन्य सदस्य देशों के अपने समकक्षों के साथ भी बैठकें करेंगे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, 16वें ऐतिहासिक भारत-ईयू शिखर सम्मेलन के तुरंत बाद हो रही विदेशमंत्री की यह यात्रा, यूरोपीय संघ के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी को और अधिक गहरा करने की उम्मीद है।

लंगाना में हाई-प्रोफाइल ड्रग्स पार्टी का खुलासा

टीडीपी सांसद सहित 10 लोगों को पुलिस ने पकड़ा

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना के रंगारेड्डी ज़िले के मोइनाबाद क्षेत्र में स्थित एक फार्महाउस में कथित तौर पर आयोजित ड्रग्स पार्टी का मामला अब राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में बड़ा विवाद बन गया है। इस पार्टी में उद्योगपतियों, रियल एस्टेट कारोबारियों और राजनीतिक नेताओं की मौजूदगी सामने आने के बाद मामला और भी सनसनीखेज हो गया है। पुलिस जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं, जबकि विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि कुछ प्रभावशाली लोगों को बचाने के लिए राजनीतिक दबाव बनाया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि मोइनाबाद के अजीजनगर स्थित एक फार्महाउस में ड्रग्स के साथ पार्टी चल रही है। सूचना मिलते ही 'ड्रग लॉ एनफोर्समेंट के लिए एलीट एक्शन ग्रुप' (ईगल)

की पांच सदस्यीय टीम ने शनिवार रात करीब 9:30 बजे फार्महाउस पर छापा मारा।हालांकि, छापेमारी के दौरान पुलिस को फार्महाउस के अंदर प्रवेश करने में शुरुआती विरोध का सामना करना पड़ा। बताया गया कि गेट पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और फार्महाउस के मालिक तथा पूर्व विधायक पायलट रोहित रेड्डी ने पुलिस टीम को तुरंत अंदर जाने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद स्थिति को देखते हुए पुलिस ने स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी) को मौके पर बुलाया, जिसकी मदद से टीम ने फार्महाउस के अंदर प्रवेश किया।

युद्ध संकट के चलते यूएई जाने वाली एअर इंडिया की दर्जनों उड़ानें रद्द, यात्री परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में गहराते युद्ध के संकट ने अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई देशों द्वारा अपने वायु क्षेत्र (एयरस्पेस) को बंद करने और सुरक्षा कारणों से लगाई गई पाबंदियों का सीधा असर वैश्विक उड़ानों के शेड्यूल पर पड़ा है। इसी क्रम में, संयुक्त अरब अमीरात के एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा जारी नए दिशा-निर्देशों के बाद एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस ने अपनी उड़ानों में भारी कटौती की घोषणा की है। 15 मार्च 2026 के लिए निर्धारित कई एड-हॉक उड़ानों को अचानक रद्द करना पड़ा है, जिससे भारत और यूएई के बीच यात्रा करने वाले सैकड़ों यात्री विभिन्न हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं। एअर इंडिया के अनुसार, दुबई एयरपोर्ट अथॉरिटी के निर्देशों के कारण परिचालन को सीमित करना अनिवार्य हो गया है। दिल्ली-दुबई मार्ग पर एअर इंडिया की पांच में से चार निर्धारित उड़ानें रद्द कर दी गई हैं और अब केवल एक ही रिटर्न फ्लाइट संचालित होगी। एअर इंडिया एक्सप्रेस की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है, जहाँ दुबई के लिए छह में से पांच और अबू धाबी के लिए निर्धारित सभी पांचों उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। शारजाह और रास अल खैमाह के लिए दिल्ली, कोच्चि, मुंबई और तिरुवनंतपुरम जैसे शहरों से कुछ सीमित उड़ानें संचालित करने की योजना है, लेकिन कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ये भी स्लॉट की उपलब्धता और तत्कालीन सुरक्षा स्थितियों पर निर्भर करेंगी। एयरलाइन ने यात्रियों को सख्त हिदायत दी है कि वे घर से निकलने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच अवश्य कर लें। युद्ध के कारण बिगड़ते हालात ने न केवल यात्रियों की मुश्किलें बढ़ाई हैं, बल्कि खाड़ी देशों के बीच हवाई किराए में भी उछाल आने की आशंका बढ़ गई है।

ट्रक से टकराई कार की टक्कर लगने से पदयात्रा कर रहे 21 वर्षीय जैन भिक्षु की मौत

-जैन समाज में शोक व्याप्त, मृतक को न्याय दिलाने की मांग

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर पालघर जिले के पास रविवार तड़के एक सड़क हादसे में पदयात्रा पर निकले 21 साल के जैन भिक्षु नम्ररत्न विजय महाराज की मौत हो गई। यह दुर्घटना भालीवली गांव के पास उस समय हुई जब तेज रफ्तार कार के चालक ने पीछे से आए ट्रक की टक्कर के बाद नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे पैदल चल रहे भिक्षु नम्ररत्न को टक्कर मार दी। पुलिस के मुताबिक नम्ररत्न विजय महाराज अपने साथियों के साथ पदयात्रा करते हुए सफाले के प्रतापधाम सतीवली से विरार के आगे स्थित महावीरधाम शिरसाद की ओर जा रहे थे। सुबह करीब 5:15 बजे जब वे भालीवली पुल के पास पहुंचे, तभी गुजरात की ओर से आ रही कार को पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद कार चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और कार सीधे सड़क किनारे चल रहे जैन भिक्षु से जा टकराई। घायल भिक्षु को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। नम्ररत्न विजय महाराज मूल रूप से गुजरात के निवासी थे और उनके निधन से जैन समुदाय में शोक की लहर है। शुरुआती जांच में पता चला है कि कार चालक मानखुर्द निवासी आकाश ईश्वर आनंदवार है, जबकि ट्रक चालक सूरत का रहने वाला राजू सिंह तोमर है। दोनों चालकों को नोटिस जारी कर पुलिस के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। पुलिस का कहना है कि दुर्घटना वाहन चालकों की लापरवाही और तेज गति से गाड़ी चलाने के कारण हुई। मामले की जांच जारी है। इस दुखद घटना के बाद जैन समाज में गहरा शोक व्याप्त है। स्थानीय जैन समुदाय के सदस्यों ने मृतक को न्याय दिलाने की मांग की है। नम्ररत्न विजय महाराज ने 2020 में धर्मसूरी संप्रदाय में दीक्षा ली थी।

पाली में हाईटेंशन लाइन टूटने से 57 भेड़-बकरियों की मौत, पशुपालकों में मचा हड़कंप

पाली (एजेंसी)। ,राजस्थान के पाली जिले के बाली उपखंड के नाना थाना क्षेत्र में रविवार को एक गंभीर हादसा हुआ। भीमाना गांव की डाग फली में हाईटेंशन विद्युत लाइन का तार अचानक टूटकर जमीन पर गिर गया। इस दौरान पास ही चर रही भेड़-बकरियों में से 57 की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार घटना उस समय हुई जब स्थानीय पशुपालक अपने मवेशियों को चराने ले गए थे। अचानक ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर नीचे गिरा और उसमें प्रवाहित करंट के कारण भेड़-बकरियां इसकी चपेट में आ गईं। तेज करंट लगने से अधिकांश भेड़-बकरियां मौके पर ही दम तोड़ गईं। हादसे के समय वहां मौजूद पशुपालकों ने अपनी जान बचाने के लिए तुरंत वहां से भागना शुरू किया। बताया गया है कि इस दौरान एक पशुपालक को चोट भी आई है, हालांकि उसकी हालत खतरे से बाहर है। तार गिरने के बाद इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया।

दिल्ली में गैस सिलेंडर संकट से हाहाकार, 700 रुपये 'दिहाड़ी' पर लाइन में लगने से हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में रसोई गैस की किल्लत ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। हाल के दिनों में गैस एजेंसियों और गोदामों में लंबी कतारों की तस्वीरें सामने आई हैं। शास्त्री पार्क और न्यू सीलमपुर के गोदामों में स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि लोग बुकिंग करने के बजाय खुद सिलेंडर लेने और कतार में खड़े रहने को मजबूर हैं। गोदामों में सुबह पांच-छह बजे से ही लाइनें लगना शुरू हो जाती हैं, जबकि एजेंसियां आधिकारिक तौर पर 9:30 बजे खुलती हैं। सिलेंडर स्टॉक कम होने और अचानक बढ़ी बुकिंग के कारण लोगों में अफरा-तफरी फैल गई है। कई लोग खाली सिलेंडर लेकर सीधे गोदाम पहुंचे और वहां लंबी कतार में खड़े होकर सिलेंडर लेने लगे। गोदाम पर एक मामले ने माहौल और गर्म कर दिया। एक शख्स ने अपने साथी को लाइन में खड़ा करने के लिए 700 रुपये की दिहाड़ी ली। उसने कहा कि वह रोजा रखे है इस कारण उसने अपने लिए लाइन में दूसरे को पैसार देकर खड़ा किया है। इससे आसपास खड़े लोग चौंक गए, लेकिन कई ने इसे व्यवस्था का एक उपाय माना। लोगों की नाराजगी और मुश्किलों की एक वजह डिलीवरी बॉय की भी है। एक डिलीवरी बॉय ने मीडिया को बताया कि बिगड़ते हालात में घर-घर सिलेंडर पहुंचाना जोखिम भरा हो गया है। हाल ही में ब्रह्मपुरी रोड पर सिलेंडर ले जाने वाले डिलीवरी बॉय को बीच रास्ते में रोककर उससे जबरन सिलेंडर लूट लिया गया और 1000 रुपये फेंककर भाग गए।

बिहार में नए मुख्यमंत्री को लेकर अटकलें तेज, शिवानंद तिवारी के बयान से सियासत गरम

एनडीए में संभावित बदलाव की चर्चा

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति इन दिनों नए मोड़ पर खड़ी नजर आ रही है। मुख्यमंत्री पद को लेकर सियासी गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की प्रक्रिया में आने के बाद से ही सवाल उठने लगे हैं कि उनके बाद बिहार की कमान किसके हाथ में होगी। इस बीच वरिष्ठ समाजवादी नेता शिवानंद तिवारी के एक बयान ने राजनीतिक हलचल और बढ़ा दी है।

दरअसल, शिवानंद तिवारी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखकर दावा किया है कि नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना लगभग तय माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो बिहार का अगला मुख्यमंत्री भाजपा से हो सकता है। तिवारी के मुताबिक भाजपा में जिस नेता का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है, वह सम्राट चौधरी हैं। तिवारी ने पोस्ट करते हुए कहा, कि भाजपा ने पहले की तुलना में संगठन और सरकार में सम्राट चौधरी की भूमिका को काफी मजबूत किया है। फिलहाल वे बिहार सरकार में उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का भी मानना है कि पार्टी के भीतर उनकी पकड़ मजबूत है और केंद्रीय नेतृत्व का भी उन पर भरोसा दिखाई देता है। हाल ही में उन्हें दिल्ली बुलाए जाने की खबरों ने भी इस चर्चा को और बल दिया है।

शिवानंद तिवारी ने बिहार की राजनीति के सामाजिक समीकरणों का जिक्र करते हुए कहा कि 1990 के दशक में जब लालू प्रसाद यादव से राजनीतिक रास्ते अलग हुए तो नीतीश कुमार और जॉर्ज फर्नांडीज ने मिलकर समता पार्टी बनाई थी। उस समय यादव-मुस्लिम समीकरण के मुकाबले एक नया सामाजिक गठबंधन तैयार करने की जरूरत थी। इसी दौर में 'लव-कुश' यानी कुर्मी और कुशवाहा समुदाय का राजनीतिक समीकरण सामने आया, जो आगे चलकर नीतीश कुमार की राजनीति का मजबूत आधार बना।

हाल के दिनों में नीतीश कुमार की 'समृद्धि यात्रा' के दौरान भी कुछ राजनीतिक संकेत देखने को मिले हैं। कई कार्यक्रमों में सम्राट चौधरी उनके साथ प्रमुख रूप से नजर आए। पूर्णिया के एक कार्यक्रम में नीतीश कुमार द्वारा सम्राट चौधरी के कंधे पर हाथ रखकर उन्हें आगे बढ़ाने की घटना को भी राजनीतिक विश्लेषक प्रतीकात्मक संकेत के तौर पर देख रहे हैं। ऐसे में राजनीतिक जानकार कह रहे हैं कि यदि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद छोड़ते हैं तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए के भीतर नई सत्ता व्यवस्था बन सकती है और मुख्यमंत्री पद भाजपा के हिस्से में जा सकता है। हालांकि पार्टी के अन्य नेताओं, जैसे नित्यानंद राय का नाम भी समय-समय पर चर्चा में आता रहा है, लेकिन फिलहाल सम्राट चौधरी का नाम सबसे आगे माना जा रहा है। फिलहाल राज्यसभा चुनाव और आने वाले राजनीतिक घटनाक्रम पर सबकी नजर टिकी हुई है। अंततः यह तय हे कि नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद बिहार की राजनीति में एक बड़े बदलाव की शुरुआत होगी।

बीजेपी तमिलनाडु में चुनाव से पहले टीवीके को एनडीए गठबंधन में चाहती है जोड़ना

-एक राज्य के डिप्टी सीएम को बनाया बिचौलिया, विजय चाहते हैं सीएम बनना

नई दिल्ली (एजेंसी) तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी और टीवीके के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत आखिरी दौर में है। बीजेपी की कोशिश है कि अभिनेता विजय की पार्टी को एनडीए के साथ जोड़ा जाए। इसके लिए पार्टी कई रास्तों से विजय से संपर्क कर रही है, जिसमें दूसरे राज्य के एक उपमुख्यमंत्री को बिचौलिया बनाया गया है। मीडिया रिपोर्ट में बीजेपी सूत्रों के हवाले से बताया कि विजय को एक बड़ा ऑफर दिया गया है। अगर गठबंधन चुनाव जीतता है, तो विजय को उपमुख्यमंत्री का पद मिल सकता है।

साथ ही सीटों के बंटवारे को लेकर बीजेपी ने उनकी पार्टी को करीब 80 सीटें देने का प्रस्ताव रखा है। पेंच अभी इस बात पर फंसा है कि विजय खुद सीएम बनना चाहते हैं और इसी मुद्दे पर बातचीत अटकी है। रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी को लगता है कि विजय के प्रशंसकों की भारी संख्या तमिलनाडु चुनाव में खेल कर सकती है। रणनीतिकारों का मानना है कि राज्य के कड़े मुकाबले में अगर सिर्फ 2 फीसदी वोट भी इधर-उधर होते हैं, तो जीत-हार का फैसला बदल सकता है। विजय के आने से बीजेपी को राज्य के चुनावी समीकरण अपने पक्ष में मुड़ने की उम्मीद है। दूसरी ओर विजय के करीबी सलाहकारों में इस गठबंधन को लेकर थोड़ी बेचैनी है। उन्हें डर है कि इतनी जल्दी किसी बड़े राष्ट्रीय गठबंधन का हिस्सा बनने से उनकी पार्टी की साख पर बुरा असर पड़ सकता है। विजय ने राजनीति में अपनी पहचान एक नए और स्वतंत्र विकल्प के रूप में बनाई है। सलाहकारों को चिंता है कि बीजेपी से हाथ मिलाने पर उनकी यह अलग पहचान कहीं फीकी न पड़ जाए।

मोदी सरकार वांगचुक के परिवार और लद्दाख के लोगों से मांगे माफी

-कांग्रेस ने सोनम वांगचुक की हिरासत रद्द होने पर कहा- केंद्र सरकार हुई बेनकाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार द्वारा जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत की गई गिरफ्तारी को रद्द करने के फैसले पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस ने इसे सरकार का 'यू-टर्न' बताते हुए कहा कि सरकार को वांगचुक ही नहीं, बल्कि लद्दाख के लोगों से भी माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने वांगचुक मामले को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी की है। इसमें उन्होंने कहा, कि छह महीने पहले पूरी तरह से फर्जी आधार पर की गई गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस ने उस समय भी कड़ी आपत्ति जताई थी। अब सरकार द्वारा हिरासत रद्द किए जाने से यह साफ हो गया है कि उसका फैसला गलत था।

यहां बताते चलें कि केंद्र सरकार ने शनिवार को घोषणा की, कि उसने सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत की गई हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। वांगचुक को लगभग छह महीने पहले लेह में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद एनएसए लगाकर गिरफ्तार किया गया था। इन प्रदर्शनों में चार लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कड़ी कार्रवाई की थी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर की गई पोस्ट में कहा, कि मोदी सरकार का यह फैसला उसके पहले के रुख से पूरी तरह अलग है। उन्होंने लिखा कि सरकार अब पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है और उसे अपनी गलती स्वीकार करते हुए सोनम वांगचुक तथा उनके परिवार से माफी मांगनी चाहिए। इसी के साथ ही उन्होंने यह भी मांग की कि उन सभी लोगों को तुरंत रिहा किया जाए जिन्हें शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन करने के कारण हिरासत में लिया गया था। कांग्रेस नेता का कहना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन नागरिकों का अधिकार है और सरकार को इसका सम्मान करना चाहिए। कांग्रेस ने इस पूरे प्रकरण को लेकर केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

इजराइल-अमेरिका और ईरान युद्ध की असली कीमत दुनिया भर के आम लोग चुकाएंगे

-कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने किया विश्लेषण-युद्ध क्रूर, निरर्थक और मूर्खतापूर्ण होता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान के वैश्विक प्रभावों पर चिंता जताते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने कहा है कि इस युद्ध की असली कीमत दुनिया भर के आम लोग चुकाएंगे। उन्होंने अपने विश्लेषण में लिखा कि 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के दो सप्ताह के अंदर ईरान को भारी तबाही का सामना करना पड़ा है, लेकिन वह पराजित नहीं हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट में चिदंबरम के मुताबिक युद्ध के शुरुआती चरण में ही ईरान के शीर्ष नेतृत्व को बड़ा नुकसान हुआ, हालांकि इसके बाद देश ने तेजी से नया राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व स्थापित कर लिया। इस बीच अली खामेनेई समेत शीर्ष नेतृत्व पर हमलों के बाद भी संघर्ष जारी है। ईरान की राजधानी तेहरान समेत सनंदाज और इस्फहान जैसे शहरों पर भारी बमबारी की गई, जिसमें हजारों लोग मारे गए या घायल हुए हैं। एक अमेरिकी टॉमहॉक मिसाइल के स्कूल पर हमले से बड़ी संख्या में छात्राओं और शिक्षकों की मौत की हुई है।

उन्होंने कहा कि युद्ध में केवल सैन्य ठिकानों को ही नहीं, बल्कि नागरिक ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचा है। मिसाइल प्रक्षेपण ठिकानों, सैन्य अड्डों, नौसेना की संपत्तियों और हवाई सुरक्षा प्रणाली के साथ-साथ घरों, स्कूलों, अस्पतालों और तेल भंडारण केंद्रों को भी निशाना बनाया गया है। इसके अलावा जल आपूर्ति प्रणाली, विलवणीकरण संयंत्र और अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

चिदंबरम के मुताबिक युद्ध की पृष्ठभूमि में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर विवाद रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने आरोप लगाया था कि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब पहुंच गया है, हालांकि इस दावे को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने पूछा कि क्या अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम की स्वतंत्र जांच करवाई थी। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया की राजनीति में इजराइल की भूमिका और क्षेत्रीय संघर्षों का लंबा इतिहास रहा है। भारत ने 1950 में इजराइल को मान्यता दी थी और 1992 में दोनों देशों के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे, जिसके बाद व्यापार और रक्षा सहयोग में तेजी आई।

चिदंबरम के मुताबिक इस युद्ध का सबसे बड़ा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच चुकी हैं, इसका असर भारत समेत कई देशों में एलपीजी और ईंधन की कीमतों पर दिखाई दे रहा है। साथ ही वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट और महंगाई बढ़ने का खतरा भी गहरा गया है। उन्होंने कहा कि युद्ध हमेशा क्रूर और विनाशकारी होता है। मशहूर अमेरिकी सैन्य अधिकारी का हवाला देते हुए चिदंबरम ने कहा कि युद्ध अक्सर क्रूर, निरर्थक और मूर्खतापूर्ण होता है। चिदंबरम ने चेतावनी दी कि यदि संघर्ष लंबा चला तो इसके राजनीतिक, आर्थिक और मानवीय परिणाम और भी गंभीर हो सकते हैं।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश से मिली राहत, राजस्थान और बिहार समेत कई राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में रविवार सुबह हुई अचानक बारिश ने भीषण गर्मी के बीच लोगों को बड़ी राहत दी है। दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के कई हिस्सों में बादल छाए रहने और बूंदाबांदी से तापमान में करीब तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने राजधानी के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए रविवार को दिन भर हल्की बारिश और 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का पूर्वानुमान जताया है। इस बदलाव से गर्मी के बढ़ते ग्राफ पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, यह बदलाव पश्चिमी हिमालय की ओर बढ़ रहे एक तीव्र पश्चिमी विक्षोभ के कारण आया है। इसके प्रभाव से मध्य पाकिस्तान और उससे सटे पंजाब व हरियाणा के ऊपर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र विकसित हुआ है। इसे इस सीजन की पहली प्री-मानसून बारिश माना जा रहा है, जो सामान्य समय से लगभग 10 दिन पहले आई है। पिछले कुछ दिनों से बढ़ रहे उच्च तापमान और इस विक्षोभ के मिलन से आंधी-तूफान की स्थिति बनी है, जिससे अगले दो दिनों तक दिल्ली, पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है।

अहमदाबाद विमान हादसा: अमेरिकी सुरक्षा संगठन ने जांचकर्ताओं पर लगाए दस्तावेज छिपाने के आरोप

अहमदाबाद (एजेंसी)। जून 2025 में हुए भीषण अहमदाबाद विमान हादसे की जांच एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गई है। अमेरिका के एक प्रमुख हवाई सुरक्षा संगठन, एविएशन सेफ्टी फाउंडेशन ने सनसनीखेज दावा किया है कि इस दुर्घटना से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जांच अधिकारियों को सौंपे ही नहीं गए थे। संगठन का कहना है कि इन तथ्यों के अभाव में की गई जांच की विश्वसनीयता पर बड़े सवाल खड़े होते हैं।

पियरसन ने विशेष रूप से बोइंग 787 ड्रीमलाइनर (रजिस्ट्रेशन वीटी-एएनबी) का जिक्र करते हुए कहा कि उपलब्ध दस्तावेजों से पता चलता है कि इस विमान के इलेक्ट्रिक सिस्टम में काफी समय से गंभीर खराबी चल रही थी। उनके अनुसार, दुर्घटना का शिकार होने से पहले इस विमान में बार-बार शॉर्ट सर्किट होने, धुआं निकलने और वायरिंग में दिक्कतों की शिकायतें दर्ज की गई थीं।दावे के मुताबिक,

विमान को उसके परिचालन के दौरान कई बार इलेक्ट्रिक फाल्ट की वजह से आपातकालीन स्थिति में उतारा भी जा चुका था। पियरसन ने यह भी खुलासा किया कि विमान का पी100 पावर पैनल कई बार बदला गया था, जो कि एक असामान्य बात है। उन्होंने तकनीकी पक्ष रखते हुए बताया कि विमान के बाएं इंजन से बिजली की आपूर्ति होती थी और इस पूरे सिस्टम को तत्काल डिजाइन मोडिफिकेशन और सॉफ्टवेयर प्रोटेक्शन की जरूरत थी, जिसे नजरअंदाज किया गया। अमेरिकी विशेषज्ञ ने जांच प्रक्रिया की आलोचना करते हुए कहा कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने घटना से नौ महीने पहले तक सुधार के लिए कोई ठोस सिफारिश नहीं की थी। उन्होंने गंभीर आरोप लगाया कि जांचकर्ताओं ने पूरे मामले को एक खास दिशा में मोड़ दिया और ऐसा नैरेटिव (विमर्श) तैयार किया जिससे हादसे की पूरी जिम्मेदारी तकनीकी खामी के बजाय पायलटों पर डाल दी गई। इन नए खुलासों के बाद अब विमानन क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और हादसे की निष्पक्ष जांच की मांग फिर से तेज होने लगी है। बता दें कि जून 2025 में हुए इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 260 लोगों की जान चली गई थी। अब इस मामले में नया मोड़ देते हुए एविएशन सेफ्टी फाउंडेशन के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर ईडी पियरसन ने जांचकर्ताओं को एक ईमेल भेजा है। पियरसन का दावा है कि उनके हाथ कुछ ऐसे गुप्त दस्तावेज लगे हैं, जो स्पष्ट रूप से संकेत देते हैं कि विमान दुर्घटना का असली कारण इलेक्ट्रिक फेल्योर (बिजली की विफलता) था।

विपक्ष की मांग: पश्चिम एशिया संकट पर संसद में हो सकती है चर्चा, अभी तक केंद्र की थी चुप्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उसके भारत पर संभावित प्रभाव को लेकर संसद में बहस की मांग तेज हो गई है। विपक्ष ने दोनों सदनों में इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की है। वहीं सरकार ने इस मांग पर विचार करने की बात कही है। शनिवार को सत्ता प्रतिष्ठान में इस पर मंथन हुआ। उम्मीद है कि संसदीय कार्य मंत्रालय के माध्यम से सोमवार को लोकसभा स्पीकर को इस बात की आधिकारिक सूचना दे दी जाएगी। उसके बाद बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में दिन, समय निश्चित किया जाएगा। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ-साथ भारत की अर्थव्यवस्था और यहां रहने वाले लोगों के जीवन पर भी पड़ सकता है। इसलिए इस विषय पर संसद में विस्तृत चर्चा की मांग विपक्ष के पुरजोर

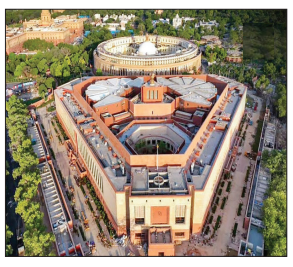

तरीके से रखी थी। सरकार की ओर से फिलवक्त तक इस विषय को लेकर चुप्पी है। विपक्ष के एक नेता ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ने सुझाव दिया है कि पश्चिम एशिया की स्थिति पर नियम 193 के तहत अल्पकालिक चर्चा कराई जा सकती है, जिसके माध्यम से सांसद तत्काल और महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात रख सकते हैं।

जानकारी के मुताबिक सरकार ने विपक्ष को यह भी बताया कि वह कुछ मंत्रालयों के कामकाज पर चर्चा के लिए तैयार है। इनमें रेल मंत्रालय, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और गृह मंत्रालय शामिल हैं। राज्यसभा में पहले ही पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा हो चुकी है। सरकार ने संकेत दिया है कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा खेल मंत्रालय के कामकाज पर भी चर्चा कराई जा सकती है।कुल मिलाकर संसद के आगामी सत्र में पश्चिम एशिया की स्थिति, मंत्रालयों के कामकाज पर चर्चा और लंबित विधेयकों को पारित कराने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे केंद्र में रहने वाले हैं। विपक्ष जहां सरकार को जवाबदेह बनाने की कोशिश कर रहा है, वहीं सरकार विधायी कार्यों को समय पर पूरा कराने पर जोर दे रही है।

तेल, गैस के बाद अब भारत की इंटरनेट व्यवस्था को चोट पहुंच सकता हैं मिडिल ईस्ट में जारी तनाव

-समुद्र के नीचे बिछी फाइबर-ऑप्टिक्स केबल्स को नुकसान होने का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में लगातार बढ़ते तनाव के बीच में एक नया खतरा सामने दिख रहा है, जिसका बहुत बड़ा असर भारत पर पड़ सकता है। दरअसल, तनाव का असर दुनिया की इंटरनेट व्यवस्था को भी पड़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ इलाके में संघर्ष बढ़ता है, तब उस इलाके के समुद्र के नीचे बिछी फाइबर-ऑप्टिक्स केबल्स को नुकसान पहुंच सकता है। ये वहीं केबल्स हैं, जिससे दुनिया का ज्यादातर इंटरनेट डेटा गुजरता है।

बात दें कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक है। इस रास्ते से बड़ी मात्रा में तेल गुजरता है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि समुद्र की सतह के नीचे यहां से कई महत्वपूर्ण इंटरनेट केबल्स भी गुजरती हैं। ये केबल्स एशिया, पश्चिम एशिया और यूरोप को डिजिटल रूप से जोड़ती हैं। एक के अनुसार भारत से यूरोप को जोड़ने वाली कई बड़ी केबल्स इसी क्षेत्र से होकर गुजरती हैं। इसलिए यह इलाका भारत के लिए भी डिजिटल कनेक्टिविटी का बेहद अहम कॉरिडोर माना जाता है।

इंटरनेट कनेक्टिविटी को मजबूत बनाने के लिए दुनिया की बड़ी टेक कंपनियां और टेलीकॉम ऑपरेटर लगातार नए अंडरसी केबल नेटवर्क में निवेश कर रहे हैं। हाल ही में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने नई दिल्ली की यात्रा के दौरान इंडिया-अमेरिका कनेक्ट प्रोजेक्ट की घोषणा की। इसका मकसद भारत को वैश्विक डिजिटल नेटवर्क से और मजबूत तरीके से जोड़ना है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत का लगभग एक-तिहाई पश्चिम दिशा की इंटरनेट ट्रैफिक इन्हीं केबल्स के जरिए गुजरती है। इसका मतलब अगर इस क्षेत्र में कोई बड़ी रुकावट आती है, तब भारत और यूरोप के बीच डेटा ट्रांसमिशन प्रभावित हो सकता है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक इंटरनेट नेटवर्क में बैकअप सिस्टम भी मौजूद हैं।

इस पूरे मामले से जुड़े एक जानकार ने कहा, समुद्री केबल्स में रेडंडेंसी होती है। अगर एक केबल कट भी जाए, तब डेटा दूसरे रास्तों से भेजा जा सकता है, लेकिन अगर कई केबल्स एक साथ प्रभावित हो जाएं, तब बाकी रूट्स पर ज्यादा लोड पड़ जाएगा। इसके बाद इंटरनेट की स्पीड स्लो हो सकती है और सर्विस में दिक्कतें आ सकती हैं।

उन्होंने कहा कि इसका असर तुरंत दिखाई नहीं देगा। दुनिया भर में इंटरनेट सर्वर रिजर्व में रखे जाते हैं। भारत के पास भी इसतरह के सिस्टम हैं। इस कारण कम से कम एक हफ्ते तक बड़ा असर देखने को नहीं मिलेगा। इसके अलावा अटलांटिक महासागर से आने वाले केबल्स भी विकल्प के रूप में मौजूद हैं।

एक अन्य जानकार ने कहा कि, अभी तक इंटरनेट कनेक्टिविटी पर कोई असर नहीं पड़ा है, लेकिन अगर केबल्स काट दी गईं या टेलीकॉम और पावर इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला हुआ, तब स्थिति गंभीर हो सकती है। विशेषज्ञों के मुताबिक भारत का अंतरराष्ट्रीय इंटरनेट ट्रैफिक मुख्य रूप से दो बड़े गेटवे से बाहर जाता है। एक मुंबई में और दूसरा चेन्नई में। मुंबई के रास्ते जाने वाला डेटा अरब सागर और खाड़ी क्षेत्र से होकर यूरोप तक पहुंचता है, इसलिए इस इलाके में किसी भी तरह की गड़बड़ी भारत के डिजिटल नेटवर्क को प्रभावित कर सकती है।

साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञ ने बताया कि दुनिया का इंटरनेट सैटेलाइट्स से नहीं बल्कि समुद्र के नीचे बिछी केबल्स से चलता है। उन्होंने कहा, दुनिया के 99 प्रतिशत से ज्यादा डेटा अंडरसी फाइबर-

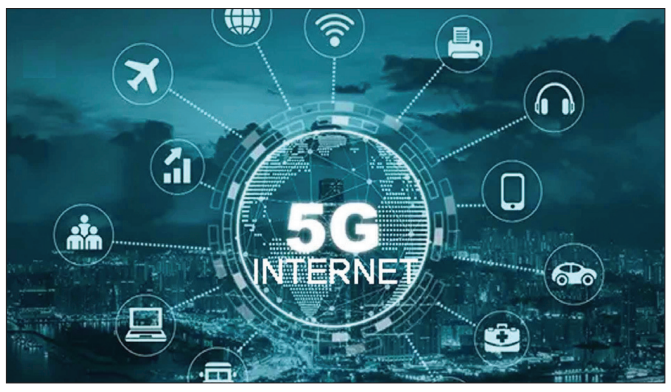

ऑप्टिक केबल्स से गुजरता है। यही डिजिटल अर्थव्यवस्था की असली रीढ़ हैं। साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञ के मुताबिक रेड सी और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ के आसपास का इलाका आज दुनिया का अहम डिजिटल हाईवे बन चुका है। अगर यहां कोई रुकावट आती है, तब इंटरनेट सर्विसेज़ स्लो हो सकती हैं और ग्लोबल कनेक्टिविटी प्रभावित हो सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि युद्ध की स्थिति में ये केबल्स बेहद असुरक्षित हो जाती हैं। उनके मुताबिक, अब दुनिया एक नए सीबेड इंफ्रास्ट्रक्चर वॉर की तरफ बढ़ रही है। जैसे तेल पाइपलाइन और समुद्री रास्ते रणनीतिक संपत्ति माने जाते हैं, वैसे ही अब इंटरनेट केबल्स भी वैश्विक शक्ति संतुलन का अहम हिस्सा बन गए हैं।

प्राइवेट अस्पताल में चला इलाज; बिल पर हुआ जमकर बवाल

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के कस्बा सूरजपुर में शुक्रवार को तीन वर्षीय मासूम की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई। मृतक की पहचान गगन (3) के रूप में हुई है। परिजन ने निजी अस्पताल में इलाज में हुई देरी पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सूरजपुर कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार हमीरपुर निवासी अशोक अपने परिवार के साथ सूरजपुर कस्बे में किराये के मकान में रहते हैं। वह दिहाड़ी काम कर अपना परिवार चलाते हैं। शुक्रवार को वह बच्चे को साथ लेकर काम पर गए हुए थे। जिस निर्माणाधीन मकान में काम कर रहे उसकी तीसरी मंजिल से खेलते-खेलते उनका पुत्र गगन अचानक से नीचे गिर गया। बच्चे के गिरते ही वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से घायल बच्चे को तत्काल परिजन शारदा अस्पताल में ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसका उपचार शुरू किया। हालांकि हालत गंभीर होने के कारण इलाज के दौरान ही मासूम ने दम तोड़ दिया। बच्चे की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। आरोप है कि अस्पताल प्रशासन की ओर से बच्चे से उपचार में आई लागत मांगी गई थी। इस दौरान बच्चे की मौत से नाराज परिजन ने हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। परिजन को किसी तरह से शांत कराकर घर भेजा। पुलिस बच्चे का पोस्टमॉर्टम कराना चाहती थी। मगर परिजन ने पोस्टमॉर्टम कराने से मना कर दिया। इसके बाद शव को परिजन को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार परिजनों ने बच्चे का अंतिम संस्कार कर दिया है। वहीं कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार का कहना है कि मामले में कोई शिकायत नहीं मिली है। परिजन का आरोप है कि अस्पताल पहुंचने पर स्टॉफ ने पहले 28 हजार रुपये जमा कराने की बात कही। उन्होंने स्टॉफ से अनुरोध किया कि वह पैसे की व्यवस्था कर रहे हैं, लेकिन पहले बच्चे का इलाज शुरू कर दिया जाए। इसके बाद एक अन्य स्टॉफ ने बताया कि बच्चे के इलाज में रोजाना करीब 70 हजार रुपये का खर्च आएगा और पहले पैसे जमा करने को कहा गया।

दुबई में लॉरेंस के फाइनेंसर सुखदीप हत्याकांड से जुड़े दीपक पर हमले के तार

नई दिल्ली। लॉरेंस बिश्नोई के वकील दीपक खत्री पर जानलेवा हमला करने की पटकथा दिसंबर में लिख दी गई थी। नवंबर में दुबई में लॉरेंस के करीबी और फाइनेंसर सुखदीप उर्फ सिप्पा की बेरहमी से हत्या का बदला लॉरेंस गैंग ने रोहित गोदारा के बेहद करीबी इंद्रप्रीत उर्फ पैरी की चंडीगढ़ में दिसंबर में गोली मारकर हत्या करके लिया था। तभी से अंडरवर्ल्ड में चर्चा थी कि रोहित गोदारा शांत नहीं बैठेगा जरूर लॉरेंस गिरोह पर बड़ा हमला करेगा। माना जा रहा है कि अपने करीबी की हत्या का बदला लेने के लिए रोहित गोदारा और गोल्डी, लॉरेंस के वकील दीपक पर हमले की योजना बनाकर सुपारी रोहित सोलंकी को दी। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि पुलिस की पूछताछ में रोहित सोलंकी ने बताया कि 2019 में योविन सोलंकी ने उसकी मुलाकात कपिल मान नामक गैंगस्टर से करवाई थी। 2020 में टिल्लू गिरोह ने योविन की हत्या कर दी। इसके बाद रोहित सोलंकी ने कपिल के जेल के बाहर और अंदर के सारे काम संभाल लिए। इस बीच कपिल ने उसे रोहित गोदारा की सोशल मीडिया आईडी बातचीत के लिए दी। कुछ दिनों बाद रोहित गोदारा ने रोहित को कांट्रेक्ट किलिंग के लिए तैयार रहने के लिए कहा। बदले में उसे मोटा पैसा देने के लिए कहा गया। गोदारा ने रोहित को दीपक खत्री की देहरादून की लोकेशन दी, लेकिन वहां काम नहीं बना। इस बीच रोहित सोलंकी लगातार दीपक की गतिविधियों पर नजर रख रहा था। उसे पता चला कि दीपक खत्री हर मंगलवार को मरघटवाले बाबा के मंदिर में दर्शन के लिए जाता है। हमले से एक हफ्ते पहले भी उसने अपने साथी विक्रम के साथ रेकी की। बाद में गोदारा ने हमले के लिए हथियार और शूटर भेजे। 24 को रोहित सोलंकी, विक्रम और दोनों शूटर के साथ कश्मीरी गेट पहुंचा और वारदात को अंजाम दिया, लेकिन हमले में दीपक बच गया। रोहित सोलंकी हमले के बाद पश्चिम विहार पहुंचा। यहां से गुरुग्राम चला गया। उसने अपने कई मिलने वालों को संपर्क किया। वह दुबई भागना चाहता था। कोलकाता से इसने बैंकाक की फ्लाइट पकड़ भी ली। बैंकाक पहुंचने पर वहां एयरपोर्ट स्टाफ को इस पर शक हुआ, जिसके बाद उसे अगली फ्लाइट से भारत डिपोर्ट कर दिया गया। यहां आकर यह माजरा डबास में छिप गया। वारदात को अंजाम देने के लिए रोहित गोदारा ने ग्लॉक पिस्टल, पैसे और शूटर भेजे थे। घटना को अंजाम देने के लिए रोहित ने अपने दोस्त सागर से स्कूटी मांगकर लाया और शूटरों को दी। हमले के बाद शूटरों ने राजघाट के पास स्कूटी व पिस्टल दोनों को वहीं फेंक दिया। इस बीच वहां से गुजर रहे एक ट्रक चालक को पिस्टल मिली। वह उसे पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र में ले आया। यहां गलती से उससे पिस्टल चल गई। गोली चालक के सहयोगी को लगी। बाद में लोकल पुलिस को चालक ने पूरी कहानी सुनाई। पुलिस ने पिस्टल बरामद कर स्कूटी भी राजघाट के पास से बरामद कर ली।

एलपीजी सिलेंडर की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करे सरकार: ज्यूडिशियल काउंसिल

प्रथम पृष्ठ का शेष

काउंसिल ने यह भी मांग की कि एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाज़ारी या अवैध गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले किसी भी वितरक, डीलर या व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। काउंसिल के अनुसार यदि कोई वितरक या डीलर एलपीजी आपूर्ति और वितरण से संबंधित सरकारी नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया जाता है तो उसका लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित या रद्द किया जाना चाहिए। ज्यूडिशियल काउंसिल ने यह भी सुझाव दिया कि एलपीजी वितरण केंद्रों का नियमित निरीक्षण और निगरानी सुनिश्चित की जाए ताकि पूरे सिस्टम में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे। काउंसिल के अनुसार समय-समय पर अधिकारियों द्वारा की जाने वाली निगरानी से कृत्रिम कमी की स्थिति को रोका जा सकता है और यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि एलपीजी सिलेंडर बिना किसी देरी के वास्तविक उपभोक्ताओं तक पहुंचे। काउंसिल ने उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रणाली को और मजबूत बनाने पर भी जोर दिया ताकि लोग डिलीवरी में देरी, अधिक कीमत वसूले जाने या कालाबाज़ारी की आशंका जैसी शिकायतों को आसानी

मदरसे में छिपाए दस्तावेज.. दिल्ली में संचालक, टीम ने खतरनाक हालात में की कार्रवाई

संभल/ लखनऊ। संभल में इंडिया फ्रोजन फूड कंपनी पर छापेमारी के दौरान आयकर विभाग को एक मदरसे से कंपनी के लेन-देन से जुड़े दस्तावेज मिले। जांच में कंपनी के दो संचालकों की लोकेशन दिल्ली के जामा मस्जिद और दो की शाहीनबाग में मिली। आयकर विभाग अब चारों से पूछताछ की तैयारी कर रहा है। संभल में इंडिया फ्रोजन फूड कंपनी के ठिकानों पर आयकर विभाग के छापों के दौरान एक कथित मदरसे से दस्तावेज बरामद किए गए हैं। इस मदरसे में आयकर विभाग की टीम के पहुंचते ही वहां पढ़ रही लड़कियां बैग लेकर भाग गईं। हालांकि टीम ने कुछ घरों को चिह्नित कर बैग बरामद किए, जिसमें कंपनी के लेन-देन से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। वहीं छापे के दौरान कंपनी के दो संचालकों की लोकेशन दिल्ली के जामा मस्जिद इलाके में, जबकि अन्य दो की शाहीनबाग में पाई गई। आयकर विभाग अब चारों को तलब कर कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी में है। दूसरी ओर कंपनी के स्लॉटर हाउस की जांच में पशुओं की निर्मम तरीके से कटान करने का खुलासा भी हुआ है। कंपनी को करीब 700 पशुओं के कटान की अनुमति दी गई थी, जबकि वहां पर एक हजार से अधिक पशुओं की कटान करने के पुख्ता प्रमाण मिले हैं। यह भी पता चला है कि गर्भवती भैंसों और पड़वों को भी काटकर उनका मांस बेचा जा रहा था। आयकर विभाग इसकी गहनता से जांच करने के लिए पशु चिकित्सकों की रिपोर्ट, पशुओं की खरीद-फरोख्त से जुड़े दस्तावेजों और कंपनी द्वारा बेचे जा रहे मांस की मात्रा के आधार पर तथ्यों को जुटा रहा है। इसके बाद कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए संभल के जिला प्रशासन, नगर पालिका और उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को पत्र लिखा जाएगा। जांच में संभल में तैनात कुछ विभागों के अफसरों की कंपनी संचालकों के साथ मिलीभगत के प्रमाण भी हाथ लगे हैं। ये सभी कंपनी के गैरकानूनी कृत्यों को संरक्षण दे रहे थे। दरअसल, कंपनी के ठिकानों से मिली कुछ डायरियों में कोड वर्ड में अफसरों को भेजी गई घूस की रकम का जिक्र है, जिसकी दिवाली के बाद गहनता से जांच की जाएगी। वहीं दूसरी ओर अधिकारियों को कार्रवाई के दौरान यह सूचना भी मिली कि एक मस्जिद से आयकर विभाग की टीम को खदेड़ने का एलान किया गया है। जिसके बाद तत्काल एसपी संभल से संपर्क कर अतिरिक्त फोर्स बुलाई गई। वहीं छापे के तीसरे दिन ड्यूटी समाप्त होने पर पीएसी बल वापस जाने लगा तो अधिकारियों के सामने दोबारा पत्र भेजकर फोर्स बुलाने की नौबत आ गई।

छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाला स्कूल चेयरमैन गिरफ्तार

गुरुग्राम। छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ करने के मामले में पुलिस ने सेक्टर-9बी स्थित एजुक्रस्ट इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सेक्टर-9 निवासी विनय कटारिया (38) के रूप में हुई है। आरोपी चेयरमैन द्वारा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की फर्जी मान्यता दिखाकर स्कूल संचालित किया जा रहा था। मामले में अन्य आरोपी फरार हैं। न्यू कॉलोनी निवासी राजेंद्र सिंह ने सेक्टर-9 थाने में दी शिकायत में बताया कि बेटी सेक्टर-9बी स्थित एजुक्रस्ट इंटरनेशनल स्कूल में 10वीं कक्षा में पढ़ती है। स्कूल प्रबंधन ने दाखिले के दौरान दावा किया था कि उनका स्कूल सीबीएसई से मान्यता प्राप्त है। उनकी बेटी की पढ़ाई के लिए स्कूल प्रबंधन ने ट्यूशन फीस, इमारत फंड, परीक्षा शुल्क, कंप्यूटर शुल्क विभिन्न मदों में नियमित रूप से लिया। 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा के समय बेटी को प्रवेश पत्र उपलब्ध नहीं कराया गया। ऐसे में उनकी बेटी के साथ ही स्कूल में पढ़ने वाले अन्य बच्चे भी 10वीं कक्षा की पहली परीक्षा नहीं दे सके। जांच करने पर शिकायतकर्ता को पता चला कि स्कूल सीबीएसई से संबद्ध नहीं है और न ही मान्यता प्राप्त है। जो पंजीकरण नंबर बताया गया वह भी गलत है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने स्कूल के चेयरमैन विनय कटारिया, प्रधानाचार्य रिद्धिमा कटारिया, उप प्रधानाचार्य सिमर बत्रा, कोऑर्डिनेटर सोनिया सहित अन्य संबंधित स्टाफ सदस्यों के खिलाफ धारा 318(4), 316(2), 3(5) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। गिरफ्तार आरोपी व स्कूल चेयरमैन विनय कटारिया ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि वह पिछले आठ साल से सेक्टर-9बी में एजुक्रस्ट इंटरनेशनल स्कूल चला रहा है। उक्त स्कूल को सीबीएसई से आठवीं कक्षा तक की मान्यता है। उसने रुपये कमाने के लालच में 10वीं कक्षा की फर्जी मान्यता दिखाकर 25 बच्चों को नौवीं कक्षा व 10वीं कक्षा में दाखिला दिया था। जांच अधिकारी एएसआई हरीश ने बताया कि मामले में जांच व कार्रवाई अपराध शाखा मानेसर की पुलिस द्वारा जा रही है। स्कूल चेयरमैन विनय कटारिया को शनिवार को अदालत में पेश करके पांच दिन के रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान आरोपी से स्कूल की फर्जी मान्यता सहित मामले से जुड़ी अन्य जानकारी हासिल की जाएगी।

दिल्ली में महिला कामगारों की हिस्सेदारी बढ़ी पर मजदूरी पुरुषों से कम

दिल्ली। दिल्ली में बीते कई साल के मुकाबले महिला कामगारों की आबादी में इजाफा हुआ है लेकिन मजदूरी पुरुषों से कम है। दिल्ली सरकार की दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं की श्रम बल भागीदारी बढ़ी है लेकिन उनकी दैनिक मजदूरी पुरुषों से कम बनी हुई है। यह रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) की प्रगति पर नजर रखने के लिए डायरेक्टोरेट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स ने जारी की है। दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स की स्थिति पर आधारित है और हाल ही में अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय ने इसे जारी किया है। रिपोर्ट दिखाती है कि 2017-18 में महिलाओं और पुरुषों की श्रम बल भागीदारी दर का अनुपात 0.19 था। यह आंकड़ा 2023-24 में बढ़कर 0.28 हो गया। यह वृद्धि सकारात्मक है लेकिन 0.28 का अनुपात यह भी दिखाता है कि लैंगिक असमानता अभी बनी हुई है। इसके अतिरिक्त रिपोर्ट दिखाती है कि महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 11.2 फीसदी थी, 2023-24 में बढ़कर 14.5 फीसदी हो गई। यह 2018-19 में 13.7 फीसदी, 2019-20 में 12.8 फीसदी, 2020-21 में 10.7 फीसदी, 2021-22 में 9.4 फीसदी और 2022-23 में 11.3 फीसदी थी। गैर-सार्वजनिक कामों में 2017-18 की जुलाई-सितंबर तिमाही में पुरुषों को 403 रुपये हर दिन और महिलाओं को 300 रुपये मिल रहे थे। 2017-18 की अप्रैल-जून तिमाही में पुरुषों को 376 रुपये हर दिन व महिलाओं को 400 हर दिन, 2023-24 में पुरुषों को 556 रुपये हर दिन व महिलाओं को 500 रुपये हर दिन मिल रहे थे। 2023-24 में यह 548 और 500 रुपये मिल रहा था। इसमें दिखता है कि महिलाओं की मजदूरी बढ़ी लेकिन मजदूरी का अंतर 48 से 100 रुपये का बरकरार है। पेशेवर और तकनीकी क्षेत्र में महिला कामगारों की संख्या घटी है। इस क्षेत्र में 2020-21 में महिलाओं का अनुपात 28.5 फीसदी था, जोकि 2022-23 में 21.3 फीसदी रह गया है। रिपोर्ट में महिलाओं के आर्थिक संसाधनों में हिस्सेदारी का मूल्यांकन किया गया है। इसमें जमीन, संपत्ति, बैंक सेवाएं, उत्तराधिकार और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण को शामिल किया है। लेकिन इसमें ये भी कहा गया है कि महिला कामगारों के लिए दिल्ली सरकार कानूनों में सुधार कर रही है।

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

नई दिल्ली। कालकाजी थाना इलाके में बृहस्पतिवार सुबह युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही खुदकुशी के कारणों का पता लगा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि कालकाजी थाना पुलिस को 18 सितंबर को सुबह लगभग 7.31 बजे पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि डीडीए जनता फ्लैट, कालकाजी में एक लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को ग्राम हरोई, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश निवासी आशी ठाकुर (24) फंदे पर लटकी मिली। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि युवती वीएम विद्युत इलेक्ट्रिक इंस्टालेशन, नोएडा की लेखा शाखा में नौकरी कर रही थी। वह 1 सितंबर से डीडीए फ्लैट में अकेले किराये पर रह रही थी।

आम लोगों के जरिए रिश्वत ले रहा था एएसआई, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। महरौली थाने में तैनात एएसआई पप्पू राम मीणा आम नागरिक मोहम्मद शाकिब के जरिए रिश्वत ले रहा था। पुलिस की सतर्कता इकाई (विजिलेंस यूनिट) ने एएसआई पप्पू राम मीणा और आम नागरिक महरौली निवासी मोहम्मद शाकिब को शिकायतकर्ता से 5000 रुपये की रिश्वत लेते हुए बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि नेब सराय निवासी और भर्ती एवं प्लेसमेंट कंपनी में कार्यरत शिकायतकर्ता ने 18 सितंबर को सतर्कता शाखा में शिकायत दर्ज कराई। बताया कि 10 सितंबर को प्रॉपर्टी डीलर के साथ मामूली विवाद के बाद एएसआई पीआर मीणा उसका दोपहिया वाहन महरौली थाने ले गया। आरोप है कि एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता से बाइक छोड़ने के लिए 10,000 रुपये की रिश्वत मांगी। झगड़े के संबंध में एक पीसीआर कॉल महरौली पुलिस थाने में 10 सितंबर को प्राप्त हुई थी। महरौली थाने में तैनात एएसआई पीआर मीणा को जांच सौंपी गई। एएसआई पीआर मीणा ने शिकायतकर्ता की बाइक का ताला तोड़कर उसके घर से पुलिस स्टेशन ले आया। शिकायत के बाद महरौली पुलिस थाने में सतर्कता इकाई ने ट्रैप लगाया। एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता को रिश्वत की पहली किस्त 5000 रुपये एक आम नागरिक मोहम्मद शाकिर को सौंपने का निर्देश दिया। मोहम्मद शाकिर को एएसआई ने महरौली थाने में बुलाया था। सतर्कता टीम ने मोहम्मद शाकिर और एएसआई पप्पू राम मीणा दोनों को गिरफ्तार कर लिया। एएसआई पप्पू राम मीणा के पास से रिश्वत में ली गई रकम बरामद कर ली गई।

उत्तम नगर की मछली मार्केट में भीषण आग

दिल्ली। दिल्ली के उत्तम नगर इलाके में बीती रात आग का तांडव देखने को मिला। जहां मटियाला गांव स्थित मछली मार्केट में भीषण आग लग गई। जिसमें कई झुग्गियां जलकर खाक हो गईं।आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि बिंदापुर के मंसाराम पार्क स्थित झुग्गियों में बुधवार देर रात भीषण आग लग गई। इस घटना में लगभग 80 झुग्गियां जलकर खाक हो गईं, हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस और दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई से आग पर काबू पाया गया। पुलिस को 11 मार्च 2026 को रात 11:57 बजे आग लगने की पीसीआर कॉल मिली। सूचना मिलते ही बिंदापुर पुलिस स्टेशन का स्टाफ तुरंत मौके पर पहुंचा। झुग्गियों को सुरक्षित रूप से खाली कराया गया और दमकल विभाग को बुलाया गया। लगभग 28 दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। आज सुबह 3 बजे तक आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। यह उसी स्थान पर एक सप्ताह के भीतर आग लगने की दूसरी घटना है। इससे पहले 7 मार्च 2026 को भी इसी जगह आग लगी थी, जिसे आठ दमकल गाड़ियों की मदद से बुझाया गया था। उस घटना में भी कोई हताहत नहीं हुआ था और भारतीय न्याय संहिता की धारा 326(एफ) के तहत प्राथमिकी संख्या 155/26 दर्ज की गई थी। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। इस क्षेत्र में पहले भी अवैध कचरा डंप करने और उसमें आग लगाने की कई शिकायतें मिली थीं। इन शिकायतों के मद्देनजर, जिलाधिकारी कपशेरा ने 7 मार्च 2026 को साइट पर मलबा हटाने का काम तय किया था। हालांकि, साजो-सामान संबंधी दिक्कतों के कारण यह काम टाल दिया गया था। यह भी बताया गया है कि संपत्ति के मालिकाना हक को लेकर विवाद चल रहा है। जिला प्रशासन ने घोषणा की है कि मलबा हटाने का काम बहुत जल्द शुरू किया जाएगा। इस कार्य में दिल्ली नगर निगम की मदद ली जाएगी।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

रेवाड़ी-रींगस ट्रेन अब नियमित, यात्रियों को बड़ी राहत

एजेंसी

रेवाड़ी। रेवाड़ी और रींगस के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन को अब नियमित सेवा में शामिल कर दिया गया है। इस निर्णय से क्षेत्र के हजारों रेल यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। लंबे समय से इस ट्रेन को नियमित रूप से चलाने की मांग उठ रही थी, जिसे अब रेलवे ने स्वीकार कर लिया है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी है। दैनिक रेल यात्री संघ के प्रधान योगिन्द्र चौहान ने इस फैसले के लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय मंत्री एवं सांसद राव इंद्रजीत सिंह का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि रेवाड़ी-रींगस मार्ग पर बड़ी संख्या में लोग रोजाना सफर करते हैं। ऐसे में ट्रेन के नियमित संचालन से यात्रियों को सुविधा होगी और उनकी यात्रा अधिक सुगम हो सकेगी। योगिन्द्र चौहान ने बताया कि पहले यह ट्रेन संख्या 09637/09638 के रूप में स्पेशल ट्रेन के तौर पर संचालित की जा रही थी। अब रेलवे ने इसे नियमित सेवा में शामिल करते हुए गाड़ी संख्या 59633/59634 रेवाड़ी-रींगस पैसेंजर के रूप में चलाने का निर्णय लिया है। इस फैसले से खासकर नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों और व्यापारियों को काफी फायदा मिलेगा। नियमित संचालन के तहत गाड़ी संख्या 09637 रेवाड़ी रेलवे स्टेशन से सुबह 11 बजे रवाना होगी और दोपहर 2:20 बजे रींगस जंक्शन पहुंचेगी।

पशु चिकित्सा विज्ञान में अल्ट्रासाउंड तकनीक आज के समय में अत्यंत महत्वपूर्ण उपकरण बनी : डॉ. मनोज रोज

हिसार। लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में हरियाणा पशुपालन एवं डेयरी विभाग में कार्यरत पशु चिकित्सकों के लिए आयोजित 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 'क्लीनिकल डायग्नोस्टिक अल्ट्रासाउंड' का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा महाविद्यालय के सर्जरी विभाग एवं पशु चिकित्सा नैदानिकी विभाग की ओर से हरियाणा पशु चिकित्सा प्रशिक्षण संस्थान के सहयोग से आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य पशु चिकित्सकों को आधुनिक अल्ट्रासोनोग्राफी तकनीक से परिचित कराना तथा बड़े और छोटे पशुओं में विभिन्न रोगों के सटीक निदान के लिए उनकी दक्षता को बढ़ाना था।समापन समारोह के मुख्य अतिथि पशु चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. मनोज कुमार रोज़ रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. सुखदेव राठी ने की। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि अधिष्ठाता डॉ. मनोज कुमार रोज़ ने कहा कि पशु चिकित्सा विज्ञान में अल्ट्रासाउंड तकनीक आज के समय में अत्यंत महत्वपूर्ण उपकरण बन चुकी है। इसके माध्यम से पशुओं में गर्भावस्था की जांच, प्रजनन संबंधी समस्याओं का निदान तथा आंतरिक अंगों जैसे यकृत, गुर्दे, मूत्राशय और हृदय से संबंधित रोगों का सटीक पता लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम पशु चिकित्सकों को नवीनतम तकनीकों से अपडेट रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जींद में डिवाइडर से टकरा कर पलटी रोडवेज की बस, 40 से अधिक सवारियां घायल

जींद। उचाना के बड़ौदा गांव के पास टोहाना से जयपुर रूट पर चलने वाली किलोमीटर स्कीम की बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस में 50 से ज्यादा सवारियां मौजूद थी। घटना की सूचना मिलने पर आसपास के लोग तथा पुलिस मौके पर पहुंचे और घायलों को नरवाना तथा जींद के नागरिक अस्पताल पहुंचाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। रोडवेज की किलोमीटर स्कीम बस उचाना से जींद के लिए जा रही थी। बड़ौदा गांव के पास पहुंचते ही बस डिवाइडर से टकरा गई। डिवाइडर पर टकराने के कारण बस का संतुलन बिगड़ गया और साइड में खड़ी लोडिंग और गाड़ी में जा टकराई। जिससे लोडिंग गाड़ी के प्रखच्चे उड़ गए और गाड़ी कई हिस्सों में बिखर गई। हादसा इतना भयंकर था कि बस सड़क से उतर कर करीब 20 मीटर अंदर तक चली गई। हादसे में बस चालक गांव थुआ निवासी संदीप कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। कजिसे उपचार के लिए नागरिक अस्पताल जींद ले जाया गया। बस में मौजूद महिला सवारी प्रवीण डूमरखां ने बताया कि बस की स्पीड बहुत ज्यादा थी और ड्राइवर का ध्यान फोन पर चल रही वीडियो कॉल पर था। महिला ने बताया कि लोडिंग गाड़ी वाला साइड में गाड़ी खड़ी कर शौच के लिए गया हुआ था। बस स्पीड में थी और बस वाले वीडियो कॉल पर बात कर रहा था।

चरित्र और निर्णय तय करते हैं जीवन की दिशा: सीजेआई सूर्य कांत

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के प्रांगण में भव्य 12वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू व आईआईटी रोपड़ के निदेशक डॉ राजीव आहूजा समारोह के विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस मौके पर उन्होंने विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान कीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि डिग्री केवल उस ज्ञान की पुष्टि करती है जो वर्षों की मेहनत से अर्जित किया गया है।

गुरूओं की शिक्षा देती है समाज को सही दिशा : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

कैथल। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कैथल के गांव सौंगल में स्थित बाबा मुकुट नाथ के डेरे में आयोजित धार्मिक समारोह में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने संत परंपरा, आस्था और नशे के खिलाफ समाज को जागरूक करने की आवश्यकता पर जोर दिया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनका सौभाग्य है कि उन्हें इस पवित्र स्थल पर आने और संतों के दर्शन करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि गुरु और संत समाज को केवल जीवित रहते ही नहीं, बल्कि उनके बाद भी सम्मान दिया जाना चाहिए, क्योंकि उनकी शिक्षाएं समाज को सही दिशा देने का काम करती हैं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत में संतों की एक गौरवशाली परंपरा रही है, जिन्होंने अपने जीवन को राष्ट्र और धर्म की

सेवा के लिए समर्पित किया। उन्होंने कहा कि पंजाब और हरियाणा की भूमि विशेष रूप से संतों और महात्माओं की तपस्थली रही है।

उन्होंने इतिहास का उदाहरण देते हुए कहा कि सिकंदर जैसे महान विजेता को भी संतों और गुरुओं के सामने नतमस्तक होना पड़ा था। जब संत शक्ति जागरूक होती है तो कोई भी ताकत देश और धर्म को झुका नहीं सकती। उन्होंने लोगों से अपील की कि जो लोग देशहित में काम कर रहे हैं, उनका समर्थन किया जाना चाहिए। इस अवसर पर मठ के महंत पीरशेरनाथ ने बताया कि सिद्ध बाबा मुकुट नाथ मठ क्षेत्र का एक प्राचीन धार्मिक स्थल है, जो करीब 1600 से 1700 वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है। यह स्थान सिद्ध पुरुष बाबा मुकुट नाथ की तपस्थली माना जाता है, जहां उनकी स्मृति में निरंतर ज्योति प्रज्वलित रहती है। उन्होंने बताया कि मठ परिसर में अब तक 17 महंतों की समाधियां स्थित हैं, जिनकी प्रतिदिन पारंपरिक तरीके से गाय के गोबर से लिपाई की जाती है। यहां एक प्राचीन धूना भी लगातार प्रज्वलित रहता है और यह डेरा नाथ संप्रदाय की धर्मनाथ परंपरा से जुड़ा हुआ है।

जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए हर परिस्थिति में संघर्ष करते रहेंगे : कुलदीप बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। वरिष्ठ भाजपा नेताएवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने कहा है कि उनकी राजनीति हमेशा संघर्ष, स्वाभिमान और जनता के अधिकारों की लड़ाई पर आधारित रही है। जनसेवा और जनहित के लिए जो संकल्प उन्होंने लिया है, उसे वे निरंतर आगे बढ़ाते रहेंगे। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में हमेशा सिद्धांतों और स्वाभिमान की राजनीति को प्राथमिकता दी है और जनता के विश्वास और सहयोग के कारण ही उन्हें लगातार आगे बढने की प्रेरणा मिलती रही है।

कुलदीप बिश्नोई आदमपुर हलके के आधा दर्जन गांवों के दौरे के दौरान क्षेत्रवासियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेते हुए ग्रामीणों से उनका हालचाल जाना और उनके सुख-दुख में शिरकत करते हुए क्षेत्र की समस्याओं और विकास कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं व आम जनमानस का स्नेह और समर्थन उनके लिए सबसे बड़ी ताकत है, और यही विश्वास उन्हें हर परिस्थिति में जनता के साथ खड़े रहने की प्रेरणा देता है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौ. भजन लाल ने प्रदेश में विकास और जनसेवा की जो मजबूत नींव रखी, उसे आगे बढ़ाना उनका कर्तव्य और दायित्व है। उन्होंने कहा कि चौ. भजन लाल के कई ऐसे सपने थे जो प्रदेश के विकास से जुड़े हुए थे। उन अधूरे सपनों को पूरा करना ही उनका संकल्प है। ऐसे में वे हर परिस्थिति में जनता की आवाज बनकर उनके अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए संघर्ष करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि राजनीति उनके लिए केवल पद या सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और जनता की सेवा का मार्ग है। आने वाले समय में भी वे पूरे समर्पण और ईमानदारी के साथ जनता के हितों की रक्षा करते हुए विकास की इस यात्रा को आगे बढ़ाते रहेंगे।

गैस चोरी के वीडियो वायरल, जांच में जुटा खाद्य एवं आपूर्ति विभाग

एजेंसी

फरीदाबाद। फरीदाबाद में अलग-अलग जगहों से गैस एजेंसियों के कर्मचारियों द्वारा घरेलू गैस सिलेंडर से गैस चोरी करने के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने जांच शुरू कर दी है। विभाग ने कहा है कि वीडियो में दिख रहे कर्मचारियों और एजेंसियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि शहर में गैस सिलेंडर की किल्लत के बीच इन वीडियो ने हडक़ंप मचा दिया है। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण घरेलू और कमर्शियल गैस की सप्लाई प्रभावित है। फरीदाबाद में लोग सुबह तीन बजे से ही एजेंसियों के बाहर सिलेंडर लेने के लिए लाइन में लग रहे हैं। इसी बीच कुछ एजेंसी कर्मचारी गैस चोरी कर उपभोक्ताओं की जेब काटने में लगे हैं। पहला वायरल वीडियो ओल्ड फरीदाबाद का बताया जा रहा है। इसमें देखा जा सकता है कि सिलेंडर सप्लाई करने वाले टेंपो के अंदर भरे हुए सिलेंडर से गैस निकालकर दूसरे सिलेंडर में भरी जा रही है। वाहन पर एचपी गैस एजेंसी का नाम लिखा है, जो घर-घर सिलेंडर सप्लाई करने का काम करता है। एक व्यक्ति ने यह वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। दूसरा वीडियो बल्लभगढ़ के आर्य नगर, गली नंबर 3 का है। इसमें एक कर्मचारी खुले में सिलेंडर से गैस निकालते हुए दिखाई दे रहा है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वह किस एजेंसी से जुड़ा है। वीडियो में दिख रहा व्यक्ति साइकिल पर सिलेंडर सप्लाई करता है और खुलेआम गली में गैस ट्रांसफर करता नजर आ रहा है।

भाजपा ने चंडीगढ़ में एकत्र किए सभी विधायक, 16 को होगा राज्य सभा का मतदान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में राज्य सभा चुनाव से पहले भाजपा के सभी विधायक चंडीगढ़ पहुंच गए। भाजपा ने सभी विधायकों को चंडीगढ़ के एक फाइव स्टार होटल में ठहराकर वोटिंग का प्रशिक्षण दिया। राज्य सभा चुनाव को लेकर चल रही लड़ाई अब निर्णायक दौर में पहुंच चुकी है। पूरा दिन चंडीगढ़ में गहमा-गहमी चलती रही। भाजपा ने पहले ही सभी विधायकों को 14 से लेकर 16 मार्च की सुबह तक चंडीगढ़ रुकने के लिए कहा था। जिसके चलते आज सुबह सभी विधायक हरियाणा निवास में एकत्र हुए। जहां से उन्हें चंडीगढ़ के होटल जेडब्ल्यू मैरियट में ले जाया गया। जहां भाजपा विधायकों के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन करके वोट डालने की प्रक्रिया समझाई गई।

विधायकों को प्रथम वरीयता व द्वितीय वरीयता के बारे में विस्तार से बताया गया। इस बीच भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव को लेकर नियुक्ति भी कर दी हैं। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी को राज्यसभा चुनाव में चुनाव एजेंट बनाया गया है। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा तथा विधायक योगेंद्र राणा को काउंटिंग एजेंट नियुक्त किया गया है।

पार्टी प्रतिनिधि एवं पार्टी एजेंट के तौर पर खेल मंत्री गौरव गौतम और विधायक सुनील सांगवान जिम्मेदारी दी गई है। हरियाणा विधानसभा में कुल 90 विधायक में से करीब 40 विधायक पहली बार चुनकर आए हैं। निर्दलीय से लेकर तीनों पार्टी में पहली बार चुनकर आए विधायक मौजूद है इस बात के मद्देनजर और अतीत में हुए प्रकरण के चलते कांग्रेस ने इस बार कमर कसी हुई है तो दूसरी तरफ अति उत्साह में कोई चूक भाजपा से न हो इस बात का ख्याल वहां भी रखा जा रहा है और अपने विधायकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

पलवल, होडल व हथीन में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित 6650 मामलों का मौके पर निपटान

एजेंसी

पलवल। जिला एवं सत्र न्यायाधीश व प्राधिकरण की चेयरपर्सन राज गुप्ता के मार्गदर्शन में पलवल, होडल और हथीन की अदालतों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं सचिव हरीश गोयल के नेतृत्व में आयोजित इस अदालत में कुल 12,706 केस रखे गए, जिनमें से 6,650 मामलों का मौके पर ही निपटारा किया गया। इस दौरान कुल 3,72,83,016 रुपये की सेटलमेंट राशि तय हुई। सीजेएम हरीश गोयल ने बताया कि लोक अदालत में वाहन दुर्घटना मुआवजा, बैंक वसूली, चेक बाउंस, पारिवारिक विवाद, बिजली-पानी के बिल और श्रम विवादों को आपसी सुलह के आधार पर सुलझाया गया। उन्होंने कहा कि लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य विवादों को बिना कटुता के समाप्त कर लोगों को त्वरित न्याय दिलाना है। इस अवसर पर प्री-लोक अदालतों के जरिए भी लंबित मामलों को निपटाने का प्रयास किया गया।

मामलों की सुनवाई के लिए विशेष न्यायिक पीठों का गठन किया गया, जिसमें प्रधान न्यायाधीश पायल मित्तल, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश डॉ. तैयब हुसैन, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मानसी धीमान, न्यायिक मजिस्ट्रेट शशि हिमशिखा, उपमंडल न्यायिक मजिस्ट्रेट गरिमा यादव (हथीन) और अपर्णा चौधरी (होडल) शामिल रहीं। इन पीठों में पैनल अधिवक्ताओं ने भी सदस्य के रूप में सहयोग किया। सीजेएम हरीश गोयल ने बताया कि लोक अदालत में वाहन दुर्घटना मुआवजा, बैंक वसूली, चेक बाउंस, पारिवारिक विवाद, बिजली-पानी के बिल और श्रम विवादों को आपसी सुलह के आधार पर सुलझाया गया। उन्होंने कहा कि लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य विवादों को बिना कटुता के समाप्त कर लोगों को त्वरित न्याय दिलाना है। इस अवसर पर प्री-लोक अदालतों के जरिए भी लंबित मामलों को निपटाने का प्रयास किया गया।

नूंह के अलावलपुर में पंचायत के दौरान बवाल, हेलमेट पहनकर पथराव; महिलाएं भी आईं नजर, डेढ़ दर्जन घायल

एजेंसी

नूंह। हरियाणा के नूंह जिले के गांव अलावलपुर में शाम एक पंचायत खूनी संघर्ष में तब्दील हो गई। दो पक्षों के बीच सुलह के लिए बुलाई गई इस पंचायत में अचानक विवाद भड़क गया, जिसके बाद जमकर लाठी-डंडे चले और पथराव हुआ। इस हिंसक झड़प में दोनों पक्षों के करीब डेढ़ दर्जन लोग घायल हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, बीते 9 मार्च को गांव की एक चाय की दुकान पर दो युवकों के बीच मामूली कहासुनी हुई थी। इसी मामले को आपसी सहमति से सुलझाने के लिए शुक्रवार को पंचायत बुलाई गई थी। इसमें अलावलपुर, मलाई, ढकलपुर और सिकरावा सहित आसपास के कई गांवों के सरपंच और मौजिज लोग शामिल थे। बताया जा रहा है कि जब पंचायत अपना फैसला सुनाने वाली थी, तभी अचानक एक पक्ष ने पथराव शुरू कर दिया। हमले की तैयारी पहले से दिख रही थी क्योंकि कुछ लोग सिर पर हेलमेट पहनकर पत्थर बरसाते नजर आए। देखते ही देखते मौके पर अफरा-तफरी मच गई और महिलाओं ने भी पथराव में हिस्सा लिया। दूसरा पक्ष भी लाठी-

डंडे लेकर आमने-सामने आ गया। इस झगड़े में घायल हुए लगभग 18 लोगों को तुरंत सिविल अस्पताल नूंह ले जाया गया। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए कई लोगों को पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया है। फिलहाल पुलिस को किसी भी पक्ष से लिखित शिकायत नहीं मिली है, लेकिन पुलिस बल गांव की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। अधिकारियों का कहना है कि शिकायत मिलते ही आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने वार्ड 15-16 में 3.99 करोड़ के 18 विकास कार्यों का किया शुभारंभ

एजेंसी

चंडीगढ़। फरीदाबाद। फरीदाबाद के विकास पथ को और अधिक विस्तार देते हुए केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने आज वार्ड नंबर 15 और 16 में करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं की सौगात दी। उन्होंने स्थानीय निवासियों की उपस्थिति में विधिवत नारियल तुड़वाकर 3.99 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले कुल 18 विकास कार्यों का शुभारंभ किया। मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने बताया कि इन विकास कार्यों के तहत वार्ड 15 और 16 में सड़कों एवं नालियों के निर्माण के साथ-साथ पार्कों के सौंदर्यीकरण और जल संरक्षण के प्रोजेक्ट्स को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र के विकास के लिए सरकार पूरी तरह समर्पित है और जनता की सुविधा से जुड़ा कोई भी कार्य अधूरा नहीं रहने दिया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी समस्या के समाधान के लिए सीधे उनसे या अपने जनप्रतिनिधियों से संवाद करें। कनेक्टिविटी पर चर्चा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि फरीदाबाद को वैश्विक स्तर पर जोड़ने की तैयारी चल रही है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक कालाबाजारी के चार मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है और निगरानी जारी है। उन्होंने घोषणा की कि फरीदाबाद को जेवर एयरपोर्ट

और पलवल तक मेट्रो से जोड़ने की योजना पर तेजी से काम हो रहा है। लगभग 30 हजार करोड़ रुपये की लागत वाले इस प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य वर्ष 2026 के अंत तक शुरू करने का लक्ष्य है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद फरीदाबाद सीधे दिल्ली और नोएडा के अंतरराष्ट्रीय केंद्रों से जुड़कर भारत के मानचित्र पर एक नई पहचान बनेगा। जिला सचिवालय में समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री ने बताया कि रिफाइनरीज ने उत्पादन 28 फीसदी तक बढ़ा दिया है। उन्होंने जनता से अपील की कि युद्ध या संकट की अफवाहों में आकर पैनिक बुकिंग न करें। पिछले 15 दिनों में उपभोक्ताओं की संख्या में कोई असामान्य बढ़ोतरी नहीं हुई है, इसलिए लाइनों में लगने की आवश्यकता नहीं है। गैस वितरकों ने जानकारी दी कि पैनिक बुकिंग के कारण सर्वर पर लोड बढ़ा है, जिसे ठीक किया जा रहा है। कृष्णपाल गुर्जर ने आश्वस्त किया कि एलपीजी और पीएनजी की घर-घर आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी रहेगी। बैठक में उपायुक्त आयुष सिन्हा, एसडीएम अमित कुमार और डीएफएससी कविता सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि अब तक कालाबाजारी के चार मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है और निगरानी जारी है।

सभी 46 वार्डों में समान विकास और सफाई हमारी प्राथमिकता: महापौर

एजेंसी

फरीदाबाद। महापौर प्रवीण बत्रा जोशी ने स्पष्ट किया कि फरीदाबाद के सभी 46 वार्डों में बिना किसी भेदभाव के सफाई सुविधाएं दी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि निगम द्वारा जेसीबी, ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य संसाधन सभी पार्षदों को समान रूप से उपलब्ध कराए जाते हैं, ताकि पूरे शहर में स्वच्छता अभियान प्रभावी रहे। महापौर ने हाल ही में शुरू हुई 'नाइट स्वीपिंग' का जिक्र करते हुए कहा कि अब रात में मशीनों से सड़कों की सफाई हो रही है। उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग से ही शहर स्वच्छ और सुंदर बनेगा। महापौर ने जमीनी स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन मालियों और तीन सफाई कर्मचारियों को विशेष रूप से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद के लोग विकास के साथ-साथ शहर की सुंदरता और हरियाली के प्रति भी पूरी तरह सजग हैं।

खेल मंत्री गौरव गौतम के प्रयासों से पलवल नगर परिषद को मिली बड़ी सौगात

मुख्यमंत्री हरियाणा ने पार्किंग स्थल व ऑफिसर-कम-कमर्शियल कॉम्प्लेक्स निर्माण हेतु जमीन ट्रांसफर को दी मंजूरी

एजेंसी

पलवल। हरियाणा कैबिनेट की मंजूरी के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शहरी स्थानीय निकाय विभाग के एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। मंत्री गौरव गौतम ने पलवल शहर की लंबे समय से चली आ रही पार्किंग समस्या एवं नगर परिषद के लिए उपयुक्त प्रशासनिक परिसर की आवश्यकता को लगातार सरकार के समक्ष उठाया था।इस प्रस्ताव के तहत प्रांतीय सरकार की भूमि को नगर परिषद पलवल को पार्किंग स्थल तथा नगर परिषद के ऑफिसर-कम-कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए वर्तमान कलेक्टर रेट की दरों पर ट्रांसफर किया जाएगा।मंत्री गौरव गौतम ने पलवल शहर की लंबे समय से चली आ रही पार्किंग समस्या एवं नगर परिषद के लिए उपयुक्त प्रशासनिक परिसर की आवश्यकता को लगातार सरकार के समक्ष उठाया था।इस परियोजना के साकार होने से पलवल शहर में

यातायात व्यवस्था में सुधार होगा और बाजार क्षेत्रों में लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। यह अहम निर्णय खेल मंत्री गौरव गौतम के निरंतर प्रयासों, सकारात्मक पहल एवं प्रभावी पैरवी का परिणाम माना जा रहा है। मंत्री गौरव गौतम ने पलवल शहर की लंबे समय से चली आ रही पार्किंग समस्या एवं नगर परिषद के लिए उपयुक्त प्रशासनिक परिसर की आवश्यकता को लगातार सरकार के समक्ष उठाया था। प्रस्ताव के अनुसार एसडीएम आवास के समीप स्थित कुल 9,944 वर्ग गज भूमि की कीमत लगभग 11 करोड़ 48 लाख 53 हजार 200 रुपये आंकी गई है। इस परियोजना के साकार होने से पलवल शहर में यातायात व्यवस्था में सुधार होगा और बाजार क्षेत्रों में लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। खेल मंत्री गौरव गौतम ने इस मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया है।

विष्णु कॉलोनी में तेज रफ्तार कार का कहर, महिला और व्यक्ति को पीछे से मारी जोरदार टक्कर

एजेंसी

बल्लभगढ़। विष्णु कॉलोनी में एक तेज रफ्तार कार ने जमकर उत्पात मचाया। गली में टहल रही एक महिला और एक व्यक्ति को पीछे से आई अनियंत्रित कार ने ऐसी जोरदार टक्कर मारी कि दोनों हवा में उछलकर सड़क पर जा गिरे। यह पूरी खौफनाक वारदात पास में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वायरल सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि रात करीब साढ़े आठ बजे गली में सामान्य चहल-पहल थी। एक महिला अपनी छोटी बच्ची का हाथ पकड़कर पैदल चल रही थी, तभी पीछे से एक सफेद रंग की कार अत्यंत तेज रफ्तार में आई। कार ने महिला और उसके पीछे चल रहे व्यक्ति को पीछे से सीधे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों पीड़ित उछलकर सड़क पर गिरे, जबकि पास चल रही बच्ची और अन्य लोग बाल-बाल बच गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जैसे ही शिकायत मिलेगी, पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार की पहचान कर आरोपी चालक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेगी। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। टक्कर मारने के बाद चालक ने कार रोकने के बजाय उसकी रफ्तार और बढ़ा दी और मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि गली में आगे रास्ता बंद होने के कारण आरोपी चालक कार को तेजी से बैक (पीछे) करते हुए ले गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत दोनों गंभीर रूप से घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जैसे ही शिकायत मिलेगी, पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार की पहचान कर आरोपी चालक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेगी।इस मामले में आदर्श नगर थाना इंचार्ज मनोज कुमार ने बताया कि फिलहाल पुलिस को इस संबंध में कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है और न ही किसी अस्पताल से सूचना आई है।

एआई में बढ़ते दबाव को संतुलित करने मेटा 20 फीसदी कर्मचारियों की करेगी छंटनी!

-कंपनी का मानना- एआई आधारित टूल्स कर्मचारियों की उत्पादकता को बढ़ा सकते हैं

नई दिल्ली।

दुनिया की प्रमुख सोशल मीडिया कंपनी मेटा अपने खर्च को नियंत्रित करने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में बढ़ते निवेश के दबाव को संतुलित करने के लिए बड़े स्तर पर कर्मचारियों की छटनी करने पर विचार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी संभावित रूप से अपने वैश्विक कार्यबल का करीब 20 फीसदी तक कम कर सकती है। यदि ऐसा होता है तो करीब 16 हजार कर्मचारियों की नौकरियां जा सकती हैं। कंपनी के नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 31 दिसंबर तक मेटा में करीब 79 हजार कर्मचारी कार्यरत थे। मेटा दुनिया के लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का संचालन करती है।

रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी अपने भविष्य को एआई आधारित तकनीकों के साथ जोड़कर देख रही है।

मेटा का मानना है कि एआई आधारित टूल्स आने वाले समय में कर्मचारियों की उत्पादकता को काफी बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही कई कार्यों में कम कर्मचारियों की जरुरत रह जाएगी। इसी वजह से कंपनी अपनी संचालन व्यवस्था को ज्यादा कुशल बनाने के लिए कर्मचारियों की छटनी करने वाले विकल्पों पर विचार कर रही है। हालांकि अभी तक इस संबंध में अंतिम फैसला नहीं लिया गया है और न ही इसके लिए कोई समयसीमा तय की है।

सूत्रों के मुताबिक मेटा के वरिष्ठ अधिकारियों ने हाल ही में कंपनी के अन्य शीर्ष नेताओं के साथ संभावित छंटनी के विषय पर चर्चा की। अधिकारियों से कहा गया कि वे अपने-अपने विभागों में कामकाज को ज्यादा सुव्यवस्थित बनाने के उपाय तलाशें। इस बीच मेटा के प्रवक्ता ने इन खबरों को लेकर कहा कि यह केवल संभावित रणनीतियों से जुड़ी अटकलें हैं। उन्होंने इसे सैद्धांतिक स्तर की रिपोर्टिंग बताया और कहा कि अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। यदि मेटा इस स्तर पर कर्मचारियों की संख्या कम करने का फैसला लेती है तो यह कंपनी के इतिहास की सबसे बड़ी छंटनियों में से एक होगी।

बता दें इससे पहले कंपनी ने 2022 और 2023 में बड़े पैमाने पर पुनर्गठन किया था। उस समय मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने उस अवधि को कंपनी का 'ईयर ऑफ एफिशिएंसी' बताया था।

घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की कोई कमी नहीं, रिफाइनरियां पूरी क्षमता से कर रही काम

-देश में एलपीजी किल्लत को लेकर फैली अफवाहों और पैनिक बुकिंग को सरकार का दावा

नई दिल्ली।

देश में एलपीजी की किल्लत को लेकर फैली अफवाहों और भारी पैनिक बुकिंग के बीच केंद्र सरकार ने कहा है कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की कोई कमी नहीं है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि देश के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है और सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। हालांकि, खाड़ी देशों में जारी युद्ध और 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' में पैदा हुए गतिरोध की वजह से सप्लाई चेन पर दबाव जरूर पड़ा है, लेकिन सरकार ने घरेलू सप्लाई को प्राथमिकता पर रखा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुजाता ने कहा कि युद्ध की खबरों के बीच आम जनता में इस बात का डर है कि आने वाले दिनों में सिलेंडर नहीं मिलेंगे। इसी घबराहट में लोग जरूरत न होने पर भी सिलेंडर बुक करा रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक युद्ध से पहले रोज करीब 55 लाख सिलेंडर बुक होते थे और करीब 50 लाख की डिलीवरी होती थी, लेकिन यह आंकड़ा बढ़कर 75 लाख हो गया और अब 88 लाख तक पहुंच गया है। अधिकारियों ने इसे पूरी तरह 'पैनिक बुकिंग' करार दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने साफ किया है कि बुकिंग पर कुछ नियम लागू हैं ताकि स्टॉक का प्रबंधन सही से हो सके। शहरी क्षेत्रों में एक सिलेंडर मिलने के बाद अगली बुकिंग के लिए कम से कम 25 दिन का अंतर होना अनिवार्य है। वहीं ग्रामीण इलाकों में यह समय सीमा 45 दिन तय की गई है। इस तय समय से पहले सिस्टम बुकिंग नहीं लेगा, इसलिए उपभोक्ताओं को बार-बार प्रयास करने या परेशान होने की जरूरत नहीं है।

सप्लाई के दबाव का फायदा उठाकर कुछ लोग सिलेंडर की जमाखोरी और ब्लैक-मार्केटिंग में जुट गए हैं। इसे रोकने के लिए सरकार ने देशभर में सख्त अभियान छेड़ा है। पेट्रोलियम मंत्रालय के निर्देश पर राज्य सरकारों और जिला प्रशासनों ने तेल कंपनियों के साथ मिलकर छापेमारी शुरू कर दी है। अकेले यूपी में प्रशासन ने 1400 से ज्यादा ठिकानों का निरीक्षण किया है, जिसमें 20 एफआईआर दर्ज की गई हैं और 19 लोगों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की गई है।

ईरान युद्ध से फूड डिलीवरी, कॉस्मेटिक्स और कपड़ा उद्योग सेक्टर भी हो सकता है प्रभावित

-कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने निवेशकों को सोचने पर किया मजबूर

नई दिल्ली।

वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर अब शेयर बाजारों पर भी देखने लगा है। ईरान से जुड़े युद्ध की आशंका और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने निवेशकों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। पहले जहां चिंता केवल ऊर्जा क्षेत्र तक सीमित मानी जा रही थी, वहीं अब इसके प्रभाव का दायरा बढ़ रहा है। फूड डिलीवरी कंपनियों से लेकर कॉस्मेटिक्स और कपड़ा उद्योग तक कई सेक्टर संभावित सप्लाई बाधाओं और बढ़ती लागत के दबाव में आ सकते हैं।

दरअसल, युद्ध शुरू होने के बाद से वैश्विक शेयर बाजारों में करीब 5.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट 2022 के बाद किसी एक महीने में सबसे बड़ी मानी जा रही है। एशियाई बाजारों पर इसका असर सबसे ज्यादा देखा गया है। निवेशकों को डर है कि तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई फिर से बढ़ सकती है और युद्ध पर होने वाला खर्च कई देशों के बजट घाटे को भी बढ़ा सकता है। बाजार में बढ़ती अनिश्चितता से ट्रेडर्स ने अब अमेरिका के केंद्रीय बैंक यानी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद को भी आगे खिसका दिया है। अब अनुमान लगाया जा रहा है कि अगली बड़ी दर कटौती संभवतः 2027 के बीच तक ही हो पाएगी। इस बदलाव ने भी वैश्विक निवेशकों की रणनीति को प्रभावित किया है। युद्ध के कारण सबसे पहले असर एयरलाइंस और शिपिंग कंपनियों पर पड़ा है। तेल की कीमतें बढ़ने से विमानन कंपनियों की ईंधन लागत बढ़ जाती है, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव आता है। इसी तरह समुद्री परिवहन कंपनियों के लिए भी ऑपरेशन महंगे हो जाते हैं और व्यापारिक मार्गों में जोखिम बढ़ जाता है। इसके विपरीत रक्षा और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में तेजी देखी जा रही है। युद्ध और तनाव के दौर में रक्षा उपकरणों की मांग बढ़ने की संभावना रहती है, जिससे रक्षा कंपनियों के शेयरों को फायदा मिलता है। वहीं तेल और गैस कंपनियां भी ऊंची कीमतों का लाभ उठा सकती हैं। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब अमेरिका ने उस खर्ग द्वीप पर बड़ा हमला किया, जहां से ईरान के कच्चे तेल का बड़ा हिस्सा निर्यात होता है।

बाजार में उथल-पुथल से निवेशक घबराएं नहीं, लंबी अवधि के नजरिए से सोचें

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने छोटे निवेशकों को धैर्य रखने की दी सलाह

नई दिल्ली।

शेयर बाजार में इन दिनों तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। वैश्विक स्तर पर जियो-पॉलिटिकल टेंशन के कारण बाजार में अस्थिरता बढ़ गई है। ऐसे में सेबी के चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने छोटे निवेशकों को धैर्य रखने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि बाजार में यह उथल-पुथल लंबे समय तक नहीं रहती और वैश्विक स्तर पर स्थिरता लाने के प्रयास चल रहे हैं। छोटे निवेशकों को घबराकर फैसले नहीं लेने चाहिए, बल्कि शांत रहकर लंबी अवधि के नजरिए से सोचना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सेबी चेयरमैन ने हाल ही में एक कार्यक्रम में इस बारे में जिक्र किया। उन्होंने बताया कि पिछले दस साल में भारत के कैपिटल मार्केट बहुत बड़े और मजबूत हुए हैं। अब ये बाजार वैश्विक घटनाओं से ज्यादा जुड़े हुए हैं। कोई भी बड़ी खबर या घटना तुरंत बाजार पर असर डाल देती है। जियो-पॉलिटिकल टेंशन, जैसे युद्ध या तनाव, बाजार को बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं, लेकिन तुहिन कांता पांडे ने जोर दिया कि बाजार की असली परीक्षा तब होती है जब अस्थिरता आती है और सिस्टम सही रूप से चलता रहता है।

उन्होंने कहा कि बाजार में अत्यधिक अस्थिरता के दौर आमतौर पर ज्यादा दिन नहीं टिकते। वैश्विक प्रयासों से बाजार जल्दी स्थिर हो जाते हैं। भारत के बाजार पिछले दशक में काफी विस्तारित हुए हैं, जिससे वे वैश्विक घटनाओं के प्रति संवेदनशील हो गए हैं।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और भारतीय रूपए में गिरावट का असर

विदेशी-निवेशकों ने 15दिन में शेयर बाजार से निकाले 52,704 करोड़

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टमेंट की बिकवाली लगातार जारी है। मार्च के शुरुआती दो हफ्तों में विदेशी निवेशकों ने घरेलू इक्विटी बाजार से 52,704 करोड़ रुपए निकाले हैं। यह बिकवाली ऐसे समय में हुई है, जब मिडल ईस्ट में तनाव बढ़ रहा है और कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गया है। इससे पहले फरवरी महीने में विदेशी निवेशकों ने बाजार में 22,615 करोड़ रुपए का निवेश किया था, जो पिछले 17 महीनों का सबसे ऊंचा स्तर था। लेकिन मार्च की शुरुआत से ही विदेशी निवेशक हर ट्रेडिंग दिन पर नेट सेलर्स बने हुए हैं। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस भारी बिकवाली के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और होर्मुज रूट में सप्लाई प्रभावित होने के डर से ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर चला गया है। इससे निवेशकों ने जोखिम वाले एसेट्स से पैसा निकालकर सुरक्षित विकल्पों में लगाना शुरू कर दिया है। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए के 92 के स्तर के पार पहुंचना और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी ने भी दबाव बनाया है। हालांकि, निवेशकों ने टेलीकॉम, ऑयल एंड गैस, मेटल्स और केमिकल्स जैसे सेक्टर्स में अपना निवेश बढ़ाया है, जो यह दर्शाता है कि पैसा अब डोमेस्टिक वैल्यू और कमोडिटी शेयरों की ओर शिफ्ट हो रहा है।

चीन के बाजार में पैसा लगा रहे निवेशक

पिछले 18 महीनों में भारतीय बाजार ने विकसित और अन्य उभरते बाजारों के मुकाबले कम रिटर्न दिया है। इस वजह से विदेशी निवेशकों का रुझान भारत के प्रति कम हुआ है। उनके अनुसार, दक्षिण कोरिया, ताइवान और चीन इस समय भारत की तुलना में ज्यादा आकर्षक लग रहे हैं, क्योंकि हालिया गिरावट के बाद वहां वैल्युएशन सस्ता है और कॉर्पोरेट अर्निंग की संभावनाएं बेहतर दिख रही हैं।

इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर सेगमेंट में टाटा मोटर्स का दबदबा

नई दिल्ली ।

भारत में इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर सेगमेंट में टाटा मोटर्स का फिलहाल मजबूत दबदबा बना हुआ है। टाटा मोटर्स के पास करीब 40 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। कंपनी की सफलता के पीछे उसका बड़ा इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो भी प्रमुख कारण है, जिसमें नेक्सन ईवी, पंच ईवी, टियागो ईवी, टिगोर ईवी, कर्व ईवी और हैरियर ईवी जैसे मॉडल शामिल हैं। हालांकि देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार अभी भी टाटा के पास नहीं है। टाटा की टियागो ईवी की शुरुआती कीमत 7.99 लाख रुपये है, जबकि एमजी कॉमेट ईवी की कीमत 7.35 लाख रुपये से शुरू होती है।टाटा मोटर्स में इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल्स के प्रोडक्ट लाइन हेड आनंद कुलकर्णी का कहना है कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहन अब कीमत के लिहाज से एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच रहे हैं। कुछ मॉडल ऐसे हैं जो इंटरनल कम्बशन इंजन (आईसीई) कारों के करीब कीमत पर उपलब्ध होने लगे हैं। उन्होंने बताया कि बैटरी तकनीक में तेजी से सुधार हो रहा है, जिससे ज्यादा एनर्जी-डेंस बैटरी, तेज चार्जिंग और बेहतर सुरक्षा संभव हो पाई है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कोयम्बटूर में खरीदी 44 एकड़ जमीन, आवासीय प्रोजेक्ट की तैयारी

परियोजना से करीब 450 करोड़ रुपए के राजस्व की उम्मीद

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की बड़ी कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने तमिलनाडु के कोयम्बटूर में 44 एकड़ जमीन खरीदकर एक नए प्रीमियम आवासीय प्रोजेक्ट की तैयारी शुरू कर दी है। कंपनी के मुताबिक इस परियोजना से करीब 450 करोड़ रुपए तक की आय हो सकती है। यह प्रोजेक्ट प्लॉटेड डेवलपमेंट के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसमें आधुनिक सुविधाओं के साथ एक योजनाबद्ध आवासीय समुदाय तैयार किया जाएगा। इस परियोजना के साथ कंपनी पहली बार कोयंबटूर के बाजार में प्रवेश कर रही है। कंपनी ने यह जमीन सीधे खरीदी है। करीब 44 एकड़ क्षेत्र में बनने वाले इस प्रोजेक्ट में करीब 1.1 मिलियन वर्गफुट का डेवलपमेंट होना है। कंपनी का कहना है कि यह प्रोजेक्ट प्रीमियम प्लॉटेड रेजिडेंशियल कम्युनिटी के रूप में तैयार किया जाएगा। हालांकि कंपनी ने जमीन खरीद की कीमत नहीं बताई है, लेकिन परियोजना से करीब 450 करोड़ रुपए के राजस्व की उम्मीद जताई गई है। इस प्रोजेक्ट के जरिए कंपनी दक्षिण भारत में अपने विस्तार को और मजबूत करना चाहती है। यह परियोजना साउथ कोयंबटूर के उस इलाके में विकसित की जाएगी जो कोयम्बटूर गोल्फ क्लब के पास स्थित है। यह इलाका तेजी से विकसित हो रहा है और यहां बेहतर कनेक्टिविटी के साथ शांत और हरित वातावरण उपलब्ध है। कंपनी के मुताबिक प्रोजेक्ट में अच्छी सड़कों वाला लेआउट, लैंडस्केप्ड ओपन स्पेस, और सामुदायिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे यह प्रोजेक्ट प्रीमियम आवासीय विकल्प के रूप में उभर सकता है। कंपनी के आला अधिकारियों का कहना है कि कोयंबटूर में प्रवेश कंपनी की उस रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत वह तेजी से बढ़ते और संभावनाओं से भरे शहरों में अपने प्रोजेक्ट शुरू कर रही है। कोयंबटूर की मजबूत आर्थिक स्थिति, बढ़ती आबादी और स्थिर आवासीय मांग इसे एक आकर्षक बाजार बनाती है। कंपनी यहां एक उच्च गुणवत्ता वाली प्लॉटेड कम्युनिटी विकसित करने की योजना बना रही है, जिससे दक्षिण भारत में उसकी मौजूदगी और मजबूत होगी। कोयंबटूर तेजी से एक विविध आर्थिक केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहां मैन्युफैक्चरिंग, आईटी-आईटीईएस, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और छोटे-मझोले उद्योगों का मजबूत आधार है। शहर में नए इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, बढ़ती आय और आर्थिक गतिविधियों के कारण आवास की मांग लगातार बढ़ रही है।

घर में पीएनजी कनेक्शन है तो सरेंडर करना होगा एलपीजी सिलेंडर

सरकार ने यह फैसला एलपीजी की सीमित उपलब्धता को देखते हुए लिया

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण भारत में एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इसी स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार ने एक अहम फैसला लिया है। सरकार ने 14 मार्च को जारी अधिसूचना में कहा कि जिन घरेलू उपभोक्ताओं के पास पाइप्ड नेचुरल गैस यानी पीएनजी कनेक्शन है, वे अब एलपीजी सिलेंडर नहीं रख सकेंगे और न ही उसका रिफिल ले सकेंगे। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जिन लोगों के पास पहले से पीएनजी कनेक्शन के साथ एलपीजी कनेक्शन भी है, उन्हें अपना एलपीजी कनेक्शन तुरंत सरेंडर करना होगा। इसके साथ ही ऐसे उपभोक्ता सरकारी तेल कंपनियों या उनके वितरकों से एलपीजी सिलेंडर की नई बुकिंग या रिफिल नहीं कर पाएंगे। सरकार का कहना है कि यह फैसला एलपीजी की सीमित उपलब्धता को देखते हुए लिया गया है ताकि जिन घरों में केवल एलपीजी पर ही खाना पकाने की व्यवस्था है, उन्हें प्राथमिकता दी जा सके। दरअसल, पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है। अमेरिका और इजराइल के साथ जंग के बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है। यह समुद्री मार्ग दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा परिवहन मार्गों में से एक माना जाता है। इसी रास्ते से बड़ी मात्रा में तेल और गैस की खेप विभिन्न देशों तक पहुंचती है। भारत के लिए यह स्थिति इसलिए भी चुनौतीपूर्ण है क्योंकि देश के कुल एलपीजी आयात का करीब 90 फीसदी हिस्सा पश्चिम एशियाई देशों से आता है। होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने के कारण वहां से आने वाली एलपीजी की खेप भारत तक नहीं पहुंच पा रही है, जिससे आपूर्ति पर दबाव बढ़ गया है।

मार्च माह में शेयर बाजार की सबसे बड़ी गिरावट

- बाजार में घबराहट, निवेशकों के लाखों करोड़ डूबे
- बाजार में गिरावट बनी रहेगी

मुंबई ।

ईरान युद्ध के बाद शेयर बाजार में भारी घबराहट देखने को मिल रही है। कोविड के बाद पहली बार इतनी बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। शेयर बाजार में मुंबई स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 74564 अंक को छू गया है। जिसके कारण शेयर बाजार को लेकर अर्थशास्त्रियों का यह मानना है। इस गिरावट को रोक पाना, तथा इस घाटे की भरपाई कर पाना फिलहाल संभव नहीं है।

युद्ध को लेकर जिस तरह की स्थिति वैश्विक स्तर पर बन रही है। उसके बाद दुनिया भर में आर्थिक मंदी का खतरा भी देखा जा रहा है। दुनिया भर के सभी शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। मार्च माह के तीनों सप्ताह में शेयर बाजारों में गिरावट देखने को मिली है। मार्च माह के चौथे सप्ताह में भी यह गिरावट बनी रहेगी। शेयर बाजार के लिए कोई बेहतर संकेत हाल फिलहाल देखने को नहीं मिल रहे हैं। निवेशक बाजार में नया निवेश करने के लिए तैयार नहीं हैं,जो निवेश है, उसी को निकाल कर शेयर बाजार से निकलना चाहते हैं। जिसके कारण शेयर बाजार में भगदड़ की स्थिति मची हुई है।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, अमेरिका और इजराइल ने ईरान की समरिक शक्ति और ऊर्जा कारोबार में इस युद्ध का जो प्रभाव पड़ेगा। उसका सही आकलन नहीं किया।जिसके कारण सारी दुनिया में शेयर बाजारों में गिरावट देखने को मिल रही है।

आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है। डोनाल्ड ट्रंप आखिरी वक्त पर इस युद्ध से हट भी जाएं, उसके बाद भी बाजार में गिरावट का सिलसिला बना रहेगा। मार्च माह में 10 फ़ीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिलेगी। ऐसा वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है।

अभी तक शेयर बाजार में छह बार सबसे बड़ी गिरावट देखने को मिली है। 1970 से लेकर 1979 तक 11।3 फ़ीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। 1980 से 1989 के बीच में 16।09 फीसदी की गिरावट हुई थी। 1990 से 1999 के बीच 23.3 फ़ीसदी की गिरावट हुई थी। 2000 से 2009 के बीच में सबसे ज्यादा 33.3 फीसदी की गिरावट देखने को मिली थी। अमेरिका में आई आर्थिक मंदी का सबसे बड़ा असर इसी दौरान दुनिया भर के शेयर बाजारों में पड़ा था।

2010 से 2019 के बीच में 14.5 फ़ीसदी की गिरावट शेयर बाजार में दर्ज हुई थी। जिस तरह की स्थिति वर्तमान में देखने को मिल रही है। उसके अनुसार भारत के शेयर बाजार में सबसे बड़ी गिरावट इस मार्च और अप्रैल माह में देखने को मिल सकती है।

2008 में जिस तरह की अमेरिकी मंदी आई थी। उससे ज्यादा मंदी 2026- 27 में भारत सहित सारी दुनिया के देशों में देखने को मिल सकती है। इसको लेकर दुनिया भर के निवेशकों में घबराहट फैली हुई है। इजरायल अमेरिका और ईरान के बीच में जो युद्ध चल रहा है। उसमें खाडी के देश बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। इस युद्ध में रूस चीन और उत्तर कोरिया के कूद जाने के बाद सारी दुनिया में घबराहट फैल गई है। दो दर्जन से अधिक देश प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में शामिल हो गए हैं। सारी दुनिया के देशों में ऊर्जा संकट खड़ा हो गया है। इसका असर महंगाई पर भी पड़ने लगा है। युद्ध के कारण वैश्विक अर्थ व्यवस्था लड़खड़ा रही है। ऐसे समय पर निवेशको को सावधान रहने की जरूरत है।

इस हफ्ते कई आईपीओ होंगे लॉन्च, कुछ कंपनियों के शेयर होंगे लिस्ट

निवेशक इन आईपीओ में हिस्सा लेकर अच्छा रिटर्न कमा सकते

नई दिल्ली। मार्च के अगले हफ्ते प्राइमरी मार्केट में कई कंपनियां आईपीओ लॉन्च कर रही हैं, जबकि कुछ कंपनियां शेयर बाजार में लिस्ट होंगी। इस हफ्ते 16 मार्च से शुरू होकर कई नए पब्लिक इश्यू खुले हैं, जिनमें एग्रोकेमिकल, लॉयल्टी सर्विसेज और माइनिंग से जुड़ी कंपनियां शामिल हैं, साथ ही कुछ कंपनियां लिस्टिंग के लिए तैयार हैं। निवेशक इन आईपीओ में हिस्सा लेकर अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं, लेकिन बाजार की स्थिति और कंपनी की फंडामेंटल्स को ध्यान से देखना जरूरी है। सबसे बड़ा आईपीओ है जीएसपी क्रॉप साइंस का। यह अहमदाबाद आधारित एग्रोकेमिकल कंपनी 400 करोड़ रुपए जुटाने जा रही है। इसमें फ्रेश इश्यू 240 करोड़ रुपए का और प्रमोटर्स की ओर से ऑफर फॉर सेल 160 करोड़ रुपए का है। प्राइस बैंड 304 से 320 रुपए प्रति शेयर तय किया है। आईपीओ 16 मार्च यानी सोमवार को खुलेगा और 18 मार्च को बंद होगा। लॉट साइज 46 शेयर है, यानी न्यूनतम निवेश करीब 14,720 रुपए। कंपनी एंकर निवेशकों से पहले ही 120 करोड़ रुपए जुटा चुकी है। लिस्टिंग 24 मार्च को बीएसई और एनएसई पर होगी। कंपनी का मार्केट कैप ऊपरी बैंड पर करीब 1,489 करोड़ रुपए होगा। दूसरा आईपीओ नोवस लॉयल्टी का है, जो लॉयल्टी और रिवार्ड्स सॉल्यूशंस प्रोवाइडर है। यह एसएमई सेगमेंट में 60.15 करोड़ जुटाएगा। प्राइस बैंड 139 से 146 प्रति शेयर है। आईपीओ 17 मार्च को खुलेगा और 20 मार्च को बंद होगा। लॉट साइज 1,000 शेयर है, यानी न्यूनतम निवेश करीब 1,46,000 रुपए। लिस्टिंग 25 मार्च को बीएमई एसएमई पर होगी। कंपनी फंड का इस्तेमाल प्रोडक्ट अपग्रेड, बिजनेस डेवलपमेंट और जनरल कॉर्पोरेट पर्पज में करेगी। इनोवेशन का आईपीओ पहले से चल रहा है, जो अब एक्सटेंड हो गया है। यह मैनपावर, टोल प्लाजा मैनेजमेंट और सिक्योरिटी सर्विसेज कंपनी है। मूल प्राइस बैंड 521-548 रुपए था, लेकिन कम सब्सक्रिप्शन के कारण इसे घटाकर 494-519 रुपए कर दिया गया है। इश्यू साइज भी 322.84 करोड़ से घटाकर 305.76 करोड़ कर दिया गया। आईपीओ 10 मार्च से खुला था और अब 17 मार्च को बंद होगा1 लॉट साइज 27 शेयर है। अभी तक सिर्फ 31फीसदी सब्सक्राइब हुआ है। लिस्टिंग 20 मार्च को बीएसई और एनएसई पर होगी।

बासमती चावल कंपनी अमीर चंद जगदीश कुमार एक्सपोर्ट्स लाएगी 440 करोड़ का आईपीओ

-24 मार्च को खुलेगा इश्यू, पूरी तरह फ्रेश शेयर जारी होंगे
-पुराने निवेशक नहीं बेचेंगे हिस्सेदारी

नई दिल्ली।

'एरोप्लेन' ब्रांड के नाम से बासमती चावल बेचने वाली कंपनी अमीर चंद जगदीश कुमार एक्सपोर्ट्स जल्द ही शेयर बाजार में कदम रखने जा रही है। कंपनी ने 440 करोड़ रुपये का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की घोषणा की है। यह आईपीओ 24 मार्च को खुलेगा और निवेशक 27 मार्च तक इसमें बोली लगा सकेंगे। कंपनी के मुताबिक, एंकर निवेशकों के लिए 23 मार्च को एक दिन पहले निवेश का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। इस आईपीओ की सबसे खास बात यह है कि इसमें कोई भी मौजूदा निवेशक या प्रमोटर अपनी हिस्सेदारी नहीं बेच रहा है। पूरा इश्यू केवल फ्रेश शेयरों के जरिए जारी किया जाएगा, जिससे यह संकेत मिलता है कि प्रमोटर्स को कंपनी की भविष्य की संभावनाओं पर भरोसा है।

आईपीओ प्रक्रिया के तहत निवेशकों को शेयरों का आवंटन 30 मार्च तक किया जा सकता है, जबकि कंपनी के शेयरों की संभावित लिस्टिंग 2 अप्रैल को होने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार, कंपनी ने पहले 550 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने की योजना बनाई थी, लेकिन बाद में इसे घटाकर 440 करोड़ रुपये कर दिया गया। वर्तमान में कंपनी की 99 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी प्रमोटर्स के पास है। इसके प्रमुख प्रमोटर्स जगदीश कुमार सूरी, राहुल सूरी और रमणिका सूरी हैं।

कंपनी ने बताया कि आईपीओ से जुटाई गई राशि में से लगभग 400 करोड़ रुपये कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) की जरूरतों को पूरा करने में इस्तेमाल किए जाएंगे। शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। इससे पहले कंपनी प्री-आईपीओ राउंड में करीब 13 करोड़ रुपये जुटा चुकी है। यह निवेश 172 रुपये प्रति शेयर के मूल्य पर किया गया था, जिसके आधार पर कंपनी का मूल्यांकन लगभग 1,877 करोड़ रुपये आंका गया है। हरियाणा स्थित यह कंपनी मुख्य रूप से बासमती चावल की प्रोसेसिंग और निर्यात का कारोबार करती है। इसकी स्थापना वर्ष 2003 में हुई थी और यह अपने उत्पाद 'एरोप्लेन' ब्रांड के तहत बेचती है। कंपनी की कुल आय का करीब 99 प्रतिशत हिस्सा इसी कारोबार से आता है।

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री 1,11,680 यूनिट तक पहुंची

नई दिल्ली। बीते महीने फरवरी 2026 के दौरान देश में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री 1,11,680 यूनिट तक पहुंच गई। पिछले साल फरवरी 2025 में दर्ज 76,720 यूनिट्स की तुलना में लगभग 46 प्रतिशत अधिक है। यह मौजूदा वित्तीय वर्ष में अक्टूबर 2025 के बाद दूसरी सबसे ज्यादा मासिक बिक्री मानी जा रही है। इन आंकड़ों के साथ वित्तीय वर्ष 2026 के पहले 11 महीनों में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की कुल बिक्री 12,09,542 यूनिट्स तक पहुंच गई है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में करीब 19 प्रतिशत अधिक है। इस तरह यह आंकड़ा वित्तीय वर्ष 2025 के पूरे साल के रिकॉर्ड 11,50,767 यूनिट्स को भी पार कर चुका है। यदि मार्च 2026 में इस सेगमेंट की बिक्री 1.40 लाख यूनिट से ज्यादा रहती है, तो वित्तीय वर्ष 2026 के अंत तक कुल बिक्री 13.5 लाख यूनिट तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। बिक्री के मामले में फरवरी 2026 में टीवीएस मोटर कंपनी ने एक बार फिर बाजार में अपना दबदबा बनाए रखा। कंपनी ने पिछले महीने 31,600 इलेक्ट्रिक स्कूटर की रिटेल बिक्री की, जो फरवरी 2025 की 18,955 यूनिट्स की तुलना में 67 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही कंपनी को करीब 28 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी मिली। टीवीएस के पोर्टफोलियो में फिलहाल आईक्यूब और ऑर्बिटर जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटर शामिल हैं।

ट्रम्प की टैरिफ राजनीति और भारत के खिलाफ आर्थिक दबाव की नई रणनीति

कांतिलाल मांडोत

पिछले महीने अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ को अवैध घोषित कर दिया था। यह फैसला प्रशासन की व्यापारिक रणनीति के लिए बड़ा झटका माना गया। इसके बाद ट्रम्प प्रशासन ने नया कानूनी रास्ता खोजते हुए ट्रेड एक्ट 1974 के सेक्शन 301 के तहत जांच की प्रक्रिया शुरू की। इस प्रावधान के तहत अमेरिका को यह अधिकार मिलता है कि यदि किसी देश पर अनुचित व्यापार व्यवहार का आरोप साबित होता है तो वह उस देश के खिलाफ एकतरफा टैरिफ या अन्य व्यापारिक प्रतिबंध लगा सकता है।

वैश्विक व्यापार की राजनीति अक्सर केवल आर्थिक हितों तक सीमित नहीं रहती बल्कि इसके पीछे भू-राजनीतिक रणनीतियां और शक्ति संतुलन की जटिल चालें भी छिपी होती हैं। हाल ही में अमेरिका द्वारा भारत और चीन सहित 16 प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों के खिलाफ तथाकथित अनुचित व्यापार व्यवहार की जांच शुरू करना इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके प्रशासन द्वारा अपनाई जा रही यह नीति केवल व्यापारिक नियमों का मामला नहीं है बल्कि वैश्विक आर्थिक प्रतिस्पर्धा में बढ़ते देशों को नियंत्रित करने का प्रयास भी मानी जा रही है।

पिछले महीने अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ को अवैध घोषित कर दिया था। यह फैसला प्रशासन की व्यापारिक रणनीति के लिए बड़ा झटका माना गया। इसके बाद ट्रम्प प्रशासन ने नया कानूनी रास्ता खोजते हुए ट्रेड एक्ट 1974 के सेक्शन 301 के तहत जांच की प्रक्रिया शुरू की। इस प्रावधान के तहत अमेरिका को यह अधिकार मिलता है कि यदि किसी देश पर अनुचित व्यापार व्यवहार का आरोप साबित होता है तो वह उस देश के खिलाफ एकतरफा टैरिफ या अन्य व्यापारिक प्रतिबंध लगा सकता है।

अमेरिका का आरोप है कि कुछ देश अपनी घरेलू जरूरत से अधिक उत्पादन करते हैं और उस अतिरिक्त माल को सस्ते दामों पर वैश्विक बाजार में बेचते हैं। इसे डंपिंग कहा जाता है। साथ ही अमेरिका यह भी दावा करता है कि कई देश सरकारी सब्सिडी देकर अपने उत्पादों को कृत्रिम रूप से सस्ता बनाते हैं ताकि वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा में आगे रह सकें। अमेरिका का यह भी कहना है कि कुछ देश अपनी मुद्रा को कमजोर बनाए रखते हैं जिससे उनके निर्यात को बढ़ावा मिलता है और अमेरिकी कंपनियों को नुकसान होता है।

हालांकि इस पूरे मामले को केवल आर्थिक तर्कों के आधार पर समझना पर्याप्त नहीं है। वैश्विक विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम उस समय उठाया गया है जब भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएं तेजी से वैश्विक व्यापार और उत्पादन के केंद्र बन रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने विनिर्माण

क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है और कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियां चीन के विकल्प के रूप में भारत की ओर रुख कर रही हैं। ऐसे समय में अमेरिका द्वारा इस प्रकार की जांच शुरू करना कई विशेषज्ञों को रणनीतिक दबाव की नीति जैसा प्रतीत होता है। ट्रम्प प्रशासन की यह नीति दरअसल अमेरिका फर्स्ट के उस सिद्धांत से जुड़ी है जिसे ट्रम्प ने अपने राजनीतिक अभियान का आधार बनाया था। उनका मानना रहा है कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था ने अमेरिकी उद्योगों और कामगारों को नुकसान पहुंचाया है। इसी सोच के तहत उन्होंने पहले भी कई देशों पर टैरिफ लगाए थे और व्यापारिक समझौतों को दोबारा बातचीत के लिए मजबूर किया था।

लेकिन आलोचकों का कहना है कि यह नीति वैश्विक व्यापार के लिए अस्थिरता पैदा करती है। यदि अमेरिका अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ लगातार टैरिफ का इस्तेमाल करता है तो इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित होंगी और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में तनाव बढ़ेगा। इसका असर केवल संबंधित देशों पर ही नहीं बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

भारत के संदर्भ में यह मामला और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि भारत आने वाले वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। भारत सरकार ने वर्ष 2029 तक देश को वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। ऐसे समय में यदि बड़े बाजार भारत के निर्यात पर टैरिफ लगाने लगते हैं तो इससे भारतीय उद्योगों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं।

हालांकि यह भी सच है कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में व्यापारिक कूटनीति को मजबूत किया है। भारत अब केवल एक उपभोक्ता बाजार नहीं बल्कि एक बड़ा उत्पादन केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मेक इन इंडिया और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं जैसी नीतियों ने वैश्विक कंपनियों को भारत में निवेश करने के लिए आकर्षित किया है। इसके अलावा भारत ने कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते भी किए हैं जिससे उसके निर्यात के नए रास्ते खुल रहे हैं।

अमेरिका द्वारा शुरू की गई इस जांच में भारत के अलावा चीन यूरोपीय संघ जापान दक्षिण कोरिया मैक्सिको वियतनाम ताइवान थाईलैंड मलेशिया कंबोडिया सिंगापुर इंडोनेशिया बांग्लादेश स्विट्जरलैंड और नॉर्वे जैसे देश भी शामिल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह कदम केवल किसी एक देश के खिलाफ नहीं बल्कि व्यापक वैश्विक व्यापार रणनीति का हिस्सा है।

आने वाले समय में इस जांच की प्रक्रिया के तहत विभिन्न देश और कंपनियां अपनी दलीलें प्रस्तुत करेंगे। मार्च से इस प्रक्रिया की शुरूआत होगी और मई में सुनवाई के बाद अमेरिका कोई फैसला ले सकता है। यदि अमेरिका को अपने आरोपों के समर्थन में पर्याप्त आधार मिल जाता है तो वह इन देशों पर नए टैरिफ लागू कर सकता है।

फिर भी कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यह पूरी प्रक्रिया वास्तव में दबाव की रणनीति हो सकती है जिसका उद्देश्य व्यापारिक वार्ता में बेहतर शर्तें हासिल करना है। अमेरिका अक्सर इस तरह की जांच और टैरिफ की धमकी का उपयोग अपने व्यापारिक साझेदारों को बातचीत की मेज पर लाने के लिए करता रहा है।

भारत के लिए इस स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण बात यह होगी कि वह अपने व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए मजबूत कूटनीतिक और आर्थिक रणनीति अपनाए। भारत को अपने निर्यात बाजारों का विविधीकरण करना होगा और घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को और मजबूत बनाना होगा। साथ ही वैश्विक व्यापार नियमों के तहत अपने अधिकारों की रक्षा करना भी जरूरी होगा।

अंततः यह स्पष्ट है कि वैश्विक व्यापार का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। बड़े देश अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए नए नए औजारों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के सामने चुनौती यह है कि वे इन दबावों के बीच भी अपनी विकास यात्रा को जारी रखें और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी मजबूत जगह बनाएं।

संपादकीय

अनिद्रा की महामारी

भारतीय जन-जीवन में तेजी से घर करती डिजिटल जीवन शैली ने युवाओं की नींद को बुरी तरह प्रभावित किया है। जिसके चलते उनमें आक्रामकता, अवसाद व आत्महत्या की प्रवृत्ति विकसित हो रही है। देश-दुनिया में समय-समय पर आने वाले विभिन्न सर्वेक्षण इस संकट की ओर इशारा कर रहे हैं। लेकिन देश में किशोरों का स्क्रीन टाइम घातक ढंग से बढ़ रहा है। आमतौर पर चिकित्सा विशेषज्ञ मानते हैं कि किशोरों की सेहत के लिये आठ घंटे की नींद जरूरी होती है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ आठ घंटे के बजाय सात-छह घंटे की नींद को भी पर्याप्त मानते हैं, बशर्ते उसमें बीच में किसी तरह का व्यवधान न हो। लेकिन बिना किसी जरूरी काम के कथित सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना आज के दौर में फैशन सा बन गया है। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों में हुए हालिया शोध बताते हैं कि रात में जल्दी सोने व सुबह जल्दी उठने से बेहतर स्वास्थ्य बनता है। यह भारतीय जीवन दर्शन की अपरिहार्य धारणा भी रही है। लेकिन देश में पहले टीवी और अब मोबाइल फोन के अनियंत्रित उपयोग ने युवाओं की रात की नींद उड़ा दी है। जिसके चलते युवा पूरे दिन उखड़े-उखड़े और अशांत रहते हैं। उनमें आक्रामकता बढ़ रही है। फिर वे अवसाद के शिकार हो जाते हैं। बाधित नींद की इस स्थिति में कालांतर मन में आत्महत्या जैसे नकारात्मक भाव उमड़ने लगते हैं। एक सर्वे बताता है कि देश में 73 फीसदी दसवीं के छात्र आठ घंटे से कम की नींद सोते हैं। कलकत्ता स्लीप सोसाइटी के विशेषज्ञ बताते हैं कि दुनिया में 60 से 70 फीसदी किशोर पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहे हैं। दरअसल, आज छात्रों पर अभिभावकों व शिक्षकों का अनुशासन कम ही चलता है। मां-बाप के टोकने पर वे दलील देते हैं कि ऑन लाइन पढ़ाई चल रही है। कोरोना संकट ने देश-दुनिया में ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प तो दिया, लेकिन तमाम तरह की विसंगतियां व विकृतियां भी किशोरों के जीवन में भर दी हैं। एक चौंकाने वाला आंकड़ा बताता है कि देश में सत्तर करोड़ भारतीय छह घंटे की नींद नहीं ले पाते। वहीं 46 प्रतिशत भारतीय छह घंटे से कम की नींद ले पाते हैं। लेकिन सबसे बड़ा संकट युवाओं व किशोरों से जुड़ा है। वे देर रात तक ऑनलाइन गेमों से जुड़े रहते हैं। रात में जाने-अनजाने दोस्त उनके सहभागी बनते हैं। जो कालांतर एक नशे की लत का रूप ले लेता है। परिजनों की रोक-टोक उन्हें रास नहीं आती। कई घटनाओं में उनके आक्रामक व्यवहार के घातक परिणाम सामने आए हैं। यहां तक कि नजदीकी परिजनों की हत्या की घटनाएं भी हुई हैं। दरअसल, ऑनलाइन खेलों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वे किशोरों के लिये नशा बन जाते हैं। रात का एकांत उन्हें रास आता है। जिसके चलते वे नींद की परवाह नहीं करते। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया व ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर तमाम वर्जित व अश्लील सामग्री की रात्रि में भरमार रहती है। जिसकी चपेट में छोटे-बड़े लोग आ रहे हैं।

चिंतन-मनन

एक प्रवाह है जीवन

जीवा एक प्रवाह है। वह रुकता नहीं, बहता रहता है। जो बहता है, वही प्रवाह होता है। जिसमें ठहराव है, गतिहीनता है, वह प्रवाह नहीं हो सकता। प्रवाह स्वच्छता का प्रतीक है, जबकि ठहराव में गंदगी की संभावना बनी रहती है। प्रवाह में जीवनी शक्ति है, जबकि ठहराव में अस्तित्व का लोप संभव है। ऐसी स्थिति में प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन के प्रवाह को आगे बढ़ाना चाहेगा। सवाल एक ही है कि जीवन कैसा हो? भारतीय संस्कृति में उस जीवन को प्रशस्त जीवन माना गया है जो शांत हो, संतुष्ट हो, पवित्र हो और सानंद हो। शांति, संतुष्टि, पवित्रता और आनंद जीवन की महान उपलब्धियां हैं। इनका संबंध बाह्य पदार्थों से नहीं, व्यक्ति की अपनी वृत्तियों से है। पदार्थों का ढेर लग जाए तो भी वहां शांति का जन्म नहीं हो सकता। संतोष की प्राप्ति भी पदार्थ से नहीं हो सकती। संसार की संपूर्ण सुख-सुविधाएं कदमों में आकर बिछ जाएं, फिर भी तोष का अनुभव नहीं होता। तीसरा तत्व है पवित्रता। उसका पदार्थ के साथ कोई रिश्ता ही नहीं है। पदार्थ के साथ जितना गहरा अनुबंध होता है, पवित्रता पर उतना ही सघन आवरण आ जाता है। पवित्रता नहीं है तो आनंद कहां से आएगा? आनंद का निवास तो चित्त की पवित्रता में ही होता है। ऐसी स्थिति में सार्थक जीवन जीने की आकांक्षा अधिक दूभर हो जाती है। शांति का उत्स संयम है। जो लोग संयम से जीते हैं, विशिष्ट शांति का अनुभव करते हैं। स्वतंत्रता से संतोष की प्राप्ति होती है। सोने के पिंजरे में कैद पंछी को कितने ही मेवे-मिष्ठान मिल जाएं, वह कभी संतुष्ट नहीं हो सकता। परतंत्रता चाहे बाहर की हो, या भीतर की; वहां आत्मतोष नहीं मिल सकता। जीवन में पवित्रता तब तक नहीं उतर सकती, जब तक साधन-शुद्धि न हो। आनंद का अनुभव उस व्यक्ति को होता है जो स्वस्थ रहता है। इस प्रकार का जीवन भारतीय संस्कृति का जीवन है। ऐसा जीवन कोई भी जी सकता है, बशर्ते कि वह इतना उदात्त जीवन जीना चाहे। जीवन की सार्थकता और व्यर्थता उसकी शैली पर निर्भर है।

ईरान पर हमला: साम्राज्यवाद ने एक बार फिर अपने पंजे निकाले

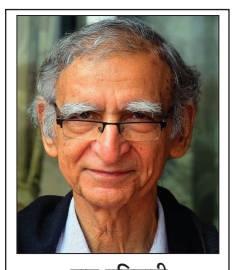

राम पुनियानी

ईरान पर इजराइल और संयुक्त राज्य अमरीका का हमला अत्यंत विनाशकारी साबित हुआ है। अधिकांश युद्धों की तरह, यह युद्ध भी अत्यंत बर्बर है। जंग शुरू करने का बहाना यह बनाया गया कि ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई का शासन अत्यंत क्रूर है, वहां महिलाओं के अधिकारों को कुचला जा रहा है और वह देश परमाणु हथियार बनाने में जुटा हुआ है। दूसरी ओर, ईरान बातचीत करने और उसके दौरान उभरे मुद्दों पर पीछे हटने को तैयार था। बातचीत के दौरान ही इजराइल-अमेरिका गठबन्धन ने लड़ाई शुरू करने का फैसला कर लिया। युद्ध के शुरूआती दौर में उन्होंने ईरान को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया। खामेनेई की उनके परिवार के कुछ सदस्यों के साथ हत्या कर दी गई और एक स्कूल पर बमबारी में 165 नन्हीं बच्चियां मारी गईं। गठबंधन ने कई बेकसूर नागरिकों को भी निशाना बनाया। इसके अलावा ईरानी नौसेना का एक जहाज, जो भारत के निमंत्रण पर नौसैनिक अभ्यास के लिए भारत आया था, पर अमरीकी नौसेना की एक पनडुब्बी ने टारपीडो से हमला किया जिसमें जहाज पर मौजूद कई नौसैनिक मारे गए और जहाज डूब गया। ईरान ने साहस के साथ जवाबी कार्यवाही करते हुए अमरीका-इजराइल गठबंधन को काफी नुकसान पहुंचाया।

इस सारे घटनाक्रम के दौरान भारत की भूमिका देश की नई विदेश नीति के बारे में आंखें खोलने वाली है। भारत गुटनिरपेक्ष हुआ करता था और उसके ईरान से अत्यंत सौहार्दपूर्ण संबंध थे। दोनों देशों के बीच बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक और आर्थिक आदान-प्रदान होता था। अब हम देख रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युद्ध शुरू होने के ठीक पहले इजराइल पहुंचे। हमें नहीं पता कि उनकी यात्रा का उद्धेश्य क्या था। उन्हें इजराइल के सर्वोच्च सम्मान से विभूषित किया गया और मोदी ने कहा कि भारत इजराइल के अच्छे-बुरे समय में उसका साथ देगा। इसके अगले दिन गठबंधन ने ईरान पर हमला कर दिया। मोदी ने ईरान के सर्वोच्च नेता की मौत पर ट्वीट नहीं किया और एक खोखला-सा वक्तव्य जारी किया जिसमें हमलावर और हमले के शिकार दोनों में कोई अंतर नहीं बताया गया था। प्रधानमंत्री के रवैये से यह एकदम साफ हो गया कि भारत तटस्थ नहीं है बल्कि वह अमरीका-इजराइल गठबंधन के साथ है।

अब अमेरिका पर वापिस लौटें। हम 1950 के दशक से अमेरिका की कारगुजारियां देख रहे हैं। उसकी भूमिका अपने राजनैतिक और आर्थिक लक्ष्यों की खातिर दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में दखलअंदाजी करने की रही है। पहले उसका प्रमुख नारा हुआ करता था कम्युनिज्म से दुनिया को बचाओ जिसके बहाने वह युद्ध छेड़ता रहता था। इस सिलसिले की शुरूआत वियतनाम के साथ हुई थी। वियतनाम फ्रांस का उपनिवेश हुआ करता था। हो ची मिन्ह के नेतृत्व में कम्युनिस्ट सेना ने फ्रांस की सत्ता को उखाड़ फेंका और एक लंबी और जटिल राजनैतिक प्रक्रिया के नतीजे में वियतनाम 17वीं अक्षांश रेखा को सीमा मानकर दो देशों - कम्युनिस्ट उत्तर वियतनाम और पूंजीवादी दक्षिण वियतनाम - में बंट गया। अमेरिका ने वियतनाम के खिलाफ भीषण युद्ध छेड़ दिया जिसमें करोड़ों डालर खर्च हुए। अमेरिका ने रासायनिक हथियारों, नेपाम (गाढ़ा पेट्रोल) और एजेंट ऑरेंज (शक्तिशाली खरपतवार नाशक) का भी इस्तेमाल किया। एजेंट ऑरेंज के उपयोग का उद्धेश्य था जंगलों में पेड़-पौधों की पत्तियों और घास को नष्ट करना ताकि वियतकांग (वियतनामी जनता द्वारा स्थापित की गई सेना) के लिए छिपने की जगह न बचे। नेपाम से बड़ी संख्या में लोगों को जलने के गंभीर घाव हो गए। एजेंट आरेंज से भी कई लोगों के खेत और फसलें बर्बाद हो गईं और पशुओं को भी जान गंवानी पड़ी।

वियतनाम की जनता हो ची मिन्ह के साथ थी। वियतकांग ने गोरिल्ला युद्ध करते हुए जीत हासिल की और अमेरिका ही हार हुई। उसके पांच लाख से भी अधिक सैनिकों को पीछे हटना पड़ा। एक नए और युवा राष्ट्र से हारने के कारण अमरीका का मनोबल मिट्टी में मिल गया। वियतनाम युद्ध ने यह एकदम स्पष्ट कर दिया कि जो भी अमेरिका की ह्यस्वतंत्र विश्वह्य के नाम से पेश की जा रही उसके हितों तो स्सधने वाली विचारधारा के खिलाफ होगा, वह उसे परास्त करने के प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

इस बात की पुष्टि आने वाले समय में कई बार हुई जब अमरीका ने एक के बाद एक कई देशों पर इस या उस बहाने से हमला किया। ईरान इसका उदाहरण है। ईरान की भौगोलिक स्थिति उसे महत्वपूर्ण बनाती है। साथ ही उसके पास तेल का अकूत भंडार है। यही कारण है कि पश्चिमी देशों की नजरें उस पर टिकी रही हैं। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान अमरीका और ब्रिटेन दोनों की ईरान में बड़ी मौजूदगी थी। युद्ध के बाद भी इंग्लैंड ने एंग्लो-ईरानियन आयल कंपनी के जरिये ईरान के तेल पर अपना कब्जा बनाये रखा। वह अपने हितों के लिए ईरान के तेल का इस्तेमाल करता रहा। फिर 1951 में मोसादेग की राष्ट्रवादी और चुनी हुई सरकार मे संसद में प्रस्ताव पारित कर देश के तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया। इसके बाद ब्रिटिश सरकार, मोसादेग की सरकार के खिलाफ हो गई और उसके विरोधियों को भड़काने लगी। ब्रिटेन और अमरीका ने मिल कर चुनी हुई मोसादेग सरकार के खिलाफ विद्रोह करवाकर अपने पिट्ठू रजा शाह पहलवी की सरकार स्थापित करवा दी। इससे तेल के भंडारों और तेल के व्यापार पर पश्चिमी ताकतों का नियंत्रण बना रहा।

इसी तरह चिली में सल्वाडोर अलेंदे की हत्या कर दी गई और उनकी प्रजातान्त्रिक सरकार का तख्तापलट कर दिया गया। अलेंदे मार्क्सवादी थे और सोशलिस्ट पार्टी के सदस्य थे। वे 3 नवम्बर 1970 को चिली के राष्ट्रपति बने। उन्होंने अमरीकी कंपनियों के कब्जे वाले देश के तांबा उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया। अमरीका ने 1970 से लेकर 1973 में अलेंदे के तख्तापलट तक उनके खिलाफ गुप्त अभियानों पर 80 लाख डॉलर खर्च किए। सन 1975 में जारी सीनेट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमरीका ने चिली को आर्थिक संकट में फंसाने के लिए कई कदम उठाए। सीआईए के समर्थन और सहयोग से हुए सैन्य विद्रोह के जरिये वहां पिनोचे की सरकार सत्ता में आई। पिनोचे अत्यंत क्रूर तानाशाह था और उसने चिली में प्रजातंत्र खत्म कर दिया। उसकी नीतियों के कारण चिली के समृद्ध देश बनने की संभावनाएं भी खत्म हो गईं।

अमरीकी साम्राज्यवाद ने पश्चिम एशिया में भी कहर बरपाया। सोवियत संघ के अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद, अमरीका ने पाकिस्तान के मदरसों में मुजाहिद तैयार करने की व्यवस्था की। उनसे तालिबान और अलकायदा बने। अमरीका ने इन संगठनों को 800 करोड़ डॉलर और 7000 टन हथियार उपलब्ध करवाए (महमूद ममदानी की पुस्तक गुड मुस्लिम, बैड मुस्लिम)। 9/11 ने अमरीका को अफगानिस्तान पर हमला करना का मौका दे दिया। इस हमले में 60,000 लोग मारे गए। पूरे इलाके पर अपना दबदबा कायम करने के लिए अमरीका ने इराक पर हमले के लिए भी एक बहाना खोज लिया। कहा गया कि इराक के पास बड़े पैमाने पर नुकसान करने वाले हथियार हैं। अमरीकी सैनिकों को बताया गया कि इराक के लोग सद्दाम हुसैन के दमन का शिकार हैं और इसलिए इराक में उनका स्वागत मुक्तिदाताओं के रूप में किया जाएगा। अमरीकी सैनिकों को लोग गुलदस्ते और चॉकलेट देंगे। मगर हुआ और कुछ। इस्लामिक स्टेट उठ खड़ा हुआ, कोई महासंहारक अस्त्र नहीं मिला और ना ही सैनिकों का जनता ने स्वागत किया।

उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद ने उसके शिकार देशों और पूरी दुनिया को गहरे घाव दिए हैं। भारत में अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति ने सांप्रदायिक ताकतों को मजबूत किया जिसके नतीजे हम आज भी भुगत रहे हैं। अमरीका के मीडिया ने इस्लामिक आतंकवाद शब्द को गढ़ा और उसे लोकप्रियता दी। नतीजे में पूरी दुनिया में मुसलमानों का दानवीकरण हुआ। उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद के कारण पूरी दुनिया आज अनेक समस्याओं से जूझ रही है। हम केवल यह उम्मीद कर सकते हैं कि दुनिया साम्राज्यवाद से असली चरित्र को समझेगी और शांति को बढ़ावा देगी।

मशीनी सांसें और मानवीय गरिमा: जीवन-मृत्यु के बीच का नैतिक धर्मसंकट

दिलीप कुमार पाठक

जीवन की परिभाषा केवल धड़कनों के चलने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें चेतना और मानवीय गरिमा का होना अनिवार्य है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा हरीश राणा के मामले में पैसिव यूथेनेशिया यानि निष्क्रिय इच्छा मृत्यु की अनुमति देना, कानून के शुष्क पन्नों से निकलकर मानवीय संवेदनाओं के धरातल पर लिया गया एक अत्यंत साहसी और ऐतिहासिक फैसला है। पिछले 13 वर्षों से कोमा में पड़े हरीश का मामला हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम विज्ञान के सहारे किसी व्यक्ति को जीवित रख रहे हैं या उसे मरने की अनुमति न देकर उसकी गरिमा का अपमान कर रहे हैं? इस पूरी बहस के केंद्र में माइंड डेड की वह भयावह स्थिति है, जिसे समझना आज के दौर में हर किसी के लिए अनिवार्य हो गया है। चिकित्सा विज्ञान स्पष्ट करता है कि जब मस्तिष्क का वह हिस्सा पूरी तरह नष्ट हो जाता है जो चेतना और श्वसन को नियंत्रित करता है, तो व्यक्ति केवल एक भौतिक शरीर रह जाता है। ऐसी स्थिति में मरीज न तो स्पर्श महसूस कर सकता है, न कोई आवाज सुन सकता है और न ही किसी प्रकार के दर्द का अनुभव कर सकता है। वह केवल वेंटिलेटर और लाइफ सपोर्ट की मशीनी आवाजों के बीच एक कृत्रिम श्वसन प्रक्रिया का हिस्सा बनकर रह जाता है, जिसे जीवन कहना शायद जीवन शब्द का अपमान होगा।

संवेदनाओं और वैज्ञानिक सीमाओं का ऐसा ही एक दौर हाल ही में तब देखने को मिला, जब मेरे एक परिचित परिवार में अत्यंत दुखद घटना घटी। एक महिला अपने कमरे में अचानक संतुलन खोकर गिर गईं और बेड के कोने से सिर के पिछले हिस्से में लगी गहरी चोट ने उनके मस्तिष्क को सदा के लिए शांत कर दिया। दो दिनों तक वह अस्पताल में सघन चिकित्सा और भारी-भरकम मशीनों के सहारे सांसें लेती रहीं, लेकिन डॉक्टरों की विशेषज्ञ टीम ने परीक्षणों के बाद स्पष्ट कर दिया कि वह माइंड डेड हैं। ऐसी घड़ी में परिवार के सामने खड़ा धर्मसंकट किसी पहाड़ जैसा था। एक तरफ अपनों को खोने का असहनीय गम था, तो दूसरी तरफ मशीनों में जकड़ा हुआ वह बेजान शरीर। अंततः, डॉक्टरों की स्पष्ट राय और परिजनों की आपसी सहमति से लाइफ सपोर्ट सिस्टम हटाने का वह अत्यंत कठिन और हृदयविदारक निर्णय लिया गया। यह फैसला किसी की जान लेने का प्रयास नहीं था, बल्कि उस महिला को एक यंत्रवत और कष्टकारी जीवन से आजाद करने की सर्वोच्च करुणा थी। यह उस आत्मा के प्रति सम्मान था, जिसे प्रकृति ने पहले ही बुला लिया था, पर विज्ञान ने मशीनों की बेड़ियों में बाँध रखा था।

सर्वोच्च न्यायालय का यह मानना तर्कसंगत है कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमापूर्ण मृत्यु भी जीने के अधिकार का ही एक अनिवार्य विस्तार है। जब चिकित्सा विज्ञान के तमाम प्रयास विफल हो जाएं और सुधार की कोई न्यूनतम गुंजाइश न बचे, तो मशीनों के प्लग के जरिए किसी की धड़कनों को जबरन खींचना उस व्यक्ति की गरिमा के विरुद्ध है। एक बेड पर सालों तक निर्जीव शरीर की सेवा करना न केवल आर्थिक रूप से परिवार को खोखला कर देता है, बल्कि मानसिक रूप से भी घर के बाकी सदस्यों के जीवन को खंडित कर देता है।

भारत में निष्क्रिय इच्छा मृत्यु के लिए बनाए गए कड़े नियम यह सुनिश्चित करते हैं कि इस कानूनी प्रावधान का कभी कोई दुरुपयोग न हो। एक मेडिकल बोर्ड की निगरानी और कानूनी प्रक्रियाओं के बाद ही ऐसा कदम उठाया जाता है, जो यह प्रमाणित करता है कि मरीज अब वापस नहीं लौट सकता। पैसिव यूथेनेशिया का वास्तविक उद्देश्य किसी के जीवन को समय से पूर्व समाप्त करना नहीं है, बल्कि मृत्यु के स्वाभाविक और प्राकृतिक मार्ग में बाधा बनी कृत्रिम दीवारों को हटा देना है। अक्सर समाज में यह तर्क दिया जाता है कि चमत्कार कभी भी हो सकते हैं, लेकिन माइंड डेड की स्थिति में विज्ञान के पास भी कोई उत्तर नहीं होता। ऐसे में करुणा का तकाजा यही है कि हम उस व्यक्ति को शांति से विदा होने दें। हरीश राणा जैसे मामलों में मिली कानूनी अनुमति केवल एक अदालती आदेश नहीं है, बल्कि वर्षों के निशब्द संघर्ष और उस असहनीय पीड़ा का अंत है जिसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। हमें यह स्वीकार करना होगा कि जीवन की सार्थकता उसकी गुणवत्ता और चेतना में निहित है, केवल लंबी उम्र में नहीं। हरीश के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि उनके वर्षों के उस लंबे और मौन सफर को अब जाकर अंतिम शांति और सुकून मिला है। उनकी इस गरिमापूर्ण विदाई ने असहनीय पीड़ा की उन तमाम बेड़ियों को हमेशा के लिए काट दिया है, जो उन्हें एक दशक से अधिक समय से जकड़े हुए थीं। अब वह मौन शांत है, वह पीड़ा लुप्त है और वह आत्मा समस्त बंधनों से स्वतंत्र है।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तानी पुलिस ने मार गिराए छह आतंकवादी

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान पुलिस के आतंकवाद विरोधी विभाग ने शुक्रवार देर रात अशांत उत्तर पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में खुफिया जानकारी पर आधारित एक अभियान के दौरान छह आतंकवादियों को मार गिराया। आतंकवाद विरोधी विभाग (सीटीडी) के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह अभियान लक्की मारवत जिले के शगाई क्षेत्र में चलाया गया था। उन्होंने बताया कि जब सीटीडी टीम आतंकवादियों के ठिकाने के पास पहुंची तो आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई में गोलीबारी की। उन्होंने आगे बताया कि गोलीबारी एक घंटे तक चली और छह आतंकवादियों के मारे जाने के साथ समाप्त हुई। प्रवक्ता ने कहा कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान करने की प्रक्रिया चल रही है, जिसके बाद उनके मददगारों और सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। आतंकवादियों के पास से मैगजीन और गोला-बारूद सहित चार क्लाशिनकोव राइफलें, दो 9 मिमी पिस्तौल, आठ हथगोले और एक विस्फोटक उपकरण बरामद किया गया।

ईरान-इजरायल जंग के बीच उत्तर कोरिया ने दागीं 10 बैलिस्टिक मिसाइलें! अलर्ट हुए पड़ोसी देश

प्योंगयांग, एजेंसी। एक तरफ मिडिल-ईस्ट में 15 दिनों से जंग जारी है, तो वहीं दूसरी तरफ नॉर्थ कोरिया भी किसी युद्ध की तैयारी में नजर आ रहा है. नॉर्थ कोरिया ने शनिवार को अपने पूर्वी तट से समुद्र की ओर मिसाइलें दाग दी हैं. साउथ कोरियाई सेना और जापान सरकार ने 10 बैलिस्टिक मिसाइलें दागने की पुष्टि की है. इससे पहले उत्तर कोरिया ने 27 जनवरी को पूर्वी सागर की ओर कई छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं. साउथ कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' ने बताया कि उसने दोपहर करीब 1:20 बजे नॉर्थ कोरिया के सुनान इलाके से दागी गई मिसाइलों का पता चला. ये इस साल नॉर्थ कोरिया की तरफ से दागी गई तीसरी बैलिस्टिक मिसाइल थी. जेसीएस ने कहा, 'हमारी सेना पूरी तरह से तैयार है और अमेरिका और जापान के साथ नॉर्थ कोरियाई बैलिस्टिक मिसाइल से जुड़ी जानकारी साझा कर रही है. साथ ही, अतिरिक्त मिसाइलों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है.' जापान सरकार ने भी इस घटना पर कड़ी नजर रखी है. जापान की ओर से भी कहा गया कि नॉर्थ कोरिया की तरफ से दागी गई चीज बैलिस्टिक मिसाइल हो सकती है. जापान के कोस्ट गार्ड ने बताया कि नॉर्थ कोरिया की तरफ से दागी गई ये संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइलें पहले ही समुद्र में गिर चुकी है. नॉर्थ कोरिया का ये ताजा परीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब साउथ कोरिया और अमेरिका अपना वार्षिक वसंत सैन्य अभ्यास 'फ्रीडम शील्ड' कर रहे हैं. नॉर्थ कोरिया अक्सर इन सैन्य अभ्यासों का विरोध करता है और इन्हें युद्ध की तैयारी मानता है. ऐसे में मिसाइल लॉन्च अमेरिका और साउथ कोरिया के युद्धाभ्यास के जवाब में अपनी सैन्य ताकत दिखाने की एक कोशिश हो सकती है।

अमेरिका में ग्रीन कार्ड के लिए 'फर्जी लूट' का खेल, FBI ने 11 भारतीयों को किया गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 11 भारतीय नागरिकों पर वीजा धोखाधड़ी और साजिश रचने के गंभीर आरोप लगे हैं और इन्हें एफबीआई ने गिरफ्तार किया है. अमेरिकी संघीय अभियोजकों के अनुसार, इन लोगों ने 'यू-वीज़ा' और ग्रीन कार्ड हासिल करने के लिए दुकानों में 'फर्जी डकैती' की साजिश रची थी. आरोपियों ने अमेरिका के विभिन्न राज्यों (मैसाचुसेट्स, केंटकी, ओहायो) में कन्वीनिएंस स्टोर और शराब की दुकानों पर फर्जी हथियारबंद डकैतियां करवाईं. इसका मकसद स्टोर पर मौजूद क्लर्कों को खुद को 'हिंसक अपराध का शिकार' दिखाने का मौका देना था. अमेरिका के कानून के मुताबिक, 'यू-वीज़ा' उन लोगों को मिलता है जो किसी अपराध के शिकार हुए हों और जांच में पुलिस की मदद करें. यह वीजा आगे चलकर ग्रीन कार्ड पाने का रास्ता साफ कर देता है. चार्जशीट के मुताबिक, डकैती के दौरान एक फर्जी 'लुटेरा' दुकान में घुसकर क्लर्क या मालिक को हथियार दिखाकर धमकाता और कैश रजिस्टर से पैसे लेकर फरार हो जाता था।

अमेरिका-ईरान संघर्ष के बीच कतर में अस्थायी निकासी जारी, निर्देशों का पालन करने की सलाह

दोहा , एजेंसी। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष को देखते हुए कतर के गृह मंत्रालय ने शनिवार को बड़ी जानकारी दी। कतर के गृह मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मंत्रालय स्पष्ट करता है कि पहले घोषित किए गए अस्थायी एहतियाती निकासी उपाय केवल निर्दिष्ट क्षेत्रों के उन निवासियों पर लागू होते हैं, जिन्हें राष्ट्रीय चेतावनी प्रणाली के माध्यम से जानकारी हुई है। प्रभावित लोगों के लिए सुरक्षित वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराए गए हैं।

ईरान ने दुबई को घोस्ट टाउन बना दिया! 'सबसे सुरक्षित' शहर छोड़ भागे अमीर, पीछे छूटे बेबस मजदूर

दुबई , एजेंसी। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच चल रही जंग के कारण दुबई में अभूतपूर्व स्थिति पैदा हो गई है। पहले दुनिया के सबसे सुरक्षित और चमकदार शहरों में शुमार दुबई अब लगभग खाली नजर आ रहा है। विदेशी निवासी और पर्यटक बड़े पैमाने पर शहर छोड़ चुके हैं, जबकि बीचेस, पार्टी पूल, बीच क्लब और रेस्तरां सुनसान पड़े हैं। केवल स्थानीय मजदूर वर्ग ही बचा हुआ है जो अब खाली जगहों पर काम कर रहा है। ताजा रिपोर्टों के मुताबिक, शहर की यह स्थिति ईरानी मिसाइलों और ड्रोनों के हमलों से पैदा हुई है।

28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद, ईरान ने पलटवार करते हुए खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। यूएई (अबू धाबी और अन्य इलाकों) में अमेरिकी बेस होने के कारण, ईरान ने यहां सैकड़ों ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। इसी तनाव ने दुबई की चकाचौंध को खौफ में बदल दिया है। दुबई से सामने आ रहे वीडियो में चकाचौंध से भरा रहने वाला यह शहर किसी घोस्ट टाउन जैसा दिख रहा है।

ईरान के हमलों का असर: 1700 मिसाइल-ड्रोन, लेकिन 90% रोक दिए गए ईरान ने अमेरिकी-इजराइली हमलों के जवाब में पिछले दो हफ्तों में लगभग 1700 मिसाइलें और ड्रोन दुबई समेत यूएई पर दागे। यूएई की एयर डिफेंस सिस्टम ने करीब 90% हमलों को रोक लिया, लेकिन गिरते मलबे (डेब्री) ने बड़ा नुकसान पहुंचाया। बुर्ज अल अरब होटल, फेयरमॉन्ट द पाम, दुबई इंटरनेशनल फाइनेंशियल सेंटर, दुबई एयरपोर्ट और कई स्काईस्क्रेपर्स को नुकसान पहुंचा। एयरपोर्ट पर दो ड्रोनों के गिरने से चार लोग घायल हुए और उड़ानें अस्थायी रूप से रोक दी गईं। दुबई मीडिया ऑफिस ने शुरुआत में कोई घटना नहीं हुई कहा, लेकिन तस्वीरें और रिपोर्ट्स ने सच्चाई उजागर कर दी।

शहर खाली क्यों? एक्सपैट्स ने सामान बांधा, पालतू जानवर सड़कों पर छोड़े : द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, दुबई में रहने वाले हजारों अमीर विदेशी निवासी और पर्यटक शहर छोड़ चुके हैं। स्कूलों की स्प्रिंग ब्रेक शुरू होने के बावजूद पश्चिमी बच्चे नदारद हैं। बीच क्लबों और रेस्तरां में सन लाउंजर्स खाली पड़े हैं, जबकि पहले यहां इन्फ्लुएंसर्स और टूरिस्टों की भीड़ रहती थी। सीएनबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, कई विदेशी निवासियों ने कहा कि जन-जीवन लगभग सामान्य है, लेकिन फोन पर शेल्टर अलर्ट, आसमान में फ्लैश और गिरते डेब्री की आग सब कुछ बदल देती है। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, पश्चिमी देशों के पेशेवर और रईस लोग चार्टर्ड फ्लाइट्स के जरिए भारी रकम चुकाकर भाग रहे हैं। रातों-रात शहर छोड़ने की जल्दबाजी में कई लोग अपने पालतू जानवरों तक को सड़कों पर लावारिस छोड़ गए हैं। एयरपोर्ट पर उड़ानें सीमित हैं, जिससे हजारों लोग फंस गए थे। अमेरिका ने अपने नागरिकों को निकालने के लिए चार्टर फ्लाइट्स शुरू की हैं। टूरिज्म धड़ाम, जुमेराह बीच वीरान 'गल्फ टाइम्स' के अनुसार मध्य पूर्व में इस युद्ध के कारण पर्यटन उद्योग को रोजाना करीब 600 मिलियन डॉलर का नुकसान हो रहा है। जुमेराह बीच रेजीडेंस (छ्ब्क्र), रेस्टोरेंट्स और दुबई मॉल जैसे इलाके, जहां पैर रखने की जगह नहीं होती थी, आज लगभग सुनसान पड़े हैं। दुनिया के सबसे बड़े फेरिस व्हील 'ऐन दुबई' के पहिए भी थम गए हैं। इस पूरी स्थिति का सबसे डरावना पहलू यह है कि जहां पैसे वाले लोग दुबई छोड़कर निकल गए, वहीं दक्षिण एशियाई देशों (भारत, पाकिस्तान, नेपाल आदि) के लाखों ब्लू-कॉलर वर्कर, टैक्सी ड्राइवर और होटल कर्मचारी यहीं फंस गए हैं। काम ठप होने से इनकी सैलरी रुक गई है और फ्लाइट्स का किराया तीन गुना तक बढ़ जाने के कारण इनके लिए स्वदेश लौटना नामुमकिन सा हो गया है। राहत की बात यह है कि इस अस्थिरता के बीच भारत सरकार और एयरलाइंस के प्रयासों से 1 से 7 मार्च के बीच 52,000 से अधिक भारतीय नागरिक यूएई और खाड़ी देशों से सुरक्षित भारत लौट चुके हैं। यूएई सरकार ने एयर डिफेंस को मजबूत किया और नागरिकों को आश्वासन दिया। लेकिन पुलिस ने चेतावनी दी है- हमले की तस्वीरें या वीडियो शेयर करने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। अब तक 21 लोगों पर अफवाह फैलाने का केस दर्ज किया जा चुका है, जिनमें एक 60 वर्षीय ब्रिटिश टूरिस्ट भी शामिल है। ब्रिटिश एंबेसी ने नागरिकों को सावधान किया है।

खार्ग द्वीप पर अमेरिका का हमला: ट्रंप का दावा- ईरान के सभी सैन्य ठिकाने तबाह, होर्मुज को लेकर भी दी चेतावनी

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान के एक अहम ठिकाने पर बड़ा हवाई हमला किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खार्ग द्वीप पर बड़े पैमाने पर बमबारी कर वहां मौजूद सभी सैन्य ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। ट्रंप के अनुसार यह हमला अमेरिकी सेंट्रल कमांड की ओर से किया गया और इसका उद्देश्य ईरान से पैदा हो रहे खतरे को खत्म करना था। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह हमला मध्य पूर्व के इतिहास के सबसे शक्तिशाली बमबारी अभियानों में से एक था। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने खार्ग द्वीप पर मौजूद सभी सैन्य लक्ष्यों को निशाना बनाया और उन्हें पूरी तरह नष्ट कर दिया। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने जानबूझकर द्वीप के तेल ढांचे को निशाना नहीं बनाया, ताकि ऊर्जा आपूर्ति पर असर न पड़े।

खार्ग द्वीप क्यों है इतना अहम : खार्ग द्वीप ईरान के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यह फारस की खाड़ी में स्थित एक बड़ा तेल निर्यात केंद्र है। यहां से ईरान का बड़ा हिस्सा तेल दुनिया के अलग-अलग देशों को भेजा जाता है। यही कारण है कि इस द्वीप को ईरान की ऊर्जा व्यवस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। ट्रंप ने तेल ढांचे को क्यों नहीं निशाना बनाया राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना के पास इतनी

ताकत है कि वह द्वीप के पूरे तेल ढांचे को भी नष्ट कर सकती थी। लेकिन उन्होंने ऐसा न करने का फैसला लिया। ट्रंप के अनुसार यह फैसला वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित होने से बचाने और मानवीय कारणों को ध्यान में रखते हुए लिया गया। ट्रंप ने साफ कहा कि यदि ईरान या कोई अन्य देश होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षित आवाजाही में बाधा डालता है तो अमेरिका अपना फैसला बदल सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में अमेरिका द्वीप के तेल ढांचे को भी निशाना बनाने पर विचार करेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उनके पहले कार्यकाल से लेकर अब तक उन्होंने अमेरिकी सेना को दुनिया की सबसे शक्तिशाली और घातक सैन्य ताकत बना दिया है। उनका कहना है कि ईरान के पास अमेरिका के हमलों का सामना करने की क्षमता नहीं है। ट्रंप ने कहा कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सकेगा। उन्होंने ईरानी सेना और उससे जुड़े समूहों से हथियार डालने की अपील भी की। ट्रंप के अनुसार अगर ईरान संघर्ष को जारी रखता है तो उसके लिए हालात और कठिन हो सकते हैं।

जेडी वेंस का दावा- ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए अमेरिका का सैन्य अभियान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका एक सैन्य अभियान चला रहा है, जिसे आधिकारिक तौर पर 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के नाम से जाना जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। उन्होंने अमेरिकी नागरिकों से विदेशों में तैनात सैनिकों के लिए प्रार्थना करने का भी आग्रह किया। रॉकी माउंट में एक संबोधन के दौरान जेडी वेंस ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकना है। उन्होंने दोहराया कि यह राष्ट्रपति की कही हुई बात है कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ईरान पर हमले की बताई वेंस ने वजह वेंस ने यह भी कहा कि पिछले अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने भी इसी तरह की चिंताएं व्यक्त की थीं, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकने के लिए ठोस कदम उठाए थे। उन्होंने इस सिद्धांत को सरल और सीधा बताते हुए कहा कि हर राष्ट्रपति ने इस पर विश्वास व्यक्त किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने यह सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। जेडी वेंस ने विदेशों में तैनात अमेरिकी सैनिकों के जोखिमों को भी स्वीकार किया और लोगों से प्रार्थना करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उत्तरी कैरोलिना के कई लोग इस समय खतरे में हैं। उन्होंने सभी से, न केवल उत्तरी कैरोलिना के लोगों के लिए, बल्कि हमारे सभी 50 राज्यों के उन लोगों के लिए प्रार्थना करने का आग्रह किया, जो वर्दी पहनते हैं और अमेरिका की सुरक्षा, संरक्षा और स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी नागरिकों को उन लोगों का समर्थन दिखाना चाहिए, जो अमेरिका की सुरक्षा, संरक्षा और स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने को तैयार हैं। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फॉक्स न्यूज को बताया कि उन्हें लगता है कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई जीवित हैं, लेकिन घायल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ईरान को 'तबाह' कर रहा है।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो की तबीयत बिगड़ी

ब्राज़िलिया, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बोल्सोनारो को निमोनिया हो गया है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। राजधानी ब्रासीलिया के एक अस्पताल ने शुक्रवार को जानकारी दी कि उन्हें आईसीयू में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार 70 वर्षीय बोल्सोनारो को तेज बुखार, पसीना, ठंड लगना और ऑक्सीजन का स्तर कम होने जैसी समस्याएं हो रही थीं। जांच में पता चला कि उन्हें ब्रोंकोनिमोनिया है, जो निमोनिया का एक प्रकार होता है और आमतौर पर बैक्टीरिया के कारण होता है।

बोल्सोनारो के स्वास्थ्य को लेकर उनके डॉक्टर ब्रासील कायाडो ने पत्रकारों से कहा कि 70 साल से अधिक उम्र के लोगों में निमोनिया हमेशा गंभीर माना जाता है। उन्होंने बताया कि अगर बैक्टीरिया खून में पहुंच जाए तो

यह सेप्टीसीमिया (खून में संक्रमण) में बदल सकता है, जिससे स्थिति और खतरनाक हो सकती है।

जेल से अस्पताल ले जाया गया : इससे पहले उनके बड़े बेटे फ्लेवियो बोल्सोनारो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि उनके पिता को जेल से अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि सुबह बोल्सोनारो को ठंड लग रही थी और उल्टी भी हो रही थी। फ्लावियो ने लोगों से अपील करते हुए लिखा कि उनके पिता के लिए प्रार्थना करें ताकि बीमारी ज्यादा गंभीर न हो।

बोल्सोनारो क्यों हैं जेल में : दरअसल, जेयर बोल्सोनारो इस समय 27 साल की सजा काट रहे हैं। पिछले साल ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट के जजों के एक पैनल ने उन्हें 2022 के चुनाव के बाद सत्ता पलटने की साजिश में दोषी ठहराया था। उन पर आरोप है कि चुनाव हारने के बाद उन्होंने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को गिराने की कोशिश की। इस मामले की सुनवाई सर्वोच्च संघीय न्यायालय में हुई थी।

घर में सजा काटने की मांग : बोल्सोनारो के परिवार वाले लगातार मांग कर रहे हैं कि उन्हें जेल की बजाय घर में रहकर सजा काटने की अनुमति दी जाए। परिवार का कहना है कि जेल में उन्हें पर्याप्त इलाज नहीं मिल रहा है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इन मांगों को खारिज कर दिया है। उनके बेटे ने भी सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि सिस्टम उनके पिता को खत्म करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि अदालत ने इन आरोपों को गलत बताया है।

पहले भी कई बार अस्पताल में भर्ती : गौरतलब है कि बोल्सोनारो पहले भी कई बार अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं। 2018 के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान एक रैली में उन पर चाकू से हमला हुआ था, जिसके बाद से उन्हें कई बार सर्जरी और इलाज कराना पड़ा। इस साल जनवरी में भी उन्हें बिस्तर से गिरने के बाद दिमाग की जांच के लिए इसी अस्पताल में लाया गया था। इस मामले को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी काफी ध्यान मिला था। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्राजील पर टैरिफ लगाने का फैसला किया था और कहा था कि बोल्सोनारो के खिलाफ चल रही न्यायिक कार्रवाई विच हंट यानी राजनीतिक बदले की कार्रवाई जैसी है। हालांकि बाद में इन टैरिफ में से कई हटा दिए गए।

पहले रोका और अब पूरी दुनिया से रूस से तेल खरीदने की भीख मांग रहा अमेरिका: ईरानी विदेश मंत्री

तेहरान, एजेंसी। ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने शनिवार को रूसी तेल पर अमेरिका के रुख की आलोचना करते हुए दावा किया कि वाशिंगटन अब दुनिया भर के देशों से, जिसमें भारत भी शामिल है, रूसी कच्चा तेल खरीदने की गुहार लगा रहा है, जबकि पहले उसने रूस से तेल न खरीदने का दबाव डाला था। एक्स पर साझा एक पोस्ट में, अराघची ने कहा, 'अमेरिका ने भारत को रूस से तेल आयात बंद करने के लिए धमकाने में महीनों बिताए। ईरान के साथ दो हफ्ते के युद्ध के बाद, व्हाइट हाउस अब दुनिया से, जिसमें भारत भी शामिल है, रूसी कच्चा तेल खरीदने की भीख मांग रहा है।'

ईरानी विदेश मंत्री ने यूरोपीय देशों की आलोचना की : ईरानी विदेश मंत्री ने यूरोपीय देशों की भी आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि यूरोपीय देश बदले में रूस के खिलाफ अमेरिकी समर्थन की उम्मीद कर रहे हैं। अराघची ने कहा, 'यूरोप ने सोचा था कि ईरान पर अवैध युद्ध का समर्थन करने से उन्हें रूस के खिलाफ अमेरिकी समर्थन मिल जाएगा। यह बहुत ही दयनीय है।' इस बीच, रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच ईरान ने भारत के झंडे वाले दो लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (स्क्ल) वाहक जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दे दी है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि सऊदी अरब का तेल ले जा रहा एक कच्चा तेल टैंकर शनिवार को भारत पहुंचने की उम्मीद है, जो 1 मार्च के आसपास होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरा था।

ईरान ने भारत के जहाजों को होर्मुज से निकलने की दी अनुमति : इससे पहले, भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथाली ने पुष्टि की थी कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से भारत जाने वाले जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान करेगा। इस सवाल का जवाब देते हुए कि क्या ईरान भारत जाने वाले जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित गुजरने की अनुमति देगा? तो फथाली ने कहा, 'हां। क्योंकि भारत और हम दोस्त हैं। मुझे लगता है कि दो या तीन घंटे बाद ऐसा हो जाएगा। हमारा मानना है कि ईरान और भारत दोस्त हैं। हमारे साझा हित हैं, हमारा साझा भाग्य है। उन्होंने कहा, 'भारत के लोगों का दुख हमारा दुख है और हमारा दुख भारत के लोगों का दुख है। और इसी वजह से, भारत सरकार हमारी मदद करती है, और हमें भारत सरकार की मदद करनी चाहिए, क्योंकि हमारा भविष्य और हमारे हित एक ही हैं।'

चीन की 'समुद्री दीवार'! ताइवान के पास हजारों जहाजों का जमावड़ा

बीजिंग, एजेंसी। स्वचालित पहचान प्रणाली (एआईएस) संकेतों के माध्यम से पता लगाए गए इन नौकाओं ने लगभग 30 घंटे तक तूफानी हवाओं के बीच अपनी स्थिति बनाए रखी। बताया जाता है कि चीनी नौकाएं ऐसी परिस्थितियों में परिचालन कर रही थीं, जिनके कारण दिसंबर में दक्षिण कोरियाई नौकाओं को बंदरगाह लौटना पड़ा था, और बाद में वे तितर-बितर हो गईं। हजारों चीनी मछली पकड़ने वाली नौकाएं पूर्वी चीन सागर में ज्यामितीय आकृतियों में एकत्रित हो रही हैं। विशेषज्ञों का मानना ??है कि यह समन्वित कार्रवाई बीजिंग की संभावित क्षेत्रीय संकट या ताइवान के इर्द-गिर्द केंद्रित संभावित संघर्ष की तैयारियों का हिस्सा है। एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, शोधकर्ताओं द्वारा विश्लेषण किए गए जहाज ट्रैकिंग डेटा से पता चलता है कि लगभग 1,300 से 2,000 जहाजों ने ताइवान से लगभग 300 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में कम से कम दो मौकों पर लंबी समानांतर रेखाएं बनाईं। पहली घटना 25 दिसंबर, 2025 को और दूसरी 11 जनवरी, 2026 को हुई। स्वचालित पहचान प्रणाली (एआईएस) संकेतों के माध्यम से पता लगाए गए इन नौकाओं ने लगभग 30 घंटे तक तूफानी हवाओं के बीच अपनी स्थिति बनाए रखी। बताया जाता है कि चीनी नौकाएं ऐसी परिस्थितियों में परिचालन कर रही थीं, जिनके कारण दिसंबर में दक्षिण कोरियाई नौकाओं को बंदरगाह लौटना पड़ा था, और बाद में वे तितर-बितर हो गईं। ये समुद्री नौकाओं का समूह 2016 की एक पिछली घटना से कहीं अधिक बड़ा था, जिसमें लगभग 200 से 300 चीनी नौकाएं जापान-प्रशासित सेनकाकू द्वीप समूह के पास इकट्ठा हुई थीं, जिन पर चीन अपना दावा करता है। यह जानकारी जापानी समाचार आउटलेट निक्केई ने दी। क्यूशू विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संबंध की प्रोफेसर और चीनी समुद्री नीति की विशेषज्ञ चिसाको मासुओ ने निक्केई को बताया मैंने पहले कभी इतने बड़े पैमाने पर नौकाओं के जमावड़े के बारे में नहीं सुना। मासुओ ने आगे कहा इसे जापान और ताइवान पर दबाव बनाने के रूप में देखा जा सकता है। उपग्रह विश्लेषण फर्म इंजीनीस्पेस के मुख्य परिचालन अधिकारी जेसन वांग ने कहा कि यह समुद्री नौकाओं का समूह तुरंत ध्यान आकर्षित कर गया। एएफपी से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे कुछ गड़बड़ लग रही थी क्योंकि प्रकृति में सीधी रेखाएं बहुत कम ही दिखाई देती हैं।

अमेरिका में एसआईआर जैसा कानून: वोट करने के लिए देना होगा नागरिकता का सबूत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की ट्रंप सरकार, ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए आलोचकों के निशाने पर है। इसके साथ ही घरेलू मोर्चे पर भी ट्रंप प्रशासन घिरा हुआ है और इसकी वजह है सेव कानून ('सेफगार्ड अमेरिकन वोटर एलिजिबिलिटी एक्ट')। इस कानून के तहत अमेरिका में भी अब लोगों को मतदाता के तौर पर पंजीकरण कराने के लिए अपनी नागरिकता का सबूत देना होगा। यह भारत की एसआईआर प्रक्रिया जैसा ही है। यही वजह है कि इसकी तुलना एसआईआर से की जा रही है।

क्या है सेव एक्ट : राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि वे अमेरिकी चुनावी प्रक्रिया का राष्ट्रीयकरण करना चाहते हैं। अभी अमेरिका की चुनाव प्रक्रिया एक संघीय प्रणाली है जिसमें संविधान प्रत्येक राज्य को अपने-अपने तरीके से चुनाव कराने की छूट देता है। हालांकि अमेरिकी संविधान में प्रावधान है कि अमेरिकी कांग्रेस चुनाव नियमों में बदलाव कर सकती है। अब राष्ट्रपति ट्रंप अपने विधायी बहुमत के दम पर चुनाव प्रक्रिया को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप का मानना है कि चुनाव प्रक्रिया में बदलाव के बाद रिपब्लिकन पार्टी लंबे समय तक सत्ता में रहेगा।

मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता प्रमाण देना जरूरी होगा : प्रस्तावित कानून में मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता के प्रमाण के रूप में अपडेट ड्राइवर लाइसेंस, एक वैध अमेरिकी पासपोर्ट, या जन्म प्रमाण के साथ कोई अन्य वैध सरकारी फोटो आईडी या नागरिकता का प्रमाण दिखाना अनिवार्य होगा। अभी ईमेल के जरिए भी मतदाता पंजीकरण हो सकता है, लेकिन नए कानून के तहत लोगों को व्यक्तिगत तौर पर चुनाव अधिकारी कार्यालय जाकर पंजीकरण कराना होगा और अपने वैध दस्तावेज पेश करने होंगे।

साथ ही अमेरिका के हर राज्यों को अपने मतदाताओं की सूची अमेरिकी सुरक्षा विभाग के पास जमा करनी होगी। अमेरिकी सुरक्षा विभाग अपने डेटाबेस से इस मतदाता सूची का मिलान करेगा। साफ है कि इस प्रक्रिया से अमेरिका में चुनाव प्रक्रिया केंद्रीकृत होगी।

जल्द सीनेट में पेश होगा विधेयक : 'सेफगार्ड अमेरिकन वोटर एलिजिबिलिटी एक्ट' (सेव एक्ट) फरवरी में प्रतिनिधि सभा द्वारा पारित किया गया था और अब यह जल्द सीनेट में पेश किया जाएगा। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच, राष्ट्रपति ट्रंप और उनके सहयोगियों इसे पारित करने के लिए दबाव बना रहे हैं। वर्तमान में सीनेट में रिपब्लिकन का बहुमत है, 53-47, और प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेट के 213 के मुकाबले 219 सीटें हैं। हालांकि कई रिपब्लिकन सांसद भी इसके विरोध में हैं।

लाखों लोगों के मताधिकार से वंचित होने का खतरा : विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी इसके विरोध में है। डेमोक्रेट नेताओं का कहना है कि वे विधेयक को सीनेट में पारित नहीं होने देंगे। मतदान अधिकार कार्यकर्ताओं और नागरिक समाज संगठनों का कहना है कि इस तरह का दस्तावेजीकरण लाखों लोगों को मताधिकार से वंचित कर देगा और खासकर अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों पर इसका विपरीत असर पड़ेगा। एक सर्वेक्षण से पता चलता है कि दस मतदाताओं में से एक मतदाता जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट या नागरिकता प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज पेश नहीं कर सकेगा। वहीं राष्ट्रपति ट्रंप का मानना है कि डेमोक्रेटिक पार्टी जानबूझकर गैर-नागरिकों को मतदान का अधिकार दे रही है और यह अमेरिका की जनसांख्यिकीय संरचना को बदलने की एक साजिश है। वह इसे रोकने के लिए सेव एक्ट को जरूरी बता रहे हैं।

रसोई घर में ही इतनी दवाइयाँ ! हेल्थ प्लस भीषण गर्मी की समस्या लू

हमारे साथ अकसर ही होता है कि कोई भी छोटी-मोटी तकलीफों के लिए भी हमें डॉक्टर के पास दौड़ना पड़ता है। यदि आप खुद घरेलू चीजों के गुणों के बारे में जानते हों तो शायद आपकी कुछ परेशानी तो दूर हो ही सकती है। आप को खुद यह जानकर आश्चर्य होगा कि आपके हमारे साथ अकसर ही होता है कि कोई भी छोटी-मोटी तकलीफों के लिए भी हमें डॉक्टर के पास दौड़ना पड़ता है। यदि आप खुद घरेलू चीजों के गुणों के बारे में जानते हों तो शायद आपकी कुछ परेशानी तो दूर हो ही सकती है। आप को खुद यह जानकर आश्चर्य होगा कि आपके रसोई घर में ही इतनी दवाइयाँ होती हैं कि आप छोटी समस्याओं पर खुद ही काबू पा सकती हैं।

साँस की बदबू मिटाए इलायची

साँस की बदबू एक आम समस्या है। आप इसके लिए सुबह या शाम माउथ वॉश इस्तेमाल कर सकते हैं। परंतु दिन में क्या उपाय हो यह सोचने की बात है। इसका सबसे अच्छा उपाय इलायची है। जिसका कोई साइड इफैक्ट भी नहीं होता। इलायची भारत में ही नहीं, अरब देशों में भी खूब इस्तेमाल की जाती है। इसमें एंटीसेप्टिक 'सिनोल' द्रव होता है, जो साँसों में दुर्गंध पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मारता है। यदि आपकी साँस में ज्यादा बदबू हो तो इसे हटाने के लिए इलायची के बीज कुछ देर तक चबाएँ और फिर थूक दें।

कफ दूर करे अजवायन

गले में खराश और कफ की वजह से चल रही खाँसी कितना परेशान करती है इसका अनुभव आपको भी होगा ही। आप तुरंत आराम चाहती हैं जबकि डॉक्टर से आपका अपाइंटमेंट शाम का है। ऐसे में आपको अजवायन का सहारा लेना चाहिए। अजवायन न सिर्फ खाँसी दूर करती है, बल्कि यह जमे हुए बलगम को भी बाहर निकालकर आपकी श्वास-नली को साफ करती है। यह शक्तिशाली एंटीसेप्टिक भी है। ज्यादा कफ होने की स्थिति में एक कप खौलते पानी में एक या दो चाय के चम्मच भर अजवायन 10 मिनट तक उबालें। इस प्रकार तैयार की हुई चाय को दिन में 3 बार पिएँ।

अजवायन साइनस की तकलीफ को भी दूर करने में सहायक होती है। अगर आपको साइनस की समस्या है तो आपको अजवाइन जैसी गर्म और खुश्क वनस्पति की जरूरत है। अजवाइन श्वसन तंत्र के इन्फेक्शन का पारंपरिक इलाज तो है ही, यह एक शक्तिशाली एंटीवायरल और एंटीबैक्टीरियल वनस्पति भी है। अजवाइन की एक-दो चम्मच सूखी पत्तियाँ एक कप गर्म पानी में 10 मिनट तक भिगोएँ। इस प्रकार तैयार किया गया काढ़ा दिन में तीन बार पीने से लाभ मिलता है।

डायरिया दूर करे दालचीनी

सबसे आम समस्या पेट की खराबी होती है। दस्त लगने पर डिहायड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में दालचीनी बहुत ही फायदा करती है। दालचीनी की चाय बनाकर पीने से लाभ मिलता है। दालचीनी एक प्राकृतिक एस्ट्रिजेंट (दस्त बांधने वाली) है, जो आंतों से पानी कम करती है। एक कप गर्म पानी में एक चम्मच दालचीनी पावडर डालें और 10-15 मिनट तक इसे भिगो दें फिर उबाल कर पी लें।

बेहतर महसूस कीजिए अदरक से

अदरक में एक तत्व पाया जाता है जिसे 'थ्रोम्बोक्सेन ए-2' के नाम से जाना जाता है। यह रक्त-वाहिकाओं को चौड़ा करने वाले तत्त्वों को नष्ट होने से बचाता है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो अदरक, रक्त प्रवाह को संतुलित करता है, जो माइग्रेन को रोकने के लिए जरूरी है। सिरदर्द से बचे रहने के लिए पिसी हुई ताजा अदरक जूस में डालकर पिएँ। रोज खाने में भी ताजे अदरक का इस्तेमाल काफी फायदेमंद होता है। अदरक कब्ज का भी दुश्मन है। बेहतर नतीजे के लिए ताजा अदरक लेकर कुचलें और एक चम्मच अदरक को एक कप गर्म पानी में 10-15 मिनट तक भीगने दें। फिर अदरक को छानकर पानी पी जाएँ।

गैस भगाए पुदीना

गैस का उधम किसी आतंक से कम नहीं होता है। गैस आपकी दिनचर्या को अस्त-व्यस्त कर देती है। गैस बढ़ने की एक वजह तनाव भी है। मिंट की चाय पीकर आप गैस के प्रकोप को मिटा सकते हैं, क्योंकि आपके पाचन तंत्र की यात्रा करते समय यह गैस को शांत करती चलती है। इसलिए इससे तुरंत आराम मिलता है। गैस से छुटकारा पाने के लिए सुबह-शाम एक-एक कप मिंट की चाय पिएँ। मिंट पुदीने के वर्ग का ही पौधा है। यह न मिलने पर पुदीना ले सकते हैं।

पेट की जलन शांत करे हल्दी

यदि आपने खूब तीखा तेल वाला भोजन लिया है और अब आप पेट की जलन से परेशान हैं तो तुरंत थोड़ी हल्दी खा लें। फौरन आराम मिलेगा।

दाँतों का दोस्त लौंग

दाँत में दर्द हो रहा हो तो लौंग के तेल की दो बूंद रूई के फाहे पर डाले और उसे दर्द वाले दाँत पर रख लें। यदि लौंग का तेल न हो तो पूरी लौंग को दर्द वाले हिस्से के वहाँ दबा दें। इसी तरह लौंग का तेल सर्दी, फ्लू और पैरों में होने वाल फंगल इन्फेक्शन में भी बहुत फायदा करता है।

तिल भी दाँत दर्द दूर करने में सहायक होता है। तिल में करीबन सात दर्दरोधी तत्व पाए जाते हैं। एक हिस्सा तिल और तीन हिस्से पानी लेकर उबालें, जब तक यह जलकर आधा न रह जाए। इसे ठंडा कर लें और फिर इससे दाँतों को साफ करें। होती हैं कि आप छोटी समस्याओं पर खुद ही काबू पा सकती हैं।

क्या है लू ?

गरमी के दिनों में गरम हवाएँ चलती हैं, इसे लू कहते हैं। इन्हें कुछ लोग तो सहन कर जाते हैं, लेकिन कुछ लोग सहन नहीं कर पाते और लू का शिकार हो जाते हैं।

लू की घरेलू चिकित्सा यहाँ प्रस्तुत है-

लक्षण -

- रोगी का बैचेन और उदासीन दिखना । नियमित काम करने मे अनिच्छा।
- नाडी की गति अधिक बढ जाने के फलस्वरुप रोगी का तापमान 104-105 तक हो जाना।
- बार-बार प्यास लगना।
- अधिक तापमान के कारण बेहोश हो जाना।
- चेहरा लाल, सर दर्द, जी मिचलाना और उल्टियाँ होना।

प्राथमिक उपचार -

- रोगी के शरीर को ठंडा करें, बर्फ की पट्टियाँ रखें और यदि रोगी होश मे है तो तापमान कम करने के लिये तुरन्त नहलायें । कमरे मे पंखे, कूलर या एसी जो भी सुविधा हो उसे बन्द न करें।
- नाडी और तापमान हर आधे घंटे पर देखते रहें।
- यदि रोगी होश मे है तो निर्लजीकरण पर ध्यान रखें और ग्लूकोज और नमक या ओ.आर.एस. युक्त पानी लगातार देते रहें।
- कोई भी औषधि देने के पहले चिकित्सक की राय लें।
- लू से बचाव के लिये घर से निकलने समय खाली पेट न निकलें, ताजा खाना खायें, आम और पोदीना का पन्ना, दही का मट्ठा, नीबू की शिकजीं, प्याज का अधिक प्रयोग लू से बचाव करने मे कारगर है। बासी खाने, चाट, और जहाँ तक संभव हो गर्मी के दौरान माँसाहारी खाने से बचें।

लू से बचने के घरेलू उपाय

- धनिए को पानी में भिगोकर रखें, फिर उसे अच्छी तरह मसलकर तथा छानकर उसमें थोड़ी सी शकर मिलाकर पीने से गरमियों में लू से राहत मिलती है।
- मेथी की सूखी पत्तियों को ठंडे पानी में कुछ समय भिगोकर रखें, बाद में उसे हाथ से मसलकर छान लें, इस पानी में थोड़ा सा शहद मिलाकर दो-दो घंटे पर रोगी को पिलाएँ, इससे लू से तुरंत छुटकारा मिलता है।
- इमली के बीज को पीसकर उसे पानी में घोलकर कपड़े से छान लें। इस पानी में शकर मिलाकर पीने से लू का शमन होता है।
- भुना हुआ आम और प्याज पीसकर लेप करना लाभदायक होता है।
- लू से बचने के लिए दोपहर के समय बाहर नहीं निकलना चाहिए। अगर बाहर जाना ही पड़े तो सिर व गर्दन को तौलिए या अंगोछे से ढँक लेना चाहिए। अंगोछा इस तरह बाँधा जाए कि दोनों कान भी पूरी तरह ढँक जाएँ।
- गर्मी के दिनों में हल्का व शीघ्र पचने वाला भोजन करना चाहिए। बाहर जाते समय खाली पेट नहीं जाना चाहिए।
- गर्मी के दिनों में बार-बार पानी पीते रहना चाहिए ताकि शरीर में जलीयांश की कमी नहीं होने पाए। पानी में नींबू व नमक मिलाकर दिन में दो-तीन बार पीते रहने से लू नहीं लगती।
- गर्मी के दौरान नरम, मुलायम, सूती कपड़े पहनना चाहिए जिससे हवा और कपड़े शरीर के पसीने को सोखते रहते हैं।
- गर्मी में ठंडाई का सेवन नियमित करना चाहिए। मौसमी फलों का सेवन भी लाभदायक रहता है जैसे, खरबूजा, तरबूज, अंगूर इत्यादि।
- गर्मी के दिनों में प्याज का सेवन भी अधिक करना चाहिए एवं बाहर जाते समय कटे प्याज को जेब में रखना चाहिए।

होम्योपैथिक उपचार -

ग्लोनाईन (Glonine) इस रोग की प्रधान दवा है। इससे आराम न मिलने पर बेलोडोना (belladona)। 30 पोटेन्सी मे दवा का चुनाव करें और 15-15 मिनट के अन्तर पर प्रयोग करें। आराम मिलने पर दवा का अन्तर बढायें। camphor, opium, bellis pernis भी अपने अपने विशिष्ट लक्षणों के अनुसार मुख्य दवाओं की श्रेणी मे आती है और एक कुशल होम्योपैथ की सलाह दवा प्रयोग करने के पहले अवशय लें । सनस्ट्रोक होने के बाद की हालत मे अगर रोग पुराना रुप धारण कर रहा है तब agaricus, anacardium और थोडी सी धूप मे सर दर्द बढने पर natrum mur, natrum carb और baryta carb की व्यवस्था करे।

बेहोशी की हालत मे रोगी को औषध सेवन करने की क्षमता न रहने पर चुनी हुई औषधि को सफ कपडे या रुमाल मे रख कर सुघांये और बाद मे आरम मिलने पर दवा पीने को दें ।

घमौरियों से पाएँ निजात

बेसन को पानी में घोलकर घमौरियों वाले स्थान पर इसका लेप करें।

चंदन पावडर और धनिया पावडर को बराबर मात्रा में मिलाकर इनमें गुलाबजल मिलाकर गाढ़ा लेप बनाएँ तथा इस लेप को शरीर पर कुछ देर लगाकर ठंडे पानी से धो से धो लें।

नहाने से पहले जौ के आटे को पानी में मिलाकर इस पेस्ट को बदन पर लगाएँ और कुछ देर बाद ठंडे पानी से नहा लें।

हाई ब्लड प्रेशर के घरेलू उपचार

हाई ब्लड प्रेशर में चक्कर आने लगते हैं, सिर घूमने लगता है, रोगी का किसी काम में मन नहीं लगता। उसमें शारीरिक काम करने की क्षमता नहीं रहती और रोगी अनिद्रा का शिकार रहता है।

इस रोग का घरेलू उपचार भी संभव है, जरूरत है संयमपूर्वक नियम पालन की।

- तीन ग्राम मेथीदाना पावडर सुबह-शाम पानी के साथ लें। इसे पंद्रह दिनों तक लेने से लाभ मालूम होता है। यह डायबिटीज में भी लाभकारी है।
- गेहूँ व चने के आटे को बराबर मात्रा में लेकर बनाई गई रोटी खूब चबा-चबाकर खाएँ, आटे से चोकर न निकालें।
- तरबूज के बीज की गिरि तथा खसखस अलग-अलग पीसकर बराबर मात्रा में मिलाकर रख लें। एक चम्मच मात्रा में प्रतिदिन खाली पेट पानी के साथ लें।
- नियमित रूप से छाछ दिन में भोजन के बाद जरूर लें।
- हाई ब्लडप्रेशर के मरीजों के लिए पपीता भी बहुत लाभ करता है, इसे प्रतिदिन खाली पेट चबा-चबाकर खाएँ।
- 21 तुलसी के पत्ते तथा सिलबट्टे पर पीसकर एक गिलास दही में मिलाकर सेवन करने से हाई ब्लडप्रेशर में लाभ होता है।
- पाँच तुलसी के पत्ते तथा दो नीम की पत्तियों को पीसकर 20 ग्राम पानी में घोलकर खाली पेट सुबह पिएँ। 15 दिन में लाभ नजर आने लगेगा।
- तुलसी का रस एक या दो चम्मच पानी में मिलाकर खाली पेट सेवन करें। इसके एक घंटे बाद तक कुछ भी न खाएँ।
- ठंडे पानी से नहाने के बजाय गुनगुने पानी से नहाएँ, साथ ही अधिक नमक व अधिक चीनी का इस्तेमाल हानिकारक है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोस्थ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ द दो चा ची)

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2018

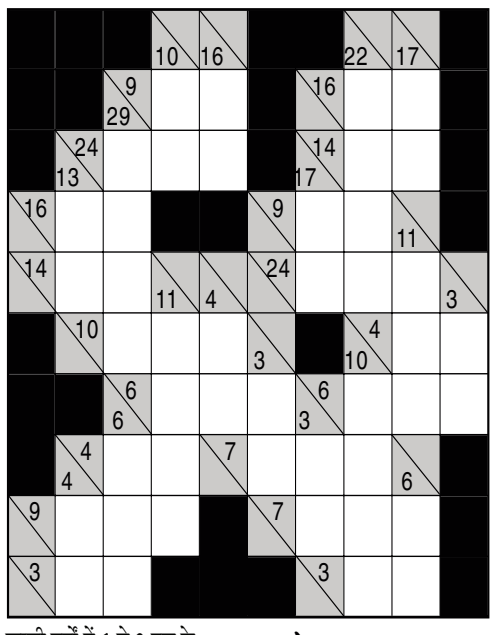

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

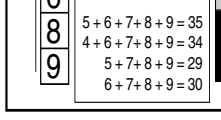

काकुरो - 2017 का हल

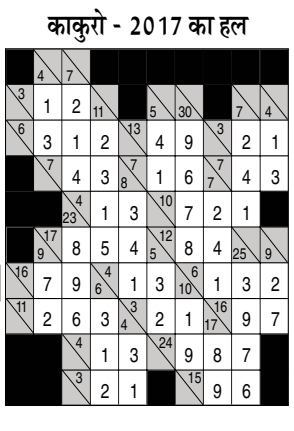

लॉफिंग ज़ोन

एक चोर अदालत में अपनी गवाही देने खुद ही खड़ा हो गया। वहाँ खड़ा होकर जब वह अनाप-शनाप बकने लगा तो न्यायाधिश ने झुँझलाकर कहा- तुमको तो ठीक से झूठ भी नहीं बोलना आता।

चोर- तो मैं क्या करूँ महोदय।

न्यायाधिश- तुम एक वकील को अप्वाइंट क्यों नहीं कर लेते। ताकि तुम आसानी से झूठ बोल सको।

□ □ □

ब्यूटी-क्लीनिक पहुँची एक महिला डॉक्टर से बोली- मेरे चेहरे को और सुंदर बनाने के लिए क्या फीस लगेगी?

डॉक्टर साहब (गंभीर होकर बोले)- पाँच हजार पाँच सौ रुपए।

निराश होकर महिला बोली- इससे सस्ता कोई उपाय नहीं है क्या? सुझाइए न!

डॉक्टर साहन ने सलाह दी- इससे सस्ता उपाय भी है...। आप बस घूँघट काढ़ना शुरू कर दीजिए।

□ □ □

प्रेमी (प्रेमिका से)- क्या तुम जानती हो, संगीत में इतनी शक्ति है कि उससे पानी भी गरम हो सकता है।

प्रेमिका- हाँ हाँ क्यों नहीं! तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल सकता है, तो फिर पानी क्यों नहीं?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2018

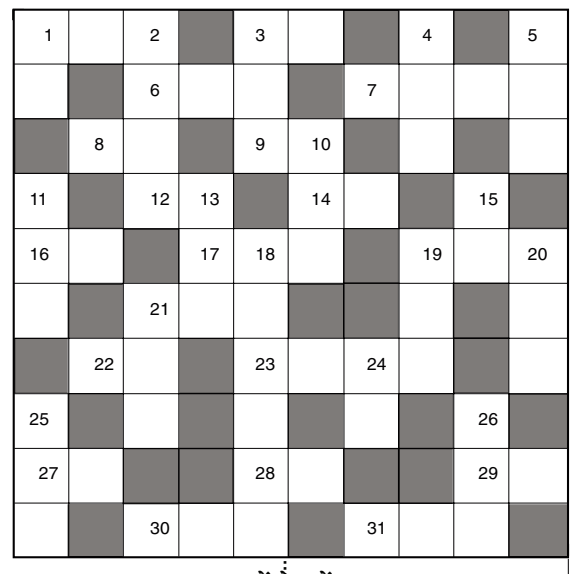

बायें से दायें:-

१. राजेश खन्ना, स्मिता की 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली फिल्म-३
३. बॉबी, काजोल, मीनाषा की 'दुनिया हसीनों का' गात वाली फिल्म-२
६. अनिल, मीनाक्षी की 'सौ सवालों का जवाब' गीत वाली फिल्म-३
७. 'यूं हसरतों के दाग' गात वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
८. अनिल, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
९. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
१२. राजेश खन्ना को फिल्म जगत में किस नाम से जाना जाता है?-२
१४. फिल्म 'कॉफी हाउस' में नायिका कौन थी?-२
१६. 'आजकल पाँव जमी' गीत वाली विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-२
१७. राजेश, ऋषि, पूनम की 'रंग चला बहार चली' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'मेरा रंगदे बसंती' गीत वाली मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा की फिल्म-३
२१. जैकी, मनीषा की 'लड़की जो आए बाजाक में' गीत वाली फिल्म-३
२२. भारतीय सिनेमा की 'वीनस' मधुबाला की अंतिम फिल्म-२
२३. 'सर से सरक गई' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२७. अमिताभ, अमृता की 'विल यू मैरी मी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२
३०. सनी, डिम्पल की 'भूरी भूरी आँखों वाला' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिल, माधुरी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली फिल्म-२
२. धर्मेन्द्र, नसीर, आदित्य, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३. आमिरखान, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
४. 'गोरी कैंवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षय, करिश्मा की फिल्म-३
५. 'बदन में चाँदनी' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'तूने बेचैन इतना ज्यादा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जब दिल से दिल' गीत वाली दिलीप, संजीव कुमार, वैजयंती की फिल्म-३
१३. धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
१५. फिल्म 'हम है राही प्यार के' में नायिका कौन थी-२
१८. 'क्या लिखूं कैसे लिखूं' गीत वाली फिल्म-२,४
१९. फिल्म 'कश्मीर की कली' में नायिका कौन थी-३
२०. जीतेंद्र, राजेश खन्ना, नंदा की 'किस लिए मैंने' गीत वाली फिल्म-१,२
२१. 'कई सदियों से' गीत वाली शत्रुघ्न, रीना राय की फिल्म-३
२४. अनिल, माधुरी की 'खुशियों का दिन आया है' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'कोई हमदम न रहा' गीत वाली फिल्म-३
२६. सलमान, संजय, शिल्पा की 'अरे बाबा अरे बाबा' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 2017

बु	लं	दी		अं	दा	ज		य	श
ड्ढ		पा	की	जा		मी	ना		ह
मि	ली			म	द	र		स	जा
ल		सू	र्या		डॉ		शा	र	दा
ग	द	र		ध	न	वा	न		
या		ज	खी			रि		जी	त
	डि			वि	श	स	त		र
अ	नो	खा	अं	दा	ज		ला	ड़	ला
ना		मो		ई		जो	श		
ड़ी		शी	बा		ड	र		जु	र्म

सूडोकु - 2018

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2017 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली -2018

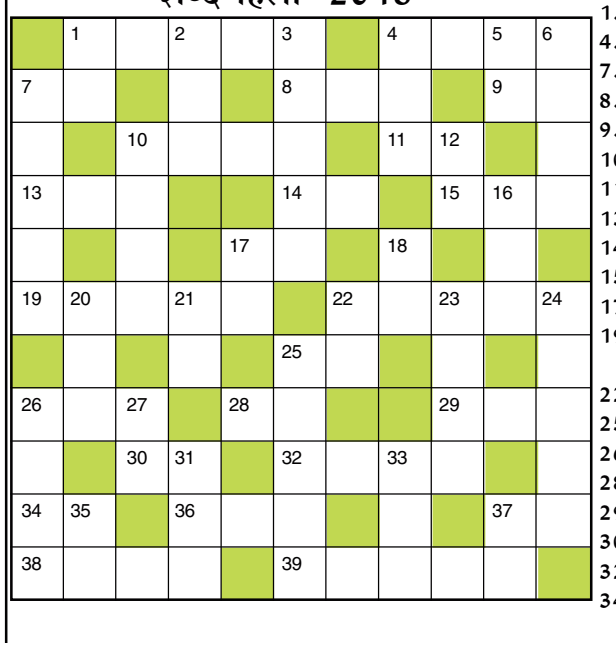

बाएँ से दाएँ

1. राजा का पुत्र-5
4. मन को हरने वाला-4
7. काल,समय,पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु,मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-2
13. पुत्र,बेटा-3
14. क्षार,खारा-2
15. दर,मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा,भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी,सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कुरुपता-4
34. इसाई साध्वी -2
36. टेंशन,परेशानी-3
37. खुजली -2
38. अशक्त,निर्बल-4
39. नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2. सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3. सार-संभाल-2,3
4. विचार करना-3
5. प्रत्येक-2
6. परंपरा,धर्मविधी-4
7. आवास, गरीबखाना-5
10. संपत्ति-4
12. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16. भालू-बंदर नचाने वाला-3
17. मां की मां-2
18. भय,खौफ-2
20. वेग,गति-3
21. मुंह,चेहरा-2
22. पैर,ओहदा-2
23. वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24. शकरगंजी,कंद-5
25. सभागार,सभाकक्ष-5
26. भयंकर,खतरनाक-4
27. मोड़-2
31. कायर,डरपोक-3
33. तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35. भीगा हुआ-2
37. नौकरानी-2

शब्द पहेली -2017 का हल

	रा	ज	क	पू	र		अ	च	र	ज
ज	य		रा		क्षि	ति	ज		त	ला
ना		अ	मा	न	त		र	वा		व
न	सी	ह	त		व	ह		म	का	न
खा		म		र	न	र			ल	
ना	म	क	र	ण		स	ला	ह	का	र
	हा			वी	रा	ना		र		ज
का	न	न		र	ज		अ	जा	ग्र	त
म		र	ज		घ	ब	रा	ना		प
का	र		ग	ज	रा		ज		प	ट
ज	न	म	त		ना	ट	क	का	र	

लाइकेन मॉथ की दो नई प्रजातियों की खोज, भूपेन्द्र यादव ने शोधकर्ताओं को दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में लाइकेन मॉथ की दो नई प्रजातियों की खोज की गई है। इस महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धि पर केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को बधाई दी है। यह खोज जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के वैज्ञानिकों ने की है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने पूर्वी हिमालयी क्षेत्र में लाइकेन मॉथ की दो नई प्रजातियों की पहचान की। इन नई प्रजातियों का नाम कौलोसेया होलोवेई और असुरा बक्सा रखा गया है।केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने एक्स पर साझा अपने संदेश में कहा कि लेपिडोप्टेरा (कीटों का एक गण है जिसमें तितलियां और पतंगे शामिल होते है) जैसे विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण लेकिन अपेक्षाकृत कम अध्ययन किए गए समूहों पर शोध, पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यकरण को समझने के लिए आवश्यक है। इसके साथ यह भारतीय हिमालय में वायु प्रदूषण के संकेतक प्रजातियों की पहचान के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। यह उपलब्धि हिमालय जैसे जैवविविधता हॉटस्पॉट में निरंतर वर्गिकी अनुसंधान की आवश्यकता को भी रेखांकित करती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इन प्रजातियों की पहचान उनके पंखों के रंग-रूप, शरीर की बनावट और अन्य सूक्ष्म जैविक विशेषताओं के आधार पर की गई। यह शोध अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिका जूटेक्सा में प्रकाशित हुआ है।

मणिपुर के नाने जिले में बम विस्फोट, चार साल के बच्चे की मौत, पिता गंभीर रूप से घायल

इंफाल। मणिपुर के नाने जिले में हुए बम धमाके में कलिंगमपो पामेई नाम के चार साल के बच्चे की मौत हो गई। इसी घटना में उसके पिता थुआनकुंगम पामेई गंभीर रूप से घायल हो गए। राज्य पुलिस मुख्यालय के आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, यह घटना शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे नाने जिले के खौपुम पुलिस स्टेशन के तहत ताओलिंगपुंग गांव के नामकाओलोंग पार्ट-द्वुह इलाके में हुई। सूत्रों के मुताबिक, बच्चा अपने पिता के पास बम जैसी एक गेंद लाया। जब पिता ने उसे फेंकने की कोशिश की, तो वह फिसलकर गिर गए। उसी समय बम फट गया। जब बम फटा, तब कलिंगमपो पास में ही थे। घायल बच्चे और उसके पिता थुआनकुंगम पामे को पास के ही जिला अस्पताल ले जाया गया। लेकिन अस्पताल के डॉक्टर ने बच्चे कलिंगमपो को मृत घोषित कर दिया और गंभीर रूप से घायल पिता थुआनकुंगम को बेहतर इलाज के लिए इंफाल के राज मेडिसिटी अस्पताल में रेफर कर दिया। पता चला है कि थुआनकुंगम के दोनों पैरों में चोटें आई हैं। अभी यह साफ नहीं है कि यह विस्फोटक कहां से आया। राज्य पुलिस हेडक्वार्टर के एक ऑफिशियल सोर्स ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

उप्र के बिजनौर में संघ के जिला कार्यवाह पर जानलेवा हमला, दो हिरासत में

बिजनौर। उत्तर प्रदेश में बिजनौर जिले के धामपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह विपिन कुमार के घर में घुस कर दूसरे समुदाय के लोगों ने जानलेवा हमले का प्रयास किया। हमलावरों ने घर में तोड़फोड़ भी की और जेवर समेत नकदी लेकर फरार हो गए। पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। दोनों से पूछताछ जारी है। पुलिस के मुताबिक हमला करने वाले आरोपित सोहेब और उसके पिता सत्तार को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। यह भी पूछताछ की जा रही है कि उनके साथ और कौन लोग थे। भाजपा और संघ ने पुलिस से दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।स्थानीय लोगों के अनुसार मोहल्ला पुराना धामपुर स्थित अपने पुश्तैनी मकान में जिला कार्यवाह विपिन कुमार रहते हैं, लेकिन उनके घर के सामने रहने वाले गैर समुदाय के लोगों को उनका यहां रहना पसंद नहीं है। आए दिन उनसे किसी न किसी बात पर झगड़ा करते रहते हैं। आरोप है कि शनिवार तड़के उनके घर के सामने रहने वाले विशेष समुदाय का युवक अपने कुछ साथियों के साथ सीढ़ी लगाकर उनके घर में घुस आया। पहले घर में रखी वस्तुओं को तोड़ना शुरू कर दिया। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपित तमंचे से फायर करने लगे। उन्होंने अपने को बचाने के लिए कमरे में बंदकर संगठन के लोगों को सूचित किया। इसके बाद बड़ी संख्या में संघ और भाजपा के कार्यकर्ता उनके निवास पर जुट गए। इस बीच आरोपित घर छोड़कर भाग गए। गुस्साई भीड़ ने आरोपित के घर पर तोड़फोड़ भी की। घटना की सूचना पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा और क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पाण्डेय मौके पर पहुंचे।

छत्तीसगढ़ के सराफा कारोबारी का हवाई यात्रा के दौरान लगेज से सोने का नेकलेस गायब

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर निवासी सराफा कारोबारी का हवाई यात्रा के दौरान लगेज से सोने का नेकलेस गायब हो गया। पीड़ित सराफा कारोबारी की शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दिल्ली से रायपुर के लिए कनेक्टिंग एयर इंडिया की फ्लाइट से हवाई यात्रा के दौरान बुक किए गए लगेज से सोने का नेकलेस गायब हो गया। हालांकि पुलिस ने अभी शिकायतकर्ता का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। सराफा कारोबारी अपने परिवार के साथ 12 मार्च 2026 के आसपास जोधपुर से दिल्ली होते हुए रायपुर पहुंचा था। रायपुर के माना थाना में इस चोरी की लिखित शिकायत 13 मार्च 2026 को दर्ज कराई थी। वे अपने परिवार के साथ राजस्थान के जोधपुर से एयर इंडिया की फ्लाइट के जरिए दिल्ली पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने दिल्ली से रायपुर के लिए कनेक्टिंग एयर इंडिया की फ्लाइट ली। यात्रा के दौरान उनका ट्रॉली बैग विमान में बुक लगेज के रूप में भेजा गया था। यह घटक डायबिटीज़ को कमजोर बनाकर निष्क्रिय करता है!

मणिपुर में दो उग्रवादी एवं तीन मादक पदार्थ तस्कर समेत पांच गिरफ्तार

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में अभियान चलाते हुए प्रतिबंधित संगठन प्रीपाक (प्रो) एवं आरपीएफ/पीएलए के दो कैडरों के साथ ही एक अन्य अभियान में हथियारों के साथ तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है। सूत्रों ने दावा किया है कि तीनों का संबंध मादक पदार्थ तस्कर गिरोह हो सकता है। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

मणिपुर पुलिस मुख्यालय से रविवार को जारी बयान के अनुसार, शनिवार को सुरक्षा बलों ने पोरमपत थानांतर्गत वांगखेई एंड्रो पार्किंग इलाके से प्रतिबंधित संगठन प्रीपाक (प्रो) के एक सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान थियाम अथोई मैतेई उर्फ अथौबा (24) के रूप में हुई है। कैडर मूल रूप से इंफाल पूर्वी जिले के इरिलबुंग थानांतर्गत चानम सांड्रोक मयाई लेइकाई का रहने वाला है। दूसरे अभियान में सुरक्षा बलों ने आरपीएफ/पीएलए की एक सक्रिय महिला कैडर को गिरफ्तार किया। यह महिला प्रतिबंधित संगठन के लिए सदस्यों की भर्ती करने में शामिल थी। गिरफ्तार महिला की पहचान खांगेम्बम (ओ) खुमंथेम औना देवी उर्फ इबेयाइमा (43) के रूप में हुई। महिला कैडर मूल रूप से विष्णुपुर जिले के कुम्बी इशिंग चाइबा लेइकाई की रहने वाली है। उसे इंफाल पूर्वी जिले के लामलाई थानांतर्गत सावोम्बुंग फॉरेस्ट गेट इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक मोबाइल फ़ोन ज़ब्त किया गया हैं। इस बीच सुरक्षा बलों ने थौबल जिले के लिलोंग थानांतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-102 पर लिलोंग बाजार इलाके से तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान मो. अब्दुल गफार उर्फ थोई (22), मो. बोइचा (23) और केएच अकिप उर्फ अकी (23) के रूप में की गयी। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्तियों के पास से एक 9 एमएम की पिस्तौल, मैगज़ीन के साथ, (सात राउंड 9 एमएम के ज़िंदा कारतूस, 494 ग्राम हेरोइन (ब्राउन शुगर), चार मोबाइल फ़ोन, और एक चार-पहिया हुंडई क्रेटा वाहन बरामद किया गया है। गिरफ्तार तीनों व्यक्तियों के संबंध में सुरक्षा बलों ने आशंका जतायी है कि ये सभी मादक पदार्थ के तस्कर हो सकते हैं। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है।

जम्मू-कश्मीर के उरी में पाकिस्तान का आतंकवादी मारा गया, घुसपैठ विफल

एजेंसी

श्रीनगर। सेना ने जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए पाकिस्तान के एक पाकिस्तानी आतंकवादी मार गिराया। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, घुसपैठ के प्रयास के संबंध में जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा प्रदान किए गए एक विशिष्ट खुफिया इनपुट के आधार पर, 14-15 मार्च 26 की मध्यरात्रि को जनरल क्षेत्र बुचर, उरी सेक्टर में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। इसमें कहा गया है कि सैनिकों ने झाड़ियों में एक आतंकवादी की संदिग्ध गतिविधि देखी। सेना ने कहा कि घात को फिर से समायोजित किया गया और आतंकवादी को चुनौती दी गई जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इसमें एक पाक आतंकवादी को मार गिराया गया। एक एके राइफल, पिस्तौल और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद सहित युद्ध सामग्री बरामद की गई है।

मप्र के सिंगरौली में अडाणी पावर प्लांट में बवाल, मजदूर की मौत के बाद आगजनी और तोड़फोड़

एजेंसी

सिंगरौली। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के माडा थाना क्षेत्र स्थित बधौरा के अडाणी पावर प्लांट में शनिवार सुबह उस समय बड़ा हंगामा खड़ा हो गया, जब एक मजदूर की मौत के बाद साथी मजदूर भड़क उठे। आक्रोशित मजदूरों ने प्लांट परिसर में तोड़फोड़ करते हुए कई गाड़ियों में आग लगा दी और कुछ वाहनों को पलट दिया। आगजनी इतनी भीषण थी कि दूर से ही काले धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। बताया जा रहा है कि प्लांट में कार्यरत झारखंड के गढ़वा जिला निवासी मजदूर लल्लन सिंह लंबे समय से इसी प्लांट में काम कर रहा था। शुक्रवार देर रात उसकी मौत हो गई। यह बताया जा रहा कि ये अफवाह फैली कि मजदूर लल्लन की ऊंचाई से गिरने के कारण मौत हुई है और प्रबंधन ने कुछ समय तक शव छिपाने की कोशिश की जबकि कंपनी प्रबंधन और जिला प्रशासन का दावा है कि मजदूर की मौत देर रात हार्ट अटैक से हुई। सुबह मजदूर की मौत की खबर फैलते ही प्लांट में काम कर रहे श्रमिकों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए मजदूरों ने प्लांट परिसर में खड़ी कंपनी अधिकारियों की आधा दर्जन से अधिक गाड़ियों में तोड़फोड़ की, कई वाहनों को पलट दिया और आग लगा दी। बधौरा पुलिस चौकी प्रभारी की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि हंगामे के दौरान कुछ मजदूरों ने कंपनी के एक कर्मचारी के साथ मारपीट भी की। हालात बिगड़ते देख कई कर्मचारी प्लांट के अंदर सुरक्षित स्थानों पर छिप गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी पहुंच गए। एसडीएम, तहसीलदार, एडिशनल एसपी सहित करीब 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी प्लांट परिसर में तैनात किए गए। फिलहाल स्थिति पर काबू पा लिया गया है। हालांकि प्लांट के अंदर माहौल अभी भी तनावपूर्ण बना हुआ है। हंगामे के बाद कई मजदूर काम छोड़कर अपने-अपने घरों की ओर लौटते दिखाई दिए। मजदूरों का आरोप है कि प्लांट में सुरक्षा नियमों की अनदेखी की जा रही है, जिसके कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और मजदूर की मौत के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की जा रही है। कंपनी के सिक्योरिटी इंचार्ज राकेश कुमार ने बताया कि तोड़फोड़-आगजनी की वजह से कंपनी को 40 से 50 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। वहीं, अधिकारियों का कहना है कि मजदूर की मौत के कारणों की जांच की जा रही है।

तमिलनाडु में गैस सिलेंडर की कमी पर सियासत तेज, द्रमुक गठबंधन का 15 मार्च को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु में रसोई गैस सिलेंडर की कथित कमी को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन ने केंद्र सरकार के खिलाफ रविवार (15 मार्च) को पूरे राज्य में व्यापक विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। गठबंधन का आरोप है कि केंद्र सरकार की नीतियों और गलत विदेश नीति के कारण घरेलू तथा व्यावसायिक गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई है।

गठबंधन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि गैस की कमी का असर केवल घरेलू उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव होटल, रेस्तरां और छोटे-मझोले उद्योगों पर भी पड़ रहा है। यदि स्थिति जल्द सामान्य नहीं हुई तो कई छोटे व्यवसायों के बंद होने का खतरा पैदा हो सकता है, जिससे हजारों लोगों की आजीविका प्रभावित हो सकती है। गठबंधन ने यह भी बताया कि इस मुद्दे को लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग कर चुके हैं।

हालांकि, गठबंधन का कहना है कि अब तक केंद्र की ओर से न तो लोगों में फैली चिंता को दूर करने के लिए कोई स्पष्ट कदम उठाया गया है और न ही संसद में इस विषय पर चर्चा कराने की पहल की गई है।द्रमुक नेतृत्व वाले गठबंधन ने केंद्र सरकार पर तमिलनाडु के साथ भेदभाव करने का आरोप भी लगाया है। बयान में कहा गया है कि गैस की कमी के अलावा भी कई महत्वपूर्ण मामलों में केंद्र सरकार राज्य के प्रति उदासीन रवैया अपना रही है। इसमें शिक्षा से जुड़े फंड को रोकना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत मिलने वाली राशि में देरी, पेयजल पाइपलाइन परियोजनाओं के लिए धन जारी न करना और मदुरै तथा कोयंबटूर मेट्रो रेल परियोजनाओं में अड़चनें पैदा करना जैसे मुद्दे शामिल हैं। इसके अलावा गठबंधन ने होसुर हवाईअड्डा परियोजना में देरी और तीन-भाषा नीति के नाम पर तमिल भाषा की अनदेखी करने का आरोप भी लगाया है। गठबंधन का कहना है कि इन सभी मुद्दों को लेकर केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के खिलाफ जनता का आक्रोश बढ़ रहा है। घोषणा के अनुसार, रविवार 15 मार्च को सुबह 10:30 बजे तमिलनाडु के सभी जिलों में यूनियन, नगर, क्षेत्र और पंचायत स्तर पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। इन प्रदर्शनों में द्रमुक और सहयोगी दलों के सांसद, विधायक, जिला और यूनियन स्तर के पदाधिकारी, शाखा सचिव, स्थानीय निकायों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आम लोग शामिल होंगे।

लातेहार में इनामी नक्सली कमांडर मृत्युंजय भुइया समेत दो माओवादी गिरफ्तार, एके-47 और कारतूस बरामद

लातेहार। झारखंड के लातेहार जिले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) के दो इनामी नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की गिरफ्त में आए नक्सलियों में जोनल कमांडर मृत्युंजय भुइया और सब-जोनल कमांडर बबलू राम शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से एक स्वचालित एके-47 रायफल, 21 जिंदा कारतूस और लेवी के लगभग 1.60 लाख रुपये नगद बरामद किए हैं दरअसल, लातेहार के पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि माओवादी संगठन का जोनल कमांडर मृत्युंजय भुइया अपने दस्ते के साथ छिपादोहर थाना क्षेत्र के हरिणामाड़ गांव के आसपास आने वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इलाके में छापेमारी अभियान चलाया और गांव के पास घेराबंदी कर दोनों नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार नक्सली मृत्युंजय भुइया छिपादोहर थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव का रहने वाला है और वह माओवादी संगठन में जोनल कमांडर के पद पर कार्यरत था। उस पर झारखंड पुलिस ने 10 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। वहीं उसके साथ पकड़ा गया बबलू राम बिहार के अरवल जिले के निरखपुर गांव का निवासी है और माओवादी संगठन में सब-जोनल कमांडर के रूप में सक्रिय था। उस पर दो लाख रुपये का इनाम घोषित था।आयोजित प्रेस वार्ता में एसपी कुमार गौरव ने बताया कि पुलिस लंबे समय से इन दोनों नक्सलियों की तलाश में अभियान चला रही थी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की और चारों ओर से घेराबंदी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

एसपी ने बताया कि मृत्युंजय भुइया उर्फ फ्रेश भुइया पिछले लगभग 20 वर्षों से नक्सली संगठन में सक्रिय था और उस पर अलग-अलग थाना क्षेत्रों में करीब 104 नक्सली हिंसा के मामले दर्ज हैं। वह पुलिस के साथ 12 से अधिक मुठभेड़ों में शामिल रहा है और कई बार पुलिस बल पर घात लगाकर हमला करने की घटनाओं में भी उसकी भूमिका सामने आई है। वहीं बबलू राम के खिलाफ भी विभिन्न थाना क्षेत्रों में करीब 15 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस दोनों नक्सलियों से पूछताछ कर रही है और उम्मीद जताई जा रही है कि इस गिरफ्तारी से नक्सली गतिविधियों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकती हैं।

केसीपी के इशारे पर स्टाफ नर्सों से उगाही के आरोप में चार गिरफ्तार

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने उग्रवादी संगठन केसीपी के इशारे पर उगाही की गतिविधियों में लिप्त चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस चारों से सघन पूछताछ कर रही है।मणिपुर पुलिस मुख्यालय ने रविवार को एक आधिकारिक बयान में बताया कि जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा विज्ञान संस्थान (जेएनआईएमएस), मणिपुर के कॉन्ट्रैक्ट स्टाफ़ नर्सों से पैसे वसूलने के मामले में पोरोमपत पुलिस स्टेशन में दर्ज प्राथमिकी की जांच के बाद, मणिपुर पुलिस ने शुक्रवार को इंफाल पश्चिम ज़िले में स्थित अपराधियों के घरों से चार लोगों को गिरफ़्तार किया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान खोइसनाम रोजर (29), खोइसनाम बायरन (23), सिनम उमाकांत सिंह (43) और आरके हेरामोट सिंह (45) के रूप में की गयी है। अपराधियों के पास से 39 लाख की नकद राशि, छह मोबाइल फ़ोन और एक पिस्तौल बरामद किया गया है। पुलिस कि पूछताछ में

गिरफ़्तार लोगों ने बताया कि प्रतिबंधित संगठन केसीपी (ताइबांगनबा) के इशारे पर यह अपराध किया। उन्होंने जेएनआईएमएस के कॉन्ट्रैक्ट स्टाफ से पैसे वसूले और उन्हें उस भूमिगत संगठन को भेज दिया।--

मां कैलादेवी के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब, बयाना से गुजर रही हजारों पदयात्रियों की पदयात्रा

बयाना (भरतपुर)। करौली जिले में स्थित मां कैलादेवी मंदिर के दर्शनों के लिए इन दिनों आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। भरतपुर जिले के बयाना कस्बे से होकर उत्तर प्रदेश के कई जिलों से आए हजारों श्रद्धालु पदयात्रा करते हुए माता के दरबार की ओर बढ़ रहे हैं। बयाना कस्बे के मुख्य मार्ग से इन दिनों मां कैलादेवी के भक्तों की लंबी-लंबी पदयात्राएं गुजर रही हैं।

आगरा, फतेहपुर सीकरी, अलीगढ़, फिरोजाबाद, हाथरस और किरावली सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पैदल ही माता के दरबार की ओर रवाना हो रहे हैं। पदयात्रियों की सेवा के लिए स्थानीय लोगों ने भक्ति और सेवा की अनूठी मिसाल पेश की है। ब्रह्मवाद से बयाना तक जगह-जगह दर्जनों भंडारे और सेवा पांडाल लगाए गए हैं। इन पांडालों में श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध भोजन, चाय, नाश्ता और प्रसाद की निःशुल्क व्यवस्था की गई है।

तमिल साहित्यकार आर. वैरामुथु को ज्ञानपीठ पुरस्कार देने की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय ज्ञानपीठ ने शनिवार को तमिल कवि, गीतकार और लेखक आर. वैरामुथु को वर्ष 2025 के लिए देश का सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान 60वां ज्ञानपीठ पुरस्कार देने की घोषणा की। उन्हें यह सम्मान तमिल साहित्य में उल्लेखनीय योगदान और रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए प्रदान किया जाएगा।

भारतीय ज्ञानपीठ की चयन समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। समिति ने शनिवार को कहा कि तमिल एक समृद्ध भाषा होने के बावजूद अब तक केवल दो लेखकों पीवी अखिलंदम (1975) और डी. जयकान्तन (2002) को ही यह सम्मान मिला था। आर. वैरामुथु को यह पुरस्कार मिलना उस अंतराल को भरने का कार्य करेगा।

प्रो. प्रतिभा राय की अध्यक्षता में हुई समिति में माधव कौशिक, दामोदर माउजो, डॉ. सुरंजन दास, डॉ. ए. कृष्णा राव, प्रफुल्ल शिलेदार, डॉ.केसु भाई देसाई, डॉ. जानकी प्रसाद शर्मा, डॉ.के. श्रीनिवास राव और ज्ञानपीठ के वरिष्ठ प्रकाशन अधिकारी डॉ. महेश्वर शामिल थे। चयन समिति की बैठक के प्रारम्भ में ज्ञानपीठ के अध्यक्ष जस्टिस विजेंद्र जैन तथा ज्ञानपीठ के निदेशक मधुसूदन आनंद को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। तमिल के प्रसिद्ध कवि गीतकार और लेखक आर. वैरामुथु का जन्म 13 जुलाई 1953 को तमिलनाडु में हुआ। समकालीन तमिल साहित्य के महत्वपूर्ण रचनाकारों में गिने जाते हैं। उनकी कविताओं और लेखन में मानवीय संवेदना सामाजिक सरोकार और प्रकृति के प्रति गहरी संवेदनशीलता का प्रभावशाली चित्रण मिलता है।

वैरामुथु ने कविता गीत और गद्य तीनों क्षेत्रों में 37 से अधिक पुस्तकें लिखी हैं। उनकी प्रमुख कृतियों में कल्लिकाडू इथिहासम,', 'करुवाची काव्यम', 'तन्नी देसम' और मोंद्रम उलागा पोर तन्नी देसम, और मोंद्रम उलागा पोर (तीसरा विश्व युद्ध) शामिल हैं। उनको अब तक 7 बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ गीतकार) पद्म भूषण (2014), पद्म श्री (2003) और साहित्य अकादमी पुरस्कार (2003) से सम्मानित किया जा चुका है। उनके उपन्यास 'कल्लिकाडू इथिहासम' के लिए तथा तमिलनाडु सरकार द्वारा कला में योगदान के लिए कलैमामणि पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

ज्ञानपीठ पुरस्कार भारत का सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान है जो भारतीय भाषाओं में उत्कृष्ट साहित्य सृजन के लिए दिया जाता है। इस सम्मान के अंतर्गत विजेता को कई वस्तुएं भेंट की जाती हैं। इनमें 11 लाख रुपये की नकद राशि वाग्देवी (सरस्वती) की कांस्य प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र शामिल है।

सांस्कृतिक जिज्ञासुओं का वैश्विक केंद्र बनेगा श्रीराम जन्मभूमि, रामराज्य के आदर्शों का पुनर्स्मरण कराएगा श्रीराम यंत्र

एजेंसी

अयोध्या। भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या अब केवल आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि विश्वभर के सांस्कृतिक जिज्ञासुओं और शोधकर्ताओं के लिए भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनती जा रही है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में होने वाले श्रीराम यंत्र की स्थापना को इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जो सनातन संस्कृति के आध्यात्मिक और दार्शनिक आयाम को विश्व स्तर पर प्रस्तुत करेगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय ने बातचीत में बताया कि आगामी 19 मार्च को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के पावन अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के द्वितीय तल स्थित गर्भगृह में श्रीराम यंत्र की स्थापना करेंगी। यह आयोजन श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बनने जा रही है, जो केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि सनातन संस्कृति के वैश्विक संदेश को पुनर्स्थापित करने का प्रतीक होगा।

ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय ने कहा कि अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद यह स्थान केवल भारत ही नहीं बल्कि विश्वभर के श्रद्धालुओं और शोधकर्ताओं के आकर्षण का केंद्र बन चुका है। ऐसे में यह नगरी अब केवल तीर्थस्थल नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति और सनातन दर्शन को समझने के लिए वैश्विक मंच के रूप में उभर रही है। श्रीराम यंत्र की स्थापना को सनातन दर्शन की उसी आध्यात्मिक परंपरा को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भारतीय संस्कृति की मूल भावना वसुधैव कुटुम्बकम और भगवान श्रीराम के आदर्श- सत्य, धर्म, करुणा और न्याय आज भी विश्व समाज को मार्गदर्शन देने की क्षमता रखते हैं। ऐसे में अयोध्या में होने वाला यह अनुष्ठान केवल मंदिर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह संदेश देगा कि भारतीय संस्कृति का मूल उद्देश्य सम्पूर्ण मानवता के कल्याण की भावना है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल ने बताया कि अयोध्या सदियों से भारतीय आस्था का केंद्र रही है, लेकिन भव्य राम मंदिर के निर्माण के बाद यह शहर अब भारतीय सभ्यता, संस्कृति और दर्शन को समझने के लिए भी वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि इतिहासकारों, सांस्कृतिक शोधकर्ताओं और अध्यात्म के जिज्ञासुओं के लिए अयोध्या एक जीवंत विरासत के रूप में सामने आ रही है। श्रीराम यंत्र की स्थापना को इसी सांस्कृतिक विरासत को और सशक्त करने वाला कदम माना जा रहा है। सनातन परंपरा में यंत्रों को ब्रह्मांडीय ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है और मंदिरों में इनकी स्थापना आध्यात्मिक शक्ति के केंद्र के रूप में की जाती है। श्रीराम यंत्र भगवान श्रीराम के आदर्शों- धर्म, मर्यादा, न्याय और लोककल्याण का प्रतीक माना जाता है। यही आदर्श रामराज्य की अवधारणा की नींव हैं। सिद्धपीठ श्रीहनुमत निवास के पीठाधीश्वर आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण महाराज ने कहा कि रामराज्य केवल धार्मिक अवधारणा नहीं बल्कि एक ऐसी सामाजिक और नैतिक व्यवस्था का प्रतीक है जिसमें शासन का उद्देश्य जनकल्याण, न्याय और समानता होता है। ऐसे में श्रीराम यंत्र की स्थापना केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि उस सांस्कृतिक दर्शन को जीवंत करने का प्रयास भी है जिसने भारतीय समाज को सदियों तक दिशा दी है।

मप्र में एलपीजी संकट गहराया, 50 हजार होटल-रेस्टोरेंट पर ताला लगने की नौबत

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में रसोई गैस (एलपीजी) का संकट लगातार गहराता जा रहा है। पिछले पांच दिनों से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित होने से प्रदेशभर के करीब 50 हजार होटल और रेस्टोरेंट बंद होने के कगार पर पहुंच गए हैं। राजधानी भोपाल से लेकर छिंदवाड़ा, इंदौर और ग्वालियर तक गैस के लिए मारामारी मची है। कहीं गैस गोदामों पर लंबी कतारें लग रही हैं, तो कहीं पुलिस की निगरानी में सिलेंडर बांटे जा रहे हैं। कई जगहों पर होटल और फूड आउटलेट्स लकड़ी, कोयले या डीजल भट्ठियों का सहारा लेकर खाना बना रहे हैं। गैस सिलेंडर लेने के लिए विभिन्न स्थानों पर लंबी-लंबी कतारों के साथ प्रदर्शन हो रहे हैं। हालांकि प्रदेश के महानगरों और अन्य जिलों में बंद होने की कगार पर पहुंचने वाले होटल और रेस्टोरेंटों की संख्या की बात करें तो यह 50 हजार के पार पहुंच चुकी है। राजधानी भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज में भी गैस संकट का असर

दिखने लगा है। कॉलेज परिसर के 16 हॉस्टल मेस, जेडीए कैंटीन और मरीजों के सेंट्रलाइज्ड किचन में गैस का स्टॉक केवल दो दिन का बचा है। कॉमर्शियल सिलेंडर की बुकिंग पर 25 दिन की वेटिंग मिल रही है। रेजिडेंट डॉक्टरों का कहना है कि यदि जल्द आपूर्ति बहाल नहीं हुई तो उन्हें खाली पेट ड्यूटी करनी पड़ सकती है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है। इधर शहर के टीटी नगर दशहरा मैदान स्थित गैस एजेंसी पर सुबह से ही सैकड़ों लोग खाली सिलेंडर लेकर कतार में खड़े नजर आए। शनिवार को सुबह छह बजे से ही उपभोक्ताओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह 11.30 बजे तक 200 से अधिक लोग खाली सिलेंडर लेकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। दोपहर 12 बजे एक ट्रक सिलेंडर आया। इस दौरान पहले पाने की मशक्कत शुरू हो गई। इससे उपभोक्ता और एजेंसी वालों में नोक-झोंक भी हुई। घंटों के इंतजार के बाद भी कई लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ा है।

पूर्व खिलाड़ियों को कोच बनाकर खेलों में वापस लाना चाहिए: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री और सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने शनिवार को कहा कि भारत को खेल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पूर्व खिलाड़ियों को फिर से खेलों से जोड़कर उन्हें कोच और मेंटर की भूमिका में लाना चाहिए।

आज यहां स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजेएफआई) के गोल्डन जुबिली संस्करण के दूसरे दिन कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित कार्यक्रम में अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि खेल कोटे से नौकरी पाने वाले कई खिलाड़ी आज दफ्तरों में काम कर रहे हैं, जबकि उनमें से कई खेलों में लौटकर कोच या मार्गदर्शक के रूप में अधिक बड़ा योगदान दे सकते हैं। यह सम्मेलन दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (डीएसजेए) की मेजबानी में आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, 'हमें खिलाड़ियों की पूरी यात्रा को ट्रैक करने के लिए डेटा का विश्लेषण करना चाहिए, ताकि प्रतिभा की शुरुआती पहचान हो सके और उन्हें सही समर्थन के साथ तैयार किया जा सके।'

उन्होंने ने राज्य सरकारों से भी खेलों को मजबूत करने में अधिक भूमिका निभाने की अपील करते हुए कहा, 'खेल काफी हद तक राज्य का विषय है और यदि हमें भविष्य में बेहतर परिणाम चाहिए तो राज्यों को अपने बजट बढ़ाने, बुनियादी ढांचा विकसित करने और अधिक कोच नियुक्त करने होंगे।संस्थाएं बेहद महत्वपूर्ण हैं। हमें यह मूल्यांकन करना चाहिए कि सिफारिशों के बाद क्या हासिल हुआ और क्या हमारी व्यवस्थाएं वास्तव में परिणाम दे रही हैं या नहीं।'

इससे पहले डीएसजजेए अध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने कहा, 'एसजेएफआई के गोल्डन जुबिली वर्ष में यह हमारे लिए गर्व का क्षण है। देशभर से आए खेल पत्रकारों का दिल्ली में स्वागत करते हुए हमें खुशी हो रही है और अनुराग ठाकुर का विशेष आभार, जिन्होंने पत्रकार बिरादरी के साथ संवाद किया।'

जेके बोस इंटर-जोनल टी20 क्रिकेट ट्रॉफी में रोशनारा क्रिकेट क्लब और दिल्ली पुलिस ग्राउंड पर खेले गए मैचों में नॉर्थ जोन और साउथ जोन ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। वहीं एसी बाली टेबल टेनिस टूर्नामेंट में दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (डीएसजेए-1) ने स्पोर्ट्स राइटर्स एसोसिएशन ऑफ बेंगलुरु (एसडब्ल्यूएबी-1) को हराया, जबकि स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ मुंबई (एसजेएएम-1) ने तमिलनाडु स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (टीएनएसजेए-1) को पराजित कर फाइनल में जगह बनाई।

फाइनल मुकाबला सोमवार को इसी स्थल पर खेला जाएगा, जिसमें डीएसजेए-1 के कुशन सरकार, भारत शर्मा और नॉरिस प्रीतम का सामना एसजेएएम-1 के अमोल करहाड़कर, अश्विन फेरो और अकुश धावरे से होगा।

वंशिका चड्ढा के साथ शादी के बंधन में बंधे कुलदीप यादव, मसूरी में लिए सात फेरे

मसूरी (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने अपनी जिंदगी की एक नई पारी शुरू की है। कुलदीप ने शनिवार को उत्तराखंड के मसूरी में अपनी बचपन की दोस्त वंशिका चड्ढा से शादी रचाई।

भारत के कुछ बड़े क्रिकेट स्टार इस शादी में शामिल हुए, जिनमें भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा और युजवेंद्र चहल का नाम है। भारतीय टीम के पूर्व फील्डिंग कोच टी. दिलीप ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में शादी की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'अपने जीवन के प्यार से कुलदीप यादव को शादी करते देखकर बहुत खुशी हुई। आप दोनों को जिंदगी भर प्यार, हंसी और ढेर सारा आशीर्वाद मिले। बधाई हो।'

कानपुर के रहने वाले इस जोड़े ने 4 जून 2025 को लखनऊ में एक निजी समारोह में सगाई की थी। वंशिका ने अपनी स्कूलिंग कानपुर से की, जिसके बाद वह उच्च शिक्षा के लिए ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न चली गईं। वंशिका भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में कार्यरत हैं। दोनों की शादी पहले नवंबर 2025 में तय हुई थी, लेकिन वर्ल्ड कप की वजह से इसे टाल दिया गया।

कुलदीप उस भारतीय टीम के अहम सदस्य हैं, जिसने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीता था। कुलदीप यादव ने इस विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ एकमात्र मैच खेला था, जिसमें 3 ओवरों में 14 रन देकर 1 विकेट हासिल किया।

बाएं हाथ के चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने भारत की ओर से अब तक कुल 17 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें 22.42 की औसत के साथ 76 विकेट हासिल किए। इसके अलावा, 120 वनडे मुकाबलों में कुलदीप यादव के नाम 194 विकेट हैं। इस गेंदबाज ने भारत की तरफ से 54 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें 95 विकेट निकाले। कुलदीप अपने करियर में 98 आईपीएल मैच खेल चुके हैं, जिसमें 102 विकेट प्राप्त किए।

टी20 मुंबई महिला लीग के पहले सीजन का आगाज जल्द, रोहित शर्मा ने किया ट्रॉफी का अनावरण

मुंबई (एजेंसी)। Mumbai Cricket Association ने टी20 मुंबई लीग का महिला संस्करण लॉन्च किया। रोहित शर्मा ने ट्रॉफी का अनावरण किया और यह टूर्नामेंट महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने टी20 मुंबई लीग के महिला संस्करण का अनावरण किया। पुरुषों की लीग के तीन सफल सीजन होने के बाद एमसीए ने यह फैसला लिया। रोहित शर्मा जो इस लीग का चेहरा हैं, उन्होंने शनिवार को मुंबई में पुरुषों और महिलाओं के आगामी संस्करणों के लिए ट्रॉफी का अनावरण किया।

रोहित ने कहा कि उन्हें मुंबई क्रिकेट के बढ़ते स्तर को देखकर बहुत खुशी होती है। यह सिर्फ आईपीएल टीम तक सीमित नहीं है, बल्कि टी20 मुंबई लीग ने भी कई युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका दिया है। उन्होंने बताया कि इस लीग से कई ऐसे खिलाड़ी निकले हैं, जिन्होंने पहले टी20 मुंबई में खेला और बाद में आईपीएल टीमों और भारतीय टीम तक पहुंचे। उनके मुताबिक यह लीग खिलाड़ियों के लिए खुद को साबित करने का एक बड़ा मंच बन चुकी है।

महिलाओं को आगे बढ़ने का यह अच्छा मौका

रोहित शर्मा ने यह भी कहा कि पिछले सीजन की शानदार सफलता के बाद इस टूर्नामेंट का फिर से आयोजन होना बहुत अच्छी बात है। वह खुद भी पिछले सीजन में इससे जुड़े थे और उन्होंने देखा कि इसे आयोजित करना आसान काम नहीं था। इस लीग को सफल बनाने के लिए मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के सभी सदस्यों को श्रेय मिलना चाहिए। इस साल यह टूर्नामेंट और भी बड़ा हो गया है, क्योंकि इसमें तीन महिला टीमें भी शामिल की गई हैं।

इंग्लैंड ने जीता खिताब, भारतीय महिला टीम रही उपविजेता

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम को शनिवार को खेले गये एफआईएच हॉकी वर्ल्डकप 2026 क्वालिफायर के फाइनल में इंग्लैंड से हार के बाद दूसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा। हार के बावजूद भारतीय टीम ने बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

आज यहां जीएमसी बालयोगी हॉकी ग्राउंड पर हुए फाइनल में भारतीय टीम इंग्लैंड से 0-2 से हार गई। इंग्लैंड के लिए ग्रेस बाल्सडन ने (13वें) और एलिजाबेथ नील ने (43वें) मिनट में गोल किए।

भारत ने खेल की शुरुआत जोरदार तरीके से की। नवनीत कौर ने शुरुआती दो मिनट के अंदर ही अपनी टीम को एक पेनल्टी कॉर्नर दिलाने में मदद की। हालांकि भारतीय टीम के प्रयास को इंग्लैंड की गोलकीपर ने विफल कर दिया। मेजबान टीम ने जबरदस्त अनुशासन दिखाया। उन्होंने अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत बनाए रखा और साथ ही विरोधी टीम के पाले में भी सेंध लगाने की कोशिशें कीं। पहले क्वार्टर के आखिर में इंग्लैंड ने खेल पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली और दो मिनट बाकी रहते एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। ग्रेस बाल्सडन (13%) ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में पेनल्टी कॉर्नर से पांचवां गोल दागते हुए इंग्लैंड को बढ़त दिला दी।

दूसरा क्वार्टर भी पहले क्वार्टर जैसा ही रहा। इस रोमांचक मुकाबले में दोनों टीमों ने एक-दूसरे को अधिक मौके नहीं दिए। पहले हाफ में आठ बार सर्कल में घुसने के बावजूद, भारत इंग्लैंड की रक्षापंक्ति पर दबाव तो बना रहा था, लेकिन वे इंग्लैंड की गोलकीपर की असली परीक्षा नहीं ले पाए। इस वजह से मेहमान टीम हाफ टाइम तक अपनी एक गोल की बढ़त बनाए रखने में कामयाब रही। बढ़त हासिल करने के बाद, इंग्लैंड ने गेंद को कुशलता से घुमाते हुए और उस पर अपना कब्जा बनाए रखते हुए खेल की रफ्तार को नियंत्रित किया। भारत को दबाव बनाने के कुछ मौके मिले, लेकिन मेहमान टीम की रक्षापंक्ति मजबूती से डटी रही। आखिरकार, एलिजाबेथ नील (43वें) मिनट में किये गये बदौलत इंग्लैंड की बढ़त को दोगुना कर दिया। मिडफील्डर एलिज़ाबेथ भाग्यशाली रहीं, क्योंकि उनकी लगाई शॉट एक भारतीय डिफेंडर से टकराकर बिचू देवी को छकाते हुए गोल में चली गई। इसके साथ ही तीसरे क्वार्टर के आखिर में इंग्लैंड 2-0 से आगे हो गया।

भारत ने एक ऐसे गोल की तलाश में आगे बढ़ना जारी रखा, जो उन्हें मैच में वापस ला सके। स्कोर अपने पक्ष में होने के बावजूद, इंग्लैंड ने अपना सकारात्मक रवैया बनाए रखा और यह सुनिश्चित किया कि वे रक्षात्मक होकर मेजबान टीम को कोई मौका न दें। यह एक बेहद खुला और तेज़-तर्रार अंतिम क्वार्टर था, जिसमें मैच के आखिरी पलों में भारत को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला। हालांकि, वे गोल करने में नाकाम रहे और अंततः उन्हें 2-0 से हार का सामना करना पड़ा।

दिन में इससे पहले इटली को 1-0 से हराकर स्कॉटलैंड ने तीसरा स्थान हासिल किया। स्कॉटलैंड के लिए एमी कोस्टेलो ने मैच का एकमात्र गोल किया, जिससे स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल करने में मदद मिली।

पांचवें / छठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में वेल्स को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट में पांचवां स्थान पक्का कर लिया। वहीं ऑस्ट्रिया ने दक्षिण कोरिया को शूटआउट में हराकर सातवां स्थान हासिल किया।

उरुग्वे ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पांचवें / छठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में वेल्स को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट में पांचवां स्थान हासिल किया। उरुग्वे के लिए टेरेसा वियाना ने (23वें), मैग्डालेना वेर्गा ने (36वें) और लूपे कुरुत्चागुए ने (57वें) मिनट में गोल किए।

दिन के एक अन्य मैच में ऑस्ट्रिया ने सातवें और आठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में दक्षिण कोरिया पर 1-1 से ड्रा के बाद शूटआउट में (2-1) से जीत के साथ सातवां स्थान हासिल किया।

ऑस्ट्रिया के लिए क्रिस्टीन वुकोविच ने (तीसरे) मिनट में गोल किया, जबकि कप्तान ली यूरी ने (31वें) मिनट में दक्षिण कोरिया को बराबरी पर ला दिया। शूटआउट में दोनों गोलकीपरों का प्रदर्शन असाधारण रहा, लेकिन यह माइकला स्ट्रेब थीं जिन्होंने ऑस्ट्रिया की जीत सुनिश्चित की, और कार्ला केम्पर ने अपनी टीम के लिए विजई गोल किया।

बीसीसीआई ने फिक्सिंग में फंसे वीडियो एनालिस्ट राजा पर लगाया आजीवन प्रतिबंध

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रणजी ट्रॉफी मैच में फिक्सिंग को देखते हुए वीडियो एनालिस्ट राजा रेड्डी पर प्रतिबंध लगा दिया है। बोर्ड ने इस एनालिस्ट को भ्रष्ट तरीके अपनाने के लिए आजीवन प्रतिबंधित कर दिया है। प्राप्त जानकार के अनुसार बीसीसीआई की एक समिति ने बोर्ड की एंटी-करप्शन विंग की जांच के बाद वीडियो एनालिस्ट राजा पर ये प्रतिबंध लगाया है। ये मामला फरवरी, 2024 की है उस समय इंदौर में आंध्र और मध्य प्रदेश के बीच हुए रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल मैच में राजा रेड्डी ने आंध्र के खिलाड़ी गिरिनाथ रेड्डी से फिक्सिंग के लिए संपर्क किया था। राजा उस क्वार्टर फाइनल मैच में बीसीसीआई के एनालिस्ट थे। वह पीएमओव से मान्यता प्राप्त थे और उन्हें थर्ड अंपायर और मैच रेफरी के लिए तय कमरे में बैठने की अनुमति थी। आंध्र टीम मैनेजर की शिकायत के बाद एसीयू अधिकारी ने इस मामले में कदम उठाये। आंध्र टीम के खिलाड़ी गिरिनाथ ने एसीयू को दिए बयान में बताया कि मैच से एक दिन पहले राजा ने उनसे अंतिम ग्यारह की जानकारी मांगी और दो ओवर में पांच रन देने के बदले 5 लाख रुपये का प्रस्ताव रखा। इस दौरान व्हाट्सएप कॉल और चैट हिस्ट्री से पता चला कि राजा ने बार-बार गिरिनाथ से संपर्क करने का प्रयास किया पर गिरिनाथ ने साफ मना कर दिया और कहा कि वह यह घटना अपने टीम मैनेजर को बताएंगे।

विश्व कप हीरो संजू सैमसन को केरल सरकार करेगी सम्मानित, 16 मार्च को आयोजित होगा विशेष कार्यक्रम

तिरुवनंतपुरम। भारतीय क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप 2026 में चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को उनके गृह राज्य केरल की सरकार द्वारा 16 मार्च को सम्मानित किया जाएगा। इसकी पुष्टि केरल सरकार के खेल मंत्रालय ने की है। मंत्रालय के मुताबिक, राज्य सरकार टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य और टूर्नामेंट के श्रेष्ठ खिलाड़ी रहे संजू सैमसन को सम्मानित करेगी। सम्मान समारोह 16 मार्च को शाम 4 बजे तिरुवनंतपुरम सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान करेंगे। इसके अलावा, राज्य सरकार के अन्य मंत्री और विभागों के मुख्य सचिव और गणमान्य अतिथि कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। राज्य खेल मंत्रालय ने संजू सैमसन के स्वागत के लिए शानदार इंतजाम किया है। इससे पहले विश्व कप के बाद पहली बार तिरुवनंतपुरम पहुंचने पर एयरपोर्ट पर संजू सैमसन का गर्मजोशी से स्वागत किया गया था। संजू सैमसन टी20 विश्व कप 2026 में अपने प्रदर्शन के दम पर सबसे अहम और चर्चित खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। टूर्नामेंट के शुरुआती चरण के अधिकांश मैचों से बाहर रहे सैमसन को टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर-8 मैच में टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में मौका मिला था। उस मैच में सैमसन ने 15 गेंदों पर 24 रन बनाए थे। इस छोटी पारी में उनका आत्मविश्वास साफ दिखा था। इसके बाद अगले तीन मैचों में संजू सैमसन की खेली तीन यादगार पारियों ने न सिर्फ भारतीय टीम को विश्व चैंपियन बनाने में सबसे अहम भूमिका अदा की, बल्कि उनका नाम भी इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित करा दिया। वेस्टइंडीज के खिलाफ क्वार्टरफाइनल जैसे मुकाबले में 50 गेंदों पर नाबाद 97 रन की पारी खेल सैमसन ने भारतीय टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया था। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 42 गेंदों पर 89 रन की पारी खेल इस दाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज ने टीम इंडिया को फाइनल का टिकट दिलाया। फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 46 गेंदों पर 89 रन की पारी खेल भारत की खिताबी जीत की पटकथा लिखी।

इंडियन वेल्स ओपन: सेमीफाइनल में मेदवेदेव ने अल्काराज को हराया, फाइनल में होगा सिनर का मुकाबला

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। डेनियल मेदवेदेव ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए इंडियन वेल्स ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल में मेदवेदेव ने दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज को 6-3, 7-6(3) से हराकर फाइनल में जगह बनाई। 2026 में लगातार 16 मैच जीतने के बाद अल्काराज की यह पहली हार थी।

मेदवेदेव ने 2024 इंडियन वेल्स चैंपियनशिप मैच के बाद अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में जगह बनाई है। मेदवेदेव ने आक्रामकता के साथ मैच में कदम रखा था। सटीक ग्राउंडस्ट्रोक और लगातार सर्विंग से रैलियों को नियंत्रित किया। शुरुआती सेट में अल्काराज की सर्विस तोड़ी और डीप रिटर्न और सॉलिड बेसलाइन प्ले से दबाव बनाए रखा।

अल्काराज, जिन्होंने 2023 और 2024 दोनों में इंडियन वेल्स फाइनल में मेदवेदेव को हराया था, ने दूसरे सेट में

वापसी करने की कोशिश की, लेकिन दबाव में मेदवेदेव का शांत रहना अहम साबित हुआ। 4-5 पर दो सेट पॉइंट का सामना करते हुए, रूसी खिलाड़ी ने मजबूत सर्व की और स्पेन के खिलाड़ी से गलतियाँ करवाईं, आखिरकार सेट को टाई-ब्रेक तक ले गए। वहां पहुंचने के बाद, मेदवेदेव ने अपनी रफ्तार बनाए रखी। उन्होंने अपने बनाए दोनों ब्रेक मौकों को भुनाया और अपने सामने आए पांच में से चार ब्रेक पॉइंट जीते। उन्होंने अपनी दूसरी सर्व के पीछे भी दबदबा बनाया, और उन पॉइंट्स में से 74 प्रतिशत जीते।

जीत के बाद मेदवेदेव ने कहा कि अल्काराज का सामना करना एक चुनौती है। इस नतीजे से मेदवेदेव को इस सीजन में अपनी टूर-लीडिंग 18वीं जीत मिली है। वह साल के अपने तीसरे फाइनल में पहुंच गए हैं। 30 साल के मेदवेदेव पहले ही 2026 में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल और दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में टाइटल जीत चुके हैं। वह इस सीजन में फाइनल में अपने परफेक्ट रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाना चाहेंगे।

रूसी खिलाड़ी मेदवेदेव का फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी जानिक सिनर से होगा। सिनर ने अलेक्जेंडर जेवरेव को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। सिनर ने चौथे सीड जेवरेव को 6-2, 6-4 से हराकर सेमी-फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। इटैलियन खिलाड़ी ने बेसलाइन से कॉन्फिडेंस के साथ स्ट्राइक किया और अपनी पहली सर्व के पीछे 83 प्रतिशत अंक जीते। इस जीत ने जेवरेव पर सिनर की लगातार छठी टूर-लेवल जीत को मार्क किया और इंडियन वेल्स फाइनल में उनकी पहली एंट्री पक्की कर दी। वह टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले पहले इटैलियन खिलाड़ी बन गए हैं।

भारत अंडर 17 महिला टीम की म्यांमार पर रोमांचक जीत

यंगून। पामेला कोंटी के सब्स्टीट्यूट ने अहम भूमिका निभाई, जिसमें इंडियन अंडर 17 महिला टीम ने शनिवार को यांगून के थुवुन्ना स्टेडियम में दो इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों में से दूसरे मैच में म्यांमार को 3-2 से हराकर शानदार वापसी की। पहले हाफ के आखिर में मेज़बान टीम ने ह्लिन विंट वार क्याव (12') और मिन हटोन मे ज़टिर (45') की मदद से बढ़त बनाई, जिन्होंने अल्वा देवी सेनजाम (33') के बराबरी के गोल के बाद गोल किए। दूसरे हाफ में, इंडिया की सब्स्टीट्यूट अनुष्का कुमारी (88') और जोया (90 1') ने कमबैक जीत पूरी की। यह मैच आने वाले एफसी अंडर 17 महिला एशियन कप के लिए इंडिया की तैयारियों का हिस्सा था, जो 1 मई से 17 मई तक चीन के सूज़ौ में होना है। म्यांमार, जिसने कॉन्टिनेंटल टूर्नामेंट के लिए भी क्वालिफ़ाई किया है, इन मैचों का इस्तेमाल अपनी तैयारियों के हिस्से के तौर पर कर रहा है। इंडिया ने इससे पहले गुरुवार को पहला फ्रेंडली मैच 2-0 से जीता था।

धोनी के बिना सीएसके की कल्पना मुश्किल, यह उनका आखिरी आईपीएल सीजन हो सकता है : इरफान पठान

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि एमएस धोनी के बिना चेन्नई सुपर किंग (सीएसके) और इंडिन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की कल्पना करना बेहद मुश्किल है। हालांकि उन्होंने संकेत दिया कि आईपीएल 2026 संभवत : धोनी का आखिरी सीजन हो सकता है। पठान ने एक बातचीत में कहा कि धोनी अब टीम के भविष्य को तैयार करने की भूमिका निभा सकते हैं और युवा खिलाड़ियों को नेतृत्व के लिए तैयार करेंगे। पठान के अनुसार, धोनी की मौजूदगी मैदान के अंदर ही नहीं बल्कि ड्रेसिंग रूम में भी टीम के लिए बेहद अहम होती है। उन्होंने कहा कि भले ही यह साफ नहीं है कि धोनी इस सीजन में कितने मुकाबले खेलेंगे, लेकिन उनकी उपस्थिति टीम के युवा खिलाड़ियों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। पठान का मानना है कि धोनी फ्रेंचाइजी के भविष्य के नेताओं को तैयार करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि टीम में सजू सैमसन और रुतुराज ग्वायकाड़ जैसे खिलाड़ियों को नेतृत्व समूह का हिस्सा बनाया जा सकता है। रुतुराज पहले से ही टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ी और संभावित लीडर माने जाते हैं। पठान के मुताबिक फ्रेंचाइजी भविष्य को ध्यान में रखते हुए दो या तीन खिलाड़ियों को नेतृत्व की जिम्मेदारी के लिए तैयार कर रही है, ताकि आने वाले वर्षों में टीम मजबूत बनी रहे।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने संन्यास लिया

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया। 38 साल के सरफराज के संन्यास लेने की पुष्टि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी की है। सरफराज पाकिस्तान के अकेले ऐसे कप्तान हैं जिन्होंने भारत के खिलाफ आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में टीम को जीत दिलायी है। सरफराज ने पाकिस्तान के लिए तीनों प्रारुपों में खेला है। उन्होंने अपने करियर में 54 टेस्ट, 117एकदिवसीय और 61 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। इन मैचों में उन्होंने कुल 6,164 रन बनाए, जिसमें 6 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। विकेटकीपर के तौर पर भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा और उन्होंने विकेट के पीछे 315 कैच और 56 स्टंपिंग की।

सरफराज ने तीनों फॉर्मेट मिलाकर 100 अंतरराष्ट्रीय मैचों में टीम की कप्तानी की। उनकी कप्तानी में पाकिस्तान ने टी20 क्रिकेट में नंबर-1 रैंकिंग हासिल की। इसके अलावा टीम ने लगातार 11 टी20 सीरीज जीतने का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया और कई टीमों के खिलाफ क्लीन स्वीप किया।

सरफराज ने टीम को 2017आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में जीत दिलायी थी। उनकी कप्तानी में पाकिस्तान ने फाइनल में भारत को 180 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया था। इस जीत के साथ सरफराज पाकिस्तान के पहले कप्तान बने जिन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता।

सरफराज की कप्तानी में टीम ने आईसीसी अंडर -19 विश्वकप में भी जीत दर्ज की थी। 2007 में किया था डेब्यू, 2023 में खेला आखिरी मैच

सरफराज अहमद ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच 2007 में वनडे के रूप में खेला था। वहीं उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में खेला था।संन्यास की घोषणा करते हुए सरफराज अहमद ने कहा कि पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। उन्होंने अपने साथियों, कोच, परिवार और फैंस का धन्यवाद किया।

वेल्स को 3-0 से हराकर उरुग्वे हॉकी विश्वकप क्वालिफायर में पांचवें स्थान पर

हैदराबाद। उरुग्वे ने शनिवार को पांचवें / छठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में वेल्स को 3-0 से हराकर एफआईएच हॉकी विश्व कप क्वालिफायर 2026 में पांचवां स्थान पक्का कर लिया। वहीं ऑस्ट्रिया ने दक्षिण कोरिया को शूटआउट में हराकर सातवां स्थान हासिल किया। आज यहां जी. एम. सी. बालयोगी हॉकी ग्राउंड (गाचीबॉवली हॉकी कॉम्प्लेक्स) में उरुग्वे ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पांचवें / छठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में वेल्स को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट में पांचवां स्थान हासिल किया। उरुग्वे के लिए टेरेसा वियाना ने (23वें), मैग्डालेना वेर्गा ने (36वें) और लूपे कुरुत्चागुए ने (57वें) मिनट में गोल किए। दिन के एक अन्य मैच में ऑस्ट्रिया ने सातवें और आठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में दक्षिण कोरिया पर 1-1 से ड्रा के बाद शूटआउट में (2-1) से जीत के साथ सातवां स्थान हासिल किया। ऑस्ट्रिया के लिए क्रिस्टीन वुकोविच ने (तीसरे) मिनट में गोल किया, जबकि कप्तान ली यूरी ने (31वें) मिनट में दक्षिण कोरिया को बराबरी पर ला दिया। शूटआउट में दोनों गोलकीपरों का प्रदर्शन असाधारण रहा, लेकिन यह माइकला स्ट्रेब थीं जिन्होंने ऑस्ट्रिया की जीत सुनिश्चित की, और कार्ला केम्पर ने अपनी टीम के लिए विजई गोल किया।

‘छाप तिलक’ दिल के करीब

अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की अपकमिंग फिल्म ‘गिन्नी वेड्स सनी 2’ का पहला गाना ‘छाप तिलक’ रिलीज हो चुका है। यह गाना रिलीज होते ही दर्शकों का दिल जीत रहा है। मेधा शंकर ने कहा कि यह गाना उनके दिल के बहुत करीब है और इसकी एनर्जी बेहद खास है। गाने में पारंपरिक भावना और मॉडर्न बीट्स का मेल है। फिल्म के पोस्टर लॉन्च के बाद मेकर्स ने इस हाई-एनर्जी ट्रैक को सोनी म्यूजिक के जरिए सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध कराया है। गाने में अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की जोड़ी की जबरदस्त केमिस्ट्री दिखाई देती है। साथ ही रैपर पैराडॉक्स की एंट्री गाने में आधुनिक टच जोड़ती है। तीनों की एनर्जी और मजेदार हुक स्टेप हैं। मेधा शंकर ने गाने की रिलीज पर खुशी जताते हुए कहा, ‘मैं बहुत खुश हूं कि अब सब ‘छाप तिलक’ सुन पाएंगे। फिल्म का पहला गाना होने से इसकी एनर्जी बहुत खास है। यह मेरे दिल के करीब है और मैं खुद भी इस पर बार-बार थिरक रही हूं। हीर और अमान नूर ने इसे शानदार बनाया है। पैराडॉक्स के रैप ने और खास कर दिया। मुझे पूरा यकीन है कि यह इस सीजन का बड़ा डांस ट्रैक बनेगा।

अविनाश तिवारी ने कहा, ‘फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में संगीत बहुत महत्वपूर्ण होता है। ‘छाप तिलक’ हमारे लिए वही काम करता है। उम्मीद है कि यह लोगों की प्लेलिस्ट में जगह बनाएगा, जैसे मेरी प्लेलिस्ट में बना चुका है। सुनते ही खुद को नाचने से रोकना मुश्किल होगा।’ यह गाना अमीर खुसरो के क्लासिक ‘छाप तिलक सब छीनी’ पर आधारित है, जिसे सिंगर-कंपोजर हीर ने गाया है। यह उनका बॉलीवुड डेब्यू है। अमान नूर ने कंपोजिशन और बोल लिखे हैं, जबकि पैराडॉक्स ने रैप से नया रंग भरा है। हीर ने कहा, ‘हमने कोशिश की कि गाने में आत्मा भी रहे और डांस फ्लोर की एनर्जी भी। अमान के साथ काम और पैराडॉक्स का रैप इसे शानदार बना देता है।’

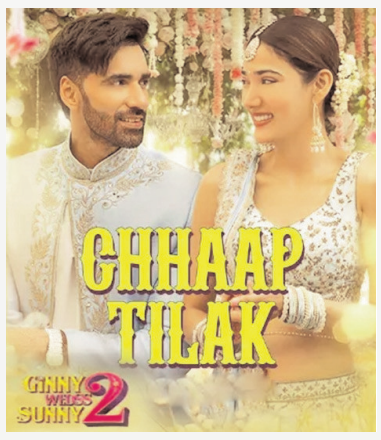

पति को मेरे सेट पर आना बोरिंग लगता है, वो और मैं काम के लिए एक-दूसरे की इजाजत नहीं लेते

तापसी पन्नू ने अपने करियर की शुरुआत भले साउथ की फिल्मों से की मगर बहुत जल्द ही बेबी और पिंक जैसी फिल्में करके उन्होंने जता दिया कि सिनेमा को लेकर उनकी चॉइस अर्थपूर्ण है। आगे चलकर उन्होंने नाम शबाना, सांड की आंख, मनमर्जियां, थप्पड़ जैसी कई फिल्मों में महिला मुद्दों को मुखर किया।

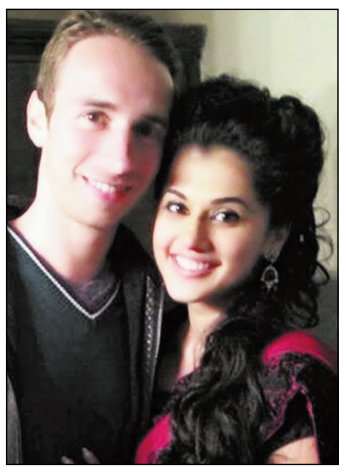

आपने अपने सिनेमा के जरिए लड़कियों के कन्सेंट, वुमन एम्पावरमेंट, घरेलू हिंसा और बलात्कार जैसे कई मुद्दों को छुआ है, अब ऐसा कौन-सा मुद्दा है, जिसे आप अपनी फिल्मों के जरिए दर्शकों तक पहुंचाना चाहती हैं?

ईमानदारी से कहूं तो ऐसा कोई खास मुद्दा मेरे जहन में फिलहाल है नहीं। मेरे पास दो -तीन स्क्रिप्ट हैं, जो किसी धारणा को डायरेक्टली और किसी को इनडायरेक्टली इंगित करती हैं। हमेशा से कहानियों एक नाता सीख से रहा है। बचपन से यही सीखा है, तो तो मेरी एंटरटेनमेंट से भी यही अपेक्षा होती है। हालांकि कई बार सिनेमा महज मनोरंजन के लिए भी बनाया जाता है और मुझे लगता है, वो भी देखा जाना चाहिए। मैं उम्मीद करती हूं कि अस्सी चल जाए और मैं अपने मिजाज का सिनेमा बना सकूं।

आपने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि बॉलिवुड में हीरोइन्स आसानी से रीप्लेस हो जाती हैं?

जी हां बिलकुल हो जाती हैं। मुझे लगता है हीरोइन ही क्यों? कोई भी कलाकार रिप्लेस किया जा सकता है। हमें कभी भी खुद को इतना बड़ा नहीं मानना चाहिए कि हम रिप्लेस नहीं हो सकते। आसानी और मुश्किल का जो भेद है, उसे बनाए रखना चाहिए। आपने अगर अपनी मजबूत जगह बना ली है, तो आपको हिलाना मुश्किल हो सकता है, वो हम एक्टर्स के हाथ में होता है कि हम किस रंग के कलाकारों के साथ खड़े होते हैं, हम किन चरित्रों के लिए जाने जाते हैं।

एक निर्माता बनने पर आपने किन चुनौतियों का सामना किया है?

मैंने कई चुनौतियों का सामना किया है और अभी भी कर रही हूं। ऐसा होता है न कि आपके पास ये कहानी है, तो कोई बड़ा नाम लेकर आइए। बड़े नाम के साथ बड़े खर्चे भी आते हैं, मगर जिस तरह की फिल्में मैं चुनती हूं, उतना उन्हें मिलता नहीं है। इतना बड़ा स्टार इस फिल्म में क्यों आएगा? क्योंकि इसकी तो छोटे बजट की फिल्म है।ये सब उन्हीं कलाकारों को सूट करती हैं, जिनसे आप बड़े स्टार वाली उम्मीदें लेकर नहीं घुसते।

आपके पति (अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियास बो) एक अलग क्षेत्र से हैं, आप लोग एक -दूसरे के प्रोफेशन में कितनी रुचि लेते हैं?

हम जब इंसान के रूप में एक -दूसरे में रुचि लेते हैं, तो हमारा प्रोफेशन तो हमारी जिंदगी का हिस्सा है, तो हम उसमें भी इंटरेस्ट लेते हैं, मगर इतनी भी नहीं कि हम दिन-रात उसी की चर्चा करें। मैं उनके मैच देखती हूं, मुझे जानकारी होती है कि वे किसे कोच कर रहे हैं। अब वो फुलटाइम प्लेयर नहीं हैं। वे कई बार मेरे साथ आउटडोर लोकेशन पर होते हैं, हालांकि वो सेट पर कभी नहीं आते। उन्हें सेट पर आना बहुत बोरिंग लगता है, मगर मेरे साथ समय बिताने के लिए वे मेरे साथ होते हैं। हम दोनों का एक बेहद अच्छा तरीका है, एक-दूसरे के साथ ग्रो करने का। हमें अपने प्रोफेशन को लेकर एक-दूसरे से परमिशन नहीं मांगनी होती। अपने काम के फैसले हमारे अपने होते हैं, मगर अहम उन फैसलों का साथ देते हैं। अच्छा ही है कि हम एक ही क्षेत्र से नहीं हैं।

अदिवि शेष-मृणाल की फिल्म ‘डकैत’ की बदली रिलीज डेट

फिल्म ‘धुरंधर 2’ का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह इंतजार आगामी 19 मार्च को पूरा हो रहा है। इसी दिन पहले अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की ‘डकैत’ भी रिलीज होने वाली थी। मगर, अब ऐसा नहीं होगा। सिनेमाघरों में ‘धुरंधर 2’ और ‘डकैत’ की भिड़ंत नहीं होगी। ‘डकैत’ के मेकर्स ने रिलीज से हफ्तेभर पहले तारीख बदल दी है। जानिए अब ‘डकैत’ कब दस्तक देगी?

अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की फिल्म ‘डकैत’ के लिए दर्शकों को अभी और इंतजार करना होगा। इसकी रिलीज डेट अगले महीने यानी अप्रैल में खिसका दी गई है। यह फिल्म अब 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

अब बॉक्स ऑफिस पर नहीं होगा महाक्लैश

फिल्म ‘डकैत’ से पहले यश अभिनीत ‘टॉक्सिक’ की रिलीज डेट में भी बदलाव किया गया है। पहले ‘टॉक्सिक’ भी ‘धुरंधर 2’ के साथ ही 19 मार्च को सिनेमाघरों में सजने वाली थी। मगर, ‘टॉक्सिक’ अब जून 2026 तक आगे बढ़ गई है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी रणवीर सिंह अभिनीत ‘धुरंधर 2’ से ‘टॉक्सिक’ और ‘डकैत’ के बॉक्स ऑफिस क्लैश पर दर्शकों की निगाह टिकी थी। मगर, अब यह टकराव नहीं होगा।

अनुराग कश्यप भी होंगे फिल्म का हिस्सा

मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव का आधिकारिक एलान किया। यह फिल्म अब 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। एक्टर अदिवी सेश ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से यह जानकारी साझा की है। नई तारीख अनाउंस करते हुए अदिवि ने लिखा, ‘गोल्डफिश 10 अप्रैल को। दुनिया भर के थिएटर्स में’। फिल्म में अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर लीड रोल में हैं। साथ ही उन्होंने फिल्म की राइटिंग पर भी काम किया है। इस फिल्म में फिल्ममेकर अनुराग कश्यप भी अहम रोल में होंगे।

एक्टिंग से ब्रेक लेंगे वरुण धवन, परिवार को समय देंगे

फिल्म ‘बॉर्डर 2’ में वरुण धवन की एक्टिंग को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब एक्टर की अगली फिल्म भी जल्द रिलीज होने वाली है। मगर इससे पहले ही वरुण एक लंबे ब्रेक पर जा सकते हैं। साथ ही उन्होंने यह तैयारी भी कर ली है कि वो इन फुरसत के पलों को कैसे बिताएंगे? इस साल वरुण धवन की कई फिल्में रिलीज हुई हैं। साल के शुरुआत में रिलीज हुई ‘बॉर्डर 2’ में एक्टर को काफी पसंद किया गया था। इसके बाद से ही उन्हें फैंस का खूब प्यार मिल रहा है। इसी बीच फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वरुण जल्द ही एक्टिंग से लंबा ब्रेक लेने वाले हैं। इसके लिए उन्होंने काफी कुछ सोच रखा है। रिपोर्ट के मुताबिक वरुण पहले ‘बॉर्डर 2’ की शूटिंग और फिर प्रमोशन में काफी व्यस्त थे। अब वो अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। एक्टर अपनी बेटी लारा के साथ रहना चाहते हैं। इसके चलते ही वो कुछ वक्त के लिए काम से दूरी बना सकते हैं। इस दौरान वह पूरी तरह से अपनी बेटी और परिवार को समय देंगे।

‘ओह माय गॉड 3’ का हिस्सा नहीं होंगी रानी मुखर्जी

अक्षय कुमार ‘ओह माय गॉड’ की फ्रैंचाइजी में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। ‘ओह माय गॉड 2 के बाद अब तीसरी फिल्म की नई कहानी तैयार हो रही है। यह फिल्म हिंदू पौराणिक कथाओं पर आधारित होगी। अक्षय कुमार फिर से डायरेक्टर अमित राय के साथ काम करेंगे। फिल्म की शूटिंग 2026 के बीच में शुरू होने की उम्मीद है। इसका अस्थायी नाम ‘ओह माय गॉडेस’ बताया जा रहा है। पहले रानी मुखर्जी के बारे में खबरें आई थीं कि वे इस फिल्म में मुख्य महिला भूमिका निभाएंगी।

कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि रानी को ऑफर मिला था, उन्होंने कहानी सुनी और इच्छुक भी थीं। अक्षय और रानी के बीच अच्छी दोस्ती है, इसलिए दोनों साथ काम करने के लिए उत्साहित थे, लेकिन वैरायटी इंडिया की एक खबर के अनुसार, रानी मुखर्जी ओह माय गॉड 3 का हिस्सा नहीं हैं। इसलिए फैंस को अक्षय और रानी को साथ देखने के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। ओह माय गॉड 3- इस फिल्म में अक्षय कुमार नजर आएंगे, लेकिन अभिनेत्री की तलाश अभी भी जारी है। हाल ही में रानी मुखर्जी ‘मर्दानी 3’ में नजर आईं। इसमें उन्होंने पुलिस वाली भूमिका निभाई। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 51 करोड़ रुपये की कमाई की। जानकारी के अनुसार, अब रानी अभिनेता शाहरुख खान के साथ फिल्म ‘किंग’ में नजर आ सकती हैं।

....बेटे के जन्म के बाद से सब अच्छा हो रहा है

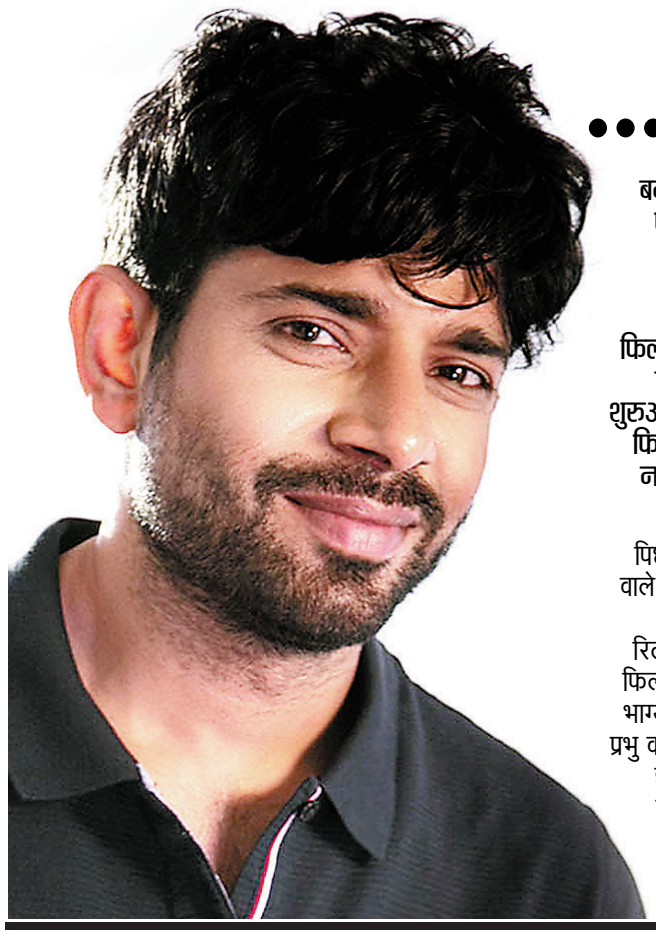

बनारस से बॉलिवुड में किस्मत आजमाने पहुंचे ऐक्टर विनीत कुमार सिंह को एक लंबा संघर्ष देखना पड़ा, लेकिन अब आखिरकार उनकी प्रतिभा की कद्र होने लगी है। बीते साल उन्हें छावा, सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव और जैसी फिल्मों और वेब सीरीज रंगीन में उम्दा अदाकारी के लिए खूब सराहा गया। वहीं, इस साल की शुरुआत में भी वह वेब सीरीज हैलो बच्चों में चर्चित फिजिक्स टीचर अलख पांडे की लीड भूमिका में नजर आने वाले हैं। विनीत इस अच्छे वक्त का श्रेय अपने सात महीने के बेटे को भी देते हैं।

पिछले साल पिता बनने के सुख का अनुभव करने वाले विनीत कहते हैं, ‘मेरे बेटे का जन्म 24 जुलाई को हुआ और 25 जुलाई को मेरा शो (रंगीन) रिलीज हुआ तो कमाल ही है। पिछले साल मेरी 8 फिल्में/सीरीज रिलीज थीं तो मैंने सुना था कि बच्चे भाग्य लेकर आते हैं, अब खुद अनुभव कर रहा हूं। प्रभु करें ऐसा ही चलता रहे। बाकी, अच्छा लगता है। हालांकि, हाल ही में मुझे शॉक लगा, क्योंकि मैं राजस्थान में शूट कर रहा था। जब गया था तो दाढ़ी थी, आया तो दाढ़ी नहीं है और वह मेरी गोद में ही नहीं आ रहा था। तब मैंने अपनी आवाज से उसे खुद को पहचनवाने की कोशिश की।’

पैदा होते ही शिक्षा का साथ हो गया था

विनीत की सीरीज ‘हैलो बच्चों’ शिक्षा पर आधारित है। खुद ग्रेजुएशन टॉपर और डॉक्टरी की पढ़ाई करने वाले विनीत ने शिक्षा की अहमियत कब समझी? इस पर वह हंसते हुए कहते हैं, ‘जब धरती पर आया, तभी समझ गया था, क्योंकि जब मेरे पिता जी ने मुझे अपनी गोद में लिया तो मैं एक गणितज्ञ की गोद में था। ’ वह आगे कहते हैं, ‘मैंने बेशक यूनिवर्सिटी में टॉप किया था पर मुझे बनना हमेशा से ऐक्टर था।’

डॉक्टर सुनकर लोग सोचते लड़का भटक गया है

एक वक्त था, जब विनीत कुमार सिंह का डॉक्टर होना ऐक्टिंग की राह में रोड़ा भी बना। इंडस्ट्री वालों को लगता था ये पढ़ा-लिखा आदमी कहां ऐक्टिंग में आ रहा है। इसलिए वह अपनी डॉक्टरी की बात छिपाने भी लगे थे। इस बारे में वह बताते हैं, ‘असल में जब मैं इस शहर में आया था, तब किसी को जानता नहीं था। एक भी इंसान ऐसा नहीं था, जो फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहा हो, जिसे मैं जानता था। मेरे सारे दोस्त डॉक्टर, इंजीनियर या खिलाड़ी थे तो जब कोई पूछता था कि क्या किया है और मैं उन्हें बताता था कि मेडिकल कॉलेज में हूं, पढ़ रहा हूं, तो उन्हें हैरत होती कि डॉक्टर हो?

टीचर के ऊपर दो सीरीज बनीं

मशहूर फिजिक्स टीचर अलख पांडे और उनकी कोचिंग फिजिक्स वाला पर पहले भी एक सीरीज बन चुकी है। ऐसे में, उस पर दूसरी सीरीज को लेकर विनीत का कहना है, ‘यह बड़ी अच्छी बात है कि एक टीचर के ऊपर दो तरीके से हम कुछ बना रहे हैं और उसे लोगों तक पहुंचा रहे हैं। इसके लिए, मेकर्स को सराहना चाहिए, क्योंकि हमने बहुत सारी लव स्टोरी देखी हैं। अंडरवर्ल्ड की कहानियां देखी हैं। बहुत सारे कॉप की कहानियां देखी हैं लेकिन टीचर जो राष्ट्र का भविष्य तय करता है, जो बुनियाद बनाता है, उस पर कितनी कहानियां बनती हैं। यह बहुत खुशी की बात है कि एक टीचर के ऊपर दो कहानियां बनी हैं।’

ओटीटी ने सभी को खूब काम दिया

विनीत बड़े पर्दे और ओटीटी पर समान रूप से सक्रिय हैं। क्या उन्हें लगता है कि ओटीटी की लोकप्रियता से थिएटर में दर्शकों की संख्या घटी है? इस पर उन्होंने कहा, ‘देखिए, ऊपर नीचे होता रहता है। वो कहते हैं ना, ‘उत्थान पतन के झूले पर संसार झुलाया जाता है।’ ग्राफ तभी बनता है और उसी से हम सीखते हैं। कुछ नया अडाप्ट करते हैं, नया खोजते हैं, यही जिंदगी है। बेशक मैंने पहली बार फिल्म बड़े पर्दे पर देखी थी। उसका अपना एक इश्क है और वो रहेगा, पर ओटीटी की बात करूं तो फिल्म इंडस्ट्री के मेरे बहुत सारे दोस्त, जिसमें ऐक्टर, डायरेक्टर, डीओपी, राइटर हर विभाग के टेक्निशियन हैं, जो अच्छे थे, मगर पहले कई महीने खाली रहते थे, आज ओटीटी की वजह से सब इतने व्यस्त हैं कि उनके पास डेट नहीं है और यह सुनकर बहुत अच्छा लगता है। ओटीटी पर किसी का भी काम हो, सब तक पहुंचता है। यहां बहुत सारे प्रयोग हो रहे हैं। हम अलग-अलग तरह की कहानियां कह पा रहे हैं, जो बहुत अच्छी बात है।’

हर बच्चा अलग होता है, खास होता है और बेहद प्यारा होता है। अपने बच्चे की परवरिश के दौरान यह जरूर याद रखें। अपने बच्चे को अपनी तरह से जीने के लिए तैयार करें, ना कि किसी दूसरे के बच्चे की तरह। इससे वह भी खुश रहेगा और आप भी।

आपका बच्चा है सबसे खास

शिवानी बचपन में खासी जिद्दी थी। खाना खाने के नाम पर बिस्तर के नीचे घुस जाती। मां और दादी को खूब चिरौरी करके उसे खाना खिलाना पड़ता। अगर उसका स्कूल यूनिफॉर्म जरा सा भी मैला होता, तो वह स्कूल ही जाने से इनकार कर देती। चोटियों की रिबन एक लेवल पर बंधी होनी चाहिए, शूज के लेस अगर उन्नीस-बीस भी बंधे होते, तो वह खड़े-खड़े रोने लगती। शिवानी ने बाद के दिनों में अपनी जिद पर काबू पा लिया। खासकर जब उसकी बेटी रूही हुई, तो उसे लगा कि वह भी उसी की तरह जिद्दी होगी। पर नहीं। रूही जिद्दी नहीं थी, पर अपनी मां की तरह चुप नहीं बैठती थी। तरह-तरह की कहानियां बनाने का गजब का शौक था रूही को। एक दिन अपनी टीचर से कह आई कि मेरी मां रात को परी लोक चली जाती है और सुबह लौट कर आती है। उसने टीचर से यह भी कहा कि उसके घर में एक राक्षस रहता है। टीचर ने शिवानी को बुलवाया और जब उसे रूही की कहानी के बारे में बताया, तो शिवानी चौंक गई। स्कूल के बाल मनोविज्ञान विशेषज्ञ डॉक्टर सी.के. चंद्रा ने बताया कि हर बच्चा अलग होता है। यह जरूरी नहीं कि वह अपने पेरेंट्स की तरह हो। इसलिए हर बच्चे की परवरिश अलग तरह से होनी चाहिए। पेरेंटिंग का वैसे भी कोई तयशुदा फॉर्मूला नहीं होता। अगर बच्चा जिद्दी है, एग्रेसिव है, शर्मीला है या खाने से जी चुराता है, उसे समझाने के लिए आप एक तरह का रवैया नहीं अपना सकते। जरूरी बात तो यह है कि आप अपने बच्चे को वह जैसा है, वैसा ही अपनाएं। उसके मूल स्वभाव को बदलने की कोशिश ना करें। नौ साल की रंजिनी अच्छा गाती थी, पर दूसरों के सामने गाते समय वह हकलाने लगती थी। रंजिनी की मम्मी पायल चाहती थी कि उसकी बेटी संगीत के रियलिटी शो का हिस्सा बने। रंजिनी स्टेज पर पहुंच कर हकलाने लगी और जज ने उसका मजाक बना दिया। इस घटना का रंजिनी पर इतना बुरा असर पड़ा कि वह डिप्रेशन का शिकार हो गई। वह अब किसी से भी बिना हकलाए बोल नहीं पाती। डॉक्टर मधुमती कहती हैं, 'पेरेंट्स अपने बच्चे की तुलना दूसरे बच्चे से करते हैं। यह गलत है। बच्चों से उस बात की अपेक्षा करिए, जो उनकी पहुंच के अंदर हो। किसी भी तरह का अनावश्यक दबाव उन्हें या तो विद्रोही बना देता है या दब्बू।'

आपका बच्चा कैसे है खास?

जब पहली बार अपने मुंह से वह मां कहता है, आपकी जिंदगी बदल जाती है। आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका बच्चा कैसा दिखता है, आपके लिए वह संसार का सबसे अनमोल रत्न है। हर बच्चे की जरूरत अलग होती है। आपका बेटा दिन में सिर्फ दो बार दूध पीता है, बेटी चार बार पीती है। बेटा साइंस में कमजोर है और बेटी को भाषा संबंधी दिक्कतें ज्यादा होती हैं। उनकी जरूरतों और पसंद के हिसाब से आपको उनके भविष्य की तैयारी करनी होगी। दस साल तक के बच्चे लगभग हर बात के लिए पेरेंट्स पर निर्भर करते हैं और सबसे ज्यादा विश्वास अपने माता-पिता पर ही करते हैं।

बच्चों के साथ ये कभी ना करें

बच्चों की छोटी से छोटी समस्या की अनदेखी ना करें। हो सकता है वह आपको अपने से जुड़ी कोई बड़ी बात बताना चाह रहा हो। आपका बच्चा आपकी जिंदगी में रोशनी का काम करता है। पर आप उसका इस्तेमाल अपने स्वार्थ के लिए ना करें। आपका सपना आपका है, बच्चे का नहीं। अगर आप डॉक्टर नहीं बन पाए, तो बच्चे को इसके लिए फोर्स ना करें। वह अगर बनना चाहता है, उसकी दिलचस्पी है, तो उसे आगे बढमने में मदद करें। अपने रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए बच्चों से राजनीति ना करवाएं। बच्चे को घर में दूसरे रिश्तेदारों के खिलाफ ना भडम्काएं। वे इससे कन्फ्यूज्ड हो जाते हैं और अपना संतुलन खो देते हैं। बच्चे की सीमा को जानें। उस पर सीमा से आगे बढ़ने का दबाव ना डालें। अगर आपके बच्चे को कोई तन या मन से जुड़ी समस्या है, तो उसे स्वीकार करें। बच्चे बहुत सेंसिटिव होते हैं और मां-पिता की बेचारगी भांप लेते हैं।

पांच बातें जरूर रखें याद

अगर आपका बच्चा पढ़ाई से जी चुराता है, तो निश्चित ही वह ट्यूशन जाने से भी बचेगा। सबसे पहले यह जानने की कोशिश कीजिए कि उसे पढ़ना क्यों नहीं पसंद? कहीं वह डिस्लेक्सिक या स्लो लर्नर तो नहीं? अगर नहीं, तो वह जब पढ़ने बैठे तो उसके साथ बैठें और उसे आसान शब्दों में समझाने की कोशिश करें। हो सकता है इसकी तैयारी आपको पहले से करनी पड़े। शर्मीले बच्चों को उनकी खोल से निकालने के लिए उन्हें अपने साथ किसी क्लब में या बच्चों के ग्रुप में खेलने ले जाएं। शर्मीले बच्चे धीरे रिएक्ट करते हैं। लेकिन अपना काम बखूबी करते हैं। उनको स्पेस दें और उनके काम की तारीफ करें। आप जितना समय उनके साथ बिताएंगी, वे दूसरों के साथ उतनी जल्दी सहज होते जाएंगे। हाइपर एक्टिव बच्चे को हर वक्त किसी काम में लगाएं। उनको एक दिन पहले ही दूसरे दिन के काम के बारे में बता दें। कभी बागवानी, तो कभी क्राफ्ट, कभी पेंटिंग तो कभी खेल-कूद। इन बच्चों को अगर चुपचाप घर बैठने को कहेंगी, तो ये तोड़-फोड़ मचाना शुरू कर देंगे। इनकी एनर्जी सही जगह पर लगाएं। वैसे हाइपर बच्चे जल्दी ही किसी काम से बोर भी हो जाते हैं, पर जो भी काम करते हैं, दिल से करते हैं। झूठ बोलने वाले या ज्यादा गपबाजी करने वाले बच्चे अपनी दुनिया के शहंशाह होते हैं। इनकी बातों पर बहुत ध्यान ना दें, ना ही गंभीरता से लें। अगर आप रस लेकर उनकी बातें सुनेंगी, उनकी बातों को चटखारे लेकर दूसरों को बताएंगी, तो उनकी यह आदत बढ़ती जाएगी। बात-बात पर रोने वाले या घबरा जाने वाले बच्चों में आत्मविश्वास की कमी होती है। घर का माहौल अगर स्वस्थ नहीं है, कोई बीमार है, झगड़ा ज्यादा होता है या पैसे की तंगी है, तो बच्चों में आत्मविश्वास की कमी होने लगती है। बच्चे पर इनका असर ना पड़ने दें। बच्चे को इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि उसकी स्कूल की फीस कितनी है, उसे घर और स्कूल में पढ़ाई का माहौल चाहिए। वह ऐसे लोगों के बीच रहना चाहता है, जहां वह अपने आपको सुरक्षित महसूस करता हो।

गर्भवती मां की सबसे बड़ी चिंता

भारत में लगभग 87 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं की सबसे बड़ी चिंता यह होती है कि गर्भधारण और बच्चे के जन्म के बाद वो कैसी दिखेंगी। 600 महिलाओं पर किए गए सर्वे के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है। सर्वे में शामिल 76 प्रतिशत महिलाओं ने माना कि प्रेग्नेंसी के दौरान उन्हें कभी-कभी बहुत बुरा लगता है, क्योंकि आसपास के सभी लोगों का सबसे ज्यादा ध्यान होने वाले बच्चे पर होता है, जबकि शारीरिक बदलाव और दर्द के दौर से वो गुजर रही होती है। वहीं, 93 प्रतिशत महिलाओं ने माना कि उन्हें लगता है कि उनके पति चाहते हैं कि बच्चे के जन्म के बाद उनका फिगर पहले जैसा हो जाए। 90 प्रतिशत महिलाओं के लिए सबसे बड़ी चिंता प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाले स्ट्रेच मार्क्स होते हैं।

बस 5 मिनट और आप तैयार

वक्त कम है। ढेर सारा काम है। पर खूबसूरत तो दिखना ही है ना! सिर्फ पांच मिनट में कैसे तैयार हों, ताकि वक्त की कमी आपकी खूबसूरती को निखारने की राह में न आए।

- पांच मिनट के भीतर आप तैयार हो सकती हैं, बशर्ते आपकी आईब्रो सही शेप में हो, आपकी त्वचा भीतर से खूबसूरत हो, आपने वैक्सिंग करवा रखी हो और आपमें किसी भी लुक को अपना बनाने का आत्मविश्वास हो। त्वचा को खूबसूरत बनाने के लिए संतुलित और पोषक खाना खाएं और ढेर सारा पानी पिएं। वहीं अपने वॉर्डरोब में मिक्स-एंड-मैच करने वाले कपड़े रखें, ताकि कहीं बाहर जाने से पहले कपड़े तलाशने में आपको वक्त जाया न करना पड़े।
- मेकअप शुरू करने से पहले त्वचा पर प्राइमर लगाएं। प्राइमर त्वचा को नमी और पोषण देने के साथ-साथ उसे मुलायम भी बनाता है। प्राइमर को आप फाउंडेशन भी कह सकती हैं। मेकअप करने के लिए ग्लो अप प्राइमर का इस्तेमाल करें। इससे आपकी त्वचा की रंगत एक जैसी दिखेगी और साथ ही उसमें चमक भी आएगी। ग्लो अप प्राइमर एक्ने और अन्य दाग-धब्बों के निशान को भी छुपा देता है। आंखों के लिए नियॉन रंग के आईलाइनर का इस्तेमाल करें। सी ग्रीन, ऑरेंज और एप्पल ग्रीन रंग के आईलाइनर आजकल चलन में हैं। इसके साथ आंखों में काजल, बड़ी बिंदी और लिपस्टिक आपके पूरे लुक को कई गुना बेहतर बना देंगे।
- एक सामान्य-सी ड्रेस को एक्सेसरीज की मदद से आप बेहद खास ड्रेस में तब्दील कर सकती हैं। ए लाइन सलवार-सूट पूरी तरह से आउट ऑफ फैशन हो चुके हैं। अनारकली सूट या मिक्स एंड मैच सलवार-सूट और उसके साथ एक साधारण-सी चोटी से आपको बहुत खूबसूरत लुक मिलेगा। अगर मौका कोई खास है और आप साड़ी पहनने की सोच रही हैं तो उसके साथ कमरबंध भी पहन सकती हैं। इसके अलावा आप अपनी साड़ी को बंगाली स्टाइल में पहनकर उसके साथ चाबी के छल्ले को एक्सेसरीज के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं।
- आपके पूरे लुक का एक अहम हिस्सा है, हेयर स्टाइल। पर, जरूरी नहीं है कि जो हेयरस्टाइल आपकी मम्मी पर बहुत अच्छा लग रहा है, आप पर भी अच्छा लगे। इसलिए अपनी पर्सनैलिटी और लुक को ध्यान में रखते हुए ही अपना हेयरस्टाइल चुनें। फिश टेल चोटी, ढीली पोनीटेल, फ्रेंच जूड़ा और लो जूड़ा भी आप बना सकती हैं। इसके साथ गजरा या अन्य फ्लोरल एक्सेसरीज का इस्तेमाल करना न भूलें।
- जंक ज्वेलरी और डायमंड ज्वेलरी का चलन अब कम हो रहा है। सोने की ज्वेलरी फिर से चलन में है। अगर आपकी ड्रेस से मैच करती कुंदन ज्वेलरी आपके पास है, तो आप उसे भी पहन सकती हैं।

भारतीय शादी से जुड़े रीति-रिवाजों की तुलना किसी अन्य देश के रीति-रिवाजों से नहीं की जा सकती। हर दिन इस्तेमाल में आने वाली आम चीजें, शादी की रीति-रिवाजों में खास हो जाती हैं। पान, सुपारी और हल्दी जैसी चीजें कैसे बनाती हैं आपकी शादी को खास।

आपकी शादी को खास बनाती हैं ये सामग्री

खूबसूरत त्वचा के लिए हल्दी

शादी से जुड़ी सबसे आम रस्म है हल्दी लगाना। शादी से एक दिन पहले दूल्हा और दुल्हन को शादीशुदा महिलाएं हल्दी लगाती हैं। पारंपरिक रूप से हल्दी की इस विधि में दुल्हन पीले रंग का कपड़ा पहनती है। हल्दी के कार्यक्रम के बाद दूल्हा और दुल्हन को एक-दूसरे से मिलने की इजाजत नहीं होती है। हल्दी, बेसन और तेल को मिलाकर इस दिन के लिए उबटन बनाया जाता है। हल्दी में एंटीसेप्टिक गुण होता है, वहीं बेसन त्वचा को साफ करके उसमें चमक लाता है और तेल त्वचा को जरूरी नमी प्रदान करके उसकी खूबसूरती बढ़ाता है। कई बार इस उबटन में चंदन और केसर भी मिलाया जाता है ताकि त्वचा की खूबसूरती और बढ़ सके।

समृद्धि का प्रतीक है चावल

भारतीय खानपान में चावल का प्रमुखता से इस्तेमाल होता है और चावल के इसी गुण के कारण उसे शुद्ध और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। शुद्धता के इस प्रतीक का इस्तेमाल हमारे यहां के समारोह और रीति-रिवाजों में बहुलता से किया जाता है। हिंदू विवाह के दौरान नए जोड़े को आशीर्वाद देने के लिए उनके ऊपर चावल छिड़का जाता है। ऐसी मान्यता है कि चावल नकारात्मक चीजों को दूर भगाता है, इसलिए विवाह के दौरान प्रज्वलित अग्नि में दूल्हे के द्वारा चावल भी डाला जाता है। घर की देवी को भी चावल अर्पित किया जाता है। शादी के बाद विदाई के वक्त दुल्हन अपने हाथों में चावल भरकर उसे अपने सिर के पीछे की ओर फेंकती है, वहीं अपने ससुराल पहुंचकर वह चावल से भरे बरतन को अपने पैरों से गिराकर घर में प्रवेश करती है। इन दोनों रिवाजों के माध्यम से दुल्हन यह प्रार्थना करती है कि उसके मायके और साथ ही साथ उसके ससुराल में समृद्धि हमेशा बनी रहे।

पान-सुपारी भी हैं खास

हर धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ-साथ शादी से जुड़े विभिन्न विधि-विधानों का अहम हिस्सा है पान और सुपारी। कई धार्मिक रीति-रिवाजों में तो सुपारी को देवी का प्रतीक भी माना जाता है। वहीं, पान का पत्ता ताजगी और समृद्धि का प्रतीक है। कई हिंदू विवाह में पान के पत्ते को दूल्हा और दुल्हन के सिर पर लगाया जाता है। दूल्हे के परिवार का स्वागत भी पान के पत्ते से किया जाता है और अमूमन शादी की हर विधि में पान के पत्ते का इस्तेमाल होता है। वहीं, पान का पत्ता और नारियल सभी मेहमानों को धन्यवाद के प्रतीक के रूप में भी दिया जाता है।

शुद्ध नदियों का प्रतीक पानी

शादी के विभिन्न रीति-रिवाजों में पानी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है। पानी शुद्ध नदियों का प्रतीक है। इसे जिंदगी और जीवन चक्र का आधार माना जाता है। सभी धर्म और समुदाय में सफाई करने के लिए, सेहत को बेहतर बनाने के लिए, अच्छे भविष्य और समृद्धि के लिए शादी के रीति-रिवाजों में पानी का इस्तेमाल किया जाता है।

इनका भी होता है इस्तेमाल

- आम, केला, नीम और तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल भी शादी के विभिन्न रीति-रिवाजों में किया जाता है। ये सभी पत्ते शुद्धता के प्रतीक हैं।
- जब दुल्हन गृह-प्रवेश करती है, उस समय गुड़ खिलाकर उसका स्वागत किया जाता है। शादी के बाद के विभिन्न रिवाजों में दही का इस्तेमाल भी होता है।
- घी को पवित्र माना जाता है और शादी के अमूमन सभी रिवाजों में घी का इस्तेमाल दीप जलाने के लिए किया जाता है।
- कई समुदायों में दुल्हन के पैर धोने के लिए दूध और नारियल पानी का इस्तेमाल किया जाता है।